महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 260 | उज्जैन, रविवार 01 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

इस संसार में अनेक कलाएं हैं,और इन कलाओं में सबसे अच्छी कला है, दूसरों के हृदय को छू लेना...

किसानों को कृषि केबिनेट में देंगे होली की सौगात : मुख्यमंत्री

2 मार्च को जनजातीय अंचल बड़वानी में होगी पहली कृषि केबिनेट

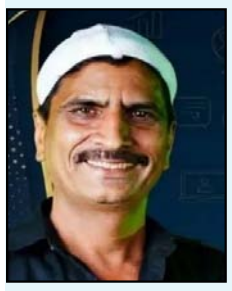

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के सभी किसानों की बेहतरी के लिए हम कई प्रकार के नवाचार कर रहे हैं। हमारी सरकार वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रही है। राज्य सरकार के 17 अलग-अलग विभागों पशुपालन, उद्यानिकी, सहकारिता, कृषि, उद्योग को साथ लेकर किसानों की समृद्धि के लिए बगीचे से लेकर बाजार तक विस्तृत योजना तैयार की गई है। राज्य में पहली बार कृषि केबिनेट जनजातीय अंचल बड़वानी में 2 मार्च को आयोजित की जा रही है। इसमें हम किसानों को होली की सौगात देने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि के लिए समर्पित इस वर्ष में हम किसानों को आत्मनिर्भर बनाने वाले सभी कार्यों और नवाचारों को प्रोत्साहन देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह से सौजन्य भेंट के बाद यह बात कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह से भेंटकर उन्हें अवगत कराया कि राज्य सरकार द्वारा विश्व के श्रेष्ठ शासकों में सर्वोच्च स्थान रखने वाले सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित कई आयोजन किए गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल में 40 साल पहले भीषण गैस त्रासदी हुई थी। जिसमें 25 हजार से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई। राज्य सरकार ने बीते साल यूनियन कार्बाइड कारखाने में जमा कचरे का सफलतापूर्वक निष्पादन कराया है। यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री की खाली पड़ी जमीन पर एक भव्य स्मारक बनाये जाने के लिये केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह से मार्गदर्शन प्राप्त किया है। यहां 87 एकड़ भूमि पर भोपाल गैस त्रासदी स्मारक, साइंस पार्क, कन्वेंशन सेंटर, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए समर्पित आधुनिक प्रयोगशाला, विकास आधारित राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र स्थापित करने की योजना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश नक्सलवादी अभियान से मुक्त हो गया है। लाल सलाम को आखिरी सलाम करने वाला मध्यप्रदेश पहला राज्य है, यह हमारे लिए उल्लेखनीय उपलब्धि है। प्रदेश में हर तरह की नक्सल गतिविधियों पर नकेल कसी है। बालाघाट ने लंबे समय तक नक्सलवाद का दंश झेला है। क्षेत्र के समग्र विकास के लिए यहां बैगा महोत्सव आयोजित किया जाए, इस दिशा में गृह मंत्री श्री शाह से मार्गदर्शन लिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम की दिशा में आज प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान की शुरूआत की है। इसके अंतर्गत प्रदेश की 8 लाख से अधिक बालिकाओं का निःशुल्क टीकाकरण किया जाएगा। यह अभियान प्रदेश की 14 से 15 साल की बालिकाओं के लिए एक वरदान साबित होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार हर मुश्किल वक्त में किसानों के साथ खड़ी है। प्राकृतिक आपदा से किसानों को हुई फसल क्षति के मुआवजे के लिए सर्वे के बाद सरकार मदद कर रही है। मध्यप्रदेश देश का फूड बॉस्केट है। प्रदेश में रबी, खरीफ, ग्रीष्मकालीन फसलों की अच्छी उत्पादकता है। मध्यप्रदेश दलहन उत्पादन में अग्रणी राज्य है। गेहूं उत्पादन में भी हम देश में दूसरे स्थान पर हैं। प्रदेश में उड़द, मसूर, तुअर पर्याप्त मात्रा में पैदा होती है। मध्यप्रदेश तिलहन में भी प्रथम स्थान रखता है। सोयाबीन और मूंगफली सबसे अधिक मध्यप्रदेश में ही होती है। प्राकृतिक खेती और बागवानी में भी मध्यप्रदेश सबसे आगे है। किसानों की समृद्धि के लिए खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में राज्य सरकार आगे बढ़ रही है। प्रदेश में जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय वर्ग के पारम्परिक त्यौहार भगोरिया को राजकीय पर्व के रूप में मना रही है। उन्होंने बताया कि वे स्वयं शुक्रवार को आलीराजपुर जिले के उदयगढ़ में भगोरिया उत्सव में शामिल हुए और अमर शहीद चंद्रशेखर के बलिदान? दिवस पर उनकी जन्मस्थली भाभरा में श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया? कि उन्होंने शनिवार को ही राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन को राज्य में चल रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी दी और उन्हें बाबा महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन आने का निमंत्रण भी दिया।

न्यूज ब्रीफ

मजहबी कट्टरता के खिलाफ बोलने वाले यूट्यूबर सलीम अहमद पर हमला, CM योगी ने लिया संज्ञान

नई दिल्ली/ जीएनएस। मजहबी कट्टरता के खिलाफ आवाज उठाने वाले यूट्यूबर सलीम अहमद उर्फ सलीम वास्तिक पर हुए जानलेवा हमले के मामले का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लेते हुए हमलावरों के खिलाफ सख्त चेतावनी दी है। इसके बाद पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाते हुए कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की मदद से हमलावरों की पहचान कर ली है। दोनों हमलावर दिल्ली से लोनी बॉर्डर होते हुए लोनी में आए थे और वारदात के बाद इसी रास्ते से फरार हो गए थे। पुलिस ने आरोपितों की तलाश में दिल्ली में डेरा डाला हुआ है। कई संभावित स्थानों पर पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं। मामला सुर्खियों में आने के बाद क्राइम ब्रांच की टीम को मामले की जांच में लगाया गया है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को इस हमले का संज्ञान लिया और कड़े शब्दों में इस दुस्साहसिक वारदात की निंदा की। सीएम योगी ने सख्त लहजे में कहा कि यूपी में आतंक की कोई जगह नहीं है। इस प्रकरण में कानून अपना काम करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की 10 टीमें गठित की गई है। पुलिस ने हमलावरों की तलाश में 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली है। फुटेज में हमलावर आते और जाते हुए दिखाई दिए हैं। दोनों हमलावरों ने हेलमेट लगाए हुए हैं और वह दिल्ली से लोनी बॉर्डर की तरफ से आते हुए दिखाई दिए और हमले के बाद इसी दिशा में जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुलिस दिल्ली में विभिन्न रूटों पर हमलावरों की तलाश में सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। बता दें कि लोनी की अली गार्डन निवासी सलीम अहमद उर्फ सलीम वास्तिक ने यूट्यूब चैनल बनाया हुआ है। वह इसके माध्यम से मुस्लिम कट्टरता और कुरीतियों पर वार करते हैं।

8 मिनट में 80 रुपये! एयरपोर्ट से महंगी पड़ी पटना जंक्शन की पार्किंग, यात्रियों में नाराजगी

पटना/ जीएनएस। राजधानी के प्रमुख रेलवे स्टेशन पटना जंक्शन पर लागू स्मार्ट पार्किंग शुल्क को लेकर यात्रियों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। यात्रियों का कहना है कि यहां वसूला जा रहा पार्किंग चार्ज न केवल अधिक है, बल्कि दिल्ली के बड़े स्टेशनों और यहां तक कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से भी महंगा पड़ रहा है। कुछ यात्रियों ने तुलना करते हुए कहा कि जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा की पार्किंग दरें भी इससे कम महसूस होती हैं। स्टेशन परिसर में लागू स्मार्ट पार्किंग व्यवस्था के तहत निर्धारित समय सीमा आठ मिनट है। इसके एक मिनट भी अधिक होते ही चार पहिया वाहनों से 80 रुपये शुल्क लिया जा रहा है। खासकर पिकअप और ड्रॉप के लिए आने वाले वाहन चालकों को कुछ ही मिनटों में अधिक भुगतान करना पड़ रहा है। यात्रियों का कहना है कि कई बार ट्रेन के विलंब या प्लेटफॉर्म बदलने की स्थिति में स्वजनों को कुछ देर रुकना पड़ता है, जिससे पार्किंग शुल्क अनावश्यक रूप से बढ़ जाता है। गया से पटना पहुंचे यात्री आशुतोष के स्वजन राजू कुमार ने बताया कि सिर्फ 20-25 मिनट रुकने पर ही काफी अधिक राशि चुकानी पड़ी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में शुरुआती कुछ मिनटों तक राहत मिलती है, लेकिन पटना जंक्शन पर तुरंत भारी शुल्क लगा दिया जाता है। वहीं यात्री रौशन शर्मा ने कहा कि यहां एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं, फिर भी शुल्क हवाई अड्डे से अधिक वसूला जा रहा है।

क्रुड ऑयल के दाम जाएंगे 100 डॉलर के पार... ईरान पर हमले के बाद भारत पर कितना पड़ेगा असर?

नई दिल्ली/ जीएनएस। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए बड़े हमलों के बाद अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में भारी तेजी देखने को मिल सकती है। विश्लेषकों का अनुमान है कि होर्मुज जलडमरूमध्य बाधित होने पर ब्रेंट क्रूड 80-100 डालर प्रति बैरल या इससे भी ऊपर पहुंच सकता है।

यह स्थिति भारत के लिए बेहद चिंताजनक साबित हो सकती है। भारत अपनी कुल क्रूड जरूरत का लगभग 86-89 फीसद हिस्सा आयात करता है और भारत के कुल आयात का 45-50 फीसद अभी भी सउदी अरब, कुवैत, बहरीन, यूएई जैसे देशों से आता हैं, जिनकी आपूर्ति युद्ध के लंबा चलने से प्रभावित हो सकती है।

स्थिति पर भारत सरकार की नजर- भारत सरकार पूरी स्थिति पर नजर रखे हुए है और अगर जरूरी हुआ तो देश की ऊर्जा सुरक्षा को देखते हुए रूस से तेल की खरीद फिर से बढ़ाई जा सकती है। ईरान को लेकर राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की तरफ से लगातार की जा रही बयानबाजी का असर अंतरराष्ट्रीय क्रूड बाजार पर पहले से ही दिख रहा है।

एक दिन पहले (27 फरवरी) को ब्रेंट क्रूड की कीमत 72.87-73.19 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुई, जो जुलाई 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। पूरे फरवरी में इसमें करीब 8 फीसद की बढ़ोतरी हो चुकी है। 28 फरवरी व 1 मार्च को बाजार बंद है लेकिन अगले हफ्ते को लेकर क्रूड बाजार में भारी अफरा-तफरी की आशंका है।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान पर हमले की आशंका पहले से ही कीमतों को ऊपर धकेल रही थी और अगर युद्ध बढ़ा तो वार प्रीमियम के कारण कीमतें और 15 फीसद तक उछल सकती हैं।कुछ एजेंसियों की रिपोर्ट के मुताबिक भारत फरवरी 2026 में रोजाना करीब 52 से 55 लाख बैरल क्रूड आयात किया है।

इनमें से लगभग 50 फीसद होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरता है, जो मुख्य रूप से सऊदी अरब, इराक, यूएई और कुवैत से आता है। युद्ध की विभीषका की वजह से इस पूरे मार्ग पर उल्टा असर पड़ने की आशंका है। भारत को इस बात की पहले से ही आशंका थी तभी वह खाड़ी क्षेत्र से आयात लगातार घटा रहा है।

पहले भारत 70 फीसद तक कच्चा तेल खाड़ी क्षेत्र से लेता था। लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद विविधीकरण की रणनीति अपनाई गई। रूस से आयात बढ़कर 35-40 फीसद तक पहुंच गया था, जो अब अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण घटकर 22-23 फीसद पर आ गया है।

केंद्र सरकार ने एक्साइज ड्यूटी में की कटौती- रूस की पूरी हिस्सेदारी की भरपाई के लिए भारत ने सऊदी अरब, इराक और यूएई से खरीद बढ़ा दी है, जो खाड़ी क्षेत्र के हालात की वजह से प्रभावित हो सकती है।

मार्च में पड़ेगी अप्रैल जैसी गर्मी, हीटवेव से झुलसेंगे लोग

नई दिल्ली/ जीएनएस। फरवरी की सूखी विदाई के बाद उत्तर भारत में गर्मी ने समय से पहले दस्तक दे दिया है। मार्च के पहले ही सप्ताह में अधिकतम तापमान सामान्य से तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक ऊपर जा सकता है। हालात ऐसे बन रहे हैं कि मार्च में ही अप्रैल जैसी गर्मी महसूस हो सकती है और कुछ क्षेत्रों में हीटवेव जैसी स्थिति भी बन सकती है। इस बार गर्मी का मौसम जल्दी, लंबा और अधिक तीखा हो सकता है, जिससे आम जनजीवन, कृषि और बिजली मांग पर असर पड़ना तय है। मौसम विभाग (आईएमडी) का कहना है कि मार्च से मई के दौरान देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक हीटवेव के दिन दर्ज हो सकते हैं। उत्तर भारत के परिप्रेक्ष्य में पश्चिमी राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और पूर्वी उत्तर प्रदेश विशेष रूप से संवेदनशील माने जा रहे हैं। बिहार और झारखंड में भी मार्च के दूसरे पखवाड़े से तापमान में तेज उछाल देखने को मिल सकता है। अभी भले ही आधिकारिक तौर पर लू की घोषणा न हुई हो।

ईरान-इजरायल-अमेरिका संघर्ष से गाजियाबाद के प्रवासी घबराए, कतर-कुवैत में विस्फोट का धुआं देखकर घरों में बंद

नई दिल्ली/ जीएनएस। कतर और कुवैत सहित अन्य खाड़ी देशों में गाजियाबाद जिले के काफी संख्या में लोग नौकरी कर रहे हैं। खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले करने के बाद गाजियाबाद के लोग भी वहां दहशत में है। दैनिक जागरण ने कतर और कुवैत सहित अन्य देशों में रह रहे लोगों से बातचीत की। हमले के बाद ज्यादातर लोग अपने घरों में कैद हो गए हैं। वह दहशत में हैं। उन्होंने भारत लौटने की इच्छा जताई है।

अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला- गाजियाबाद में मसूरी, महाराजपुर, शहीद नगर, कैला भट्ठा, इस्लाम नगर, नाहल गांव के काफी लोग खड़ी देशों में नौकरी करते हैं। इनमें ज्यादातर ड्राइवर, वेल्डर, राज मिस्त्री, इलेक्ट्रिशियन, कारपेंटर आदि काम करते है। कामगारों की भी खासी संख्या है।

राजधानी में गूंजेगी जनजातीय विरासत कला, परंपरा और रोजगार का महापर्व; 2 मार्च से शुरू हो रहा महोत्सव

नई दिल्ली/ जीएनएस। राजधानी दिल्ली मार्च महीने में जनजातीय संस्कृति, कला और उद्यम का जीवंत केंद्र बनने जा रही है। राजधानी दिल्ली में दो मार्च से शुरू होकर एक महीने तक चलने वाले जनजातीय महोत्सव में देशभर से करीब एक हजार जनजातीय कलाकार, शिल्पकार और उद्यमी भाग लेंगे।

दिल्ली में अलग अलग जगह होने वाला यह आयोजन केवल सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जनजातीय समाज की आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक ठोस पहल के रूप में भी सामने आएगा। इसमें जनजातीय संस्कृति, कला और उद्यम को राष्ट्रीय मंच मिलेगा। दो मार्च से 30 मार्च तक राजधानी दिल्ली जनजातीय कला, संगम की साक्षी बनने वाली है। जनजातीय मामलों के मंत्री जुअल ओराम ने राजधानी में दो मार्च से शुरू होने वाले जनजातीय महोत्सव, संगोष्ठियों और उनके आर्थिक सशक्तीकरण के उद्देश्य से जनजातीय व्यापार सम्मेलन और सीएसआर शिखर सम्मेलन होने की जानकारी दी।

जांच की दिशा से भटकी, भ्रष्टाचार की बजाय मनी लॉन्ड्रिंग पर जोर... दिल्ली आबकारी केस में CBI ने कहां की गलती?

नई दिल्ली/ जीएनएस। दिल्ली आबकारी घोटाले की सीबीआई की जांच शुरू से ही गलत दिशा में चली गई थी। देश की प्रीमियम जांच एजेंसी भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत सरकारी पद के दुरुपयोग के सुबूत जुटाने के बजाय मनी लॉन्ड्रिंग और मनी ट्रेल के सबूत जुटाने में अटक गई।

सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत दाखिल चार्जशीट में साउथ लाबी जैसे शब्द का प्रयोग और गोवा चुनाव तक रिश्वत की रकम पहुंचने को सुबूत के रूप पेश करना इसी का परिणाम है। ईडी और सीबीआई में हाईप्रोफाइल मामलों से जुड़े कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार सीबीआई और ईडी की जांच अलग-अलग है।

सीबीआई आबकारी घोटाले में भ्रष्टाचार की जांच कर रही थी, वहीं ईडी घोटाले में हुई मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही थी। भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 17 में स्पष्ट प्रविधान है कि सरकारी अधिकारी यदि अपने पद का दुरूपयोग कर किसी को लाभ पहुंचाने की कोशिश करता है और उसके ठोस सबूत हों, तो इसके लिए उसे सजा हो सकती है।

कानून में पैसे की लेन-देन के सबूत होने अनिवार्य नहीं है। राउज एवेन्यू की विशेष अदालत के 600 पेज के आदेश को ध्यान से पढ़ें तो उसमें पद के दुरूपयोग के सबूत पेश नहीं किये जाने का बात बार-बार कही गई है।

इसके साथ सीबीआई अपने इस आरोप को साबित करने में बुरी तरह विफल रही कि थोक बिक्रेताओं को दिए गए 12 फीसद कमीशन में छह फीसद कमीशन आम आदमी पार्टी या उसके पदाधिकारियों के खाते में गया था। एक सेवानिवृत वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार सीबीआई और ईडी की चार्जशीट एक जैसी है। जबकि जांच के दायरे के अनुरूप उनमें अंतर होना चाहिए।

सीबीआई के सारे सबूत और गवाह वही हैं, जो ईडी के हैं। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सीबीआई की चार्जशीट ईडी की चार्जशीट की कॉपी जैसी है। ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सीबीआई की चार्जशीट खारिज होने के बाद भले ही ईडी का केस कमजोर हो गया हो, लेकिन ट्रायल होने की स्थिति में ईडी मनी लॉन्ड्रिंग का केस साबित करने में मजबूत स्थिति में होगी।

यूरोप के 27 देशों में एसएमई के लिए कारोबार का बड़ा अवसर, भारत को मोस्ट फेवर्ड देश का दर्जा

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश के स्माल व मीडियम इंटरप्राइजेज (एसएमई) के लिए यूरोप के 27 देशों में कारोबार का बड़ा अवसर मिलने जा रहा है। भारत और यूरोपीय यूनियन (ईयू) के बीच व्यापार समझौते पर अमल होते ही एसएमई को यूरोपीय देशों के कारोबार की सारी जानकारी मिलेगी।

भारत और ईयू ने व्यापार समझौते से जुड़े वैधानिक दस्तावेज को जारी कर दिया है और समझौते पर अमल इस दस्तावेज के मुताबिक ही किया जाएगा। हालांकि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते पर अमल इस साल के आखिर या अगले साल के आरंभ में शुरू होगा।

व्यापार समझौते से फायदा- दस्तावेज के मुताबिक व्यापार समझौते पर अमल होते ही दोनों पक्ष एक-दूसरे को पांच साल के लिए मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) का दर्जा देंगे। इसका मतलब यह हुआ कि दोनों पक्ष किसी तीसरे पक्ष या देश को शुल्क के मामले में अधिक रियायत नहीं दे सकते हैं।

जैसे अगर किसी वस्तु की बिक्री के लिए ईयू ने भारत पर पांच प्रतिशत का शुल्क लगाया है तो किसी अन्य देश को भी ईयू इससे कम शुल्क की पेशकश नहीं कर सकेगा। दस्तावेज के मुताबिक भारत और ईयू स्माल व मीडियम इंटरप्राइजेज के लिए एक कामन डिजिटल प्लेटफार्म बनाएंगे जिन पर दोनों देश अपने यहां व्यापार के अवसर की पूरी जानकारी साझा करेंगे।

डिजिटल रूप में भेजी जाएगी जानकारी- एसएमई को इस पोर्टल पर जानकारी हासिल करने के बदले कोई शुल्क नहीं देना होगा। उन्हें यह भी बताया जाएगा कि किसी वस्तु का निर्यात करने के लिए उन्हें ईयू में किनसे संपर्क करना होगा और ईयू के किन देशों में किन-किन चीजों की जरूरत है या मांग निकलने वाली है।

दोनों देशों के बीच ई-निर्यात को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। वैसे भी भारत और ईयू एक दूसरे के यहां व्यापार करने में किसी दस्तावेज का इस्तेमाल नहीं करने पर सहमति जताई है। कस्टम क्लीयरेंस व अन्य जानकारी भी पूरी तरह से डिजिटल रूप में भेजी जाएगी।

लेकिन डाटा सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा जाएगा और इसके लिए भी मैकेनिज्म तैयार होगा। कार्बन बार्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म (सीबैम) के तहत लगने ईयू में लगने वाले शुल्क पर भारत को ईयू ने कोई रियायत तो नहीं दी है, लेकिन दस्तावेज में कहा गया है कि अगर ईयू किसी अन्य देश को इस शुल्क में कोई छूट देता है तो वह छूट भारत को भी दी जाएगी।

EU कैसे करेगा मदद - कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए ईयू भारत की तकनीकी व वित्तीय दोनों मदद करेगी। दस्तावेज में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के संवेदनशील मामलों को व्यापार के दायरे से दूर रखने का फैसला किया है। भारत ने ईयू के लिए अपने कृषि और डेरी सेक्टर को नहीं खोला है।

रंगपंचमी गैर यात्रा की तैयारियों का जायजा, महापौर- कलेक्टर ने किया संपूर्ण मार्ग का निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रंगपंचमी पर निकलने वाली ऐतिहासिक एवं भव्य गैर यात्रा की तैयारियों को लेकर आज महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा एवं पुलिस कमिश्नर श्री संतोष सिंह ने गौरा कुण्ड चौराहे से राजबाड़ा तक संपूर्ण गैर मार्ग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर परिषद सदस्य श्री राजेश उदावत, श्री राकेश जैन, श्री मनीष शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर की रंगपंचमी गैर यात्रा शहर की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है, जिसमें हर वर्ष लाखों की संख्या में शहर, प्रदेश एवं अन्य राज्यों से नागरिक शामिल होते हैं। यह गैर यात्रा ÷गैरों को अपना बनाने÷ की परंपरा का जीवंत उदाहरण है। आयोजन के सुरक्षित एवं व्यवस्थित संचालन, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए संपूर्ण मार्ग का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया है।

निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए गए कि जहां मेट्रो या अन्य निर्माण कार्य चल रहे हैं वहां मजबूत एवं सुरक्षित बैरिकेडिंग की जाए। मार्ग पर लटक रहे अनावश्यक वायर एवं केबल तत्काल हटाए जाएं और आवश्यकता अनुसार सड़क पर पेचवर्क कार्य पूर्ण किया जाए। जर्जर या खतरनाक भवन चिन्हित होने पर वहां सूचना बोर्ड लगाकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

महापौर ने गैर यात्रा में शामिल होने वाले सभी वाहनों की अनिवार्य फिटनेस जांच पर विशेष जोर दिया। प्रत्येक वाहन में अतिरिक्त चालक रखने, ब्रेक, स्टेयरिंग और अन्य तकनीकी मानकों की जांच सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। साथ ही संपूर्ण मार्ग की सतत मॉनिटरिंग की व्यवस्था करने को कहा गया।

स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए महापौर ने कहा कि गैर यात्रा समाप्त होने के बाद निगम द्वारा विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग की टीमों को पर्याप्त संसाधनों के साथ तैनात किया जाएगा ताकि आयोजन के तुरंत बाद मार्गों की साफ-सफाई सुनिश्चित की जा सके और इंदौर की स्वच्छता बरकरार रहे।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि गैर यात्रा का सुरक्षित और सुव्यवस्थित संचालन प्रशासन की प्राथमिकता है। गैर मार्ग एवं संपर्क मार्गों पर आवश्यक पेचवर्क, अनावश्यक वायर-केबल और विज्ञापन बोर्ड हटाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही पूरे मार्ग और प्रमुख संपर्क मार्गों पर पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे लगाने, मंच व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने, चिकित्सा सुविधा, पेयजल व्यवस्था और पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए हैं।

इन्दौर उज्जैन ग्रीन फील्ड फोरलेन प्रोजेक्ट सांवेर के लिए नींव का पत्थर साबित होगा, सिंहस्थ महापर्व में मिलेगा विशेष लाभ-मंत्री सिलावट

मुआवजा राशि से किसानों और प्रभावित परिवारों को आर्थिक मजबूती मिलेगी-मंत्री सिलावट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने बताया कि इन्दौर उज्जैन ग्रीन फील्ड फोरलेन सडक प्रोजेक्ट का कार्य शीघ्र चालू होगा। यह फोरलेन सडक सिंहस्थ महापर्व-2028 को देखते हुए यह नींव का पत्थर साबित होगी। इन्दौर उज्जैन मेट्रोपॉलिटन सिटी के लिए यह प्रोजेक्ट लाभदायक होगा। इस प्रोजेक्ट से किसानों को आर्थिक लाभ होगा। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि जिन किसानों की भूमि प्रभावित हुई उन्हें उचित मुआवजा दिलाने के लिए प्रशासन से पूरा सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम मुख्यमंत्री मोहन यादवजी के आभारी है, जिन्होंने सांवेर विधानसभा के 19 गांवों के 662 प्रभावित किसानों को लगभग 627 करोड की मुआवजा राशि स्वीकृत की गई और हमारी जमीनों का उचित मुआवजा दिलाया जिससे सांवेर के किसानों और प्रभावित परिवारों को आर्थिक मजबूती मिलेगी साथ ही यह सडक प्रोजेक्ट से क्षेत्र में बेहतर एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करते हुए औद्योगिक, व्यापारिक और धार्मिक पर्यटन को भी नई गति मिलेगी। इस प्रोजेक्ट के तहत 19 गांवों की सडकों के दोनों और सर्विस रोड, अंडरपास एवं आवश्यक डक्ट का निर्माण होगा, जिससे यातायात ओर अधिक सुरक्षित होगा। इस प्रोजेक्ट के तहत भूमि अधिग्रहण के बदले उचित मुआवजा राशि मिलने और सडक निर्माण संबंधी समस्याओं का निराकरण करने पर सांवेर विधानसभा क्षेत्र के किसानों और भूस्वामियों ने फटाके फोडकर खुशी जाहिर करते हुए मंत्री तुलसी सिलावट का भव्य स्वागत कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया।

आज शनिवार को रेसीडेंसी कोठी में फटाके फोडकर फूलों की पांखुरियों से मंत्री तुलसी सिलावट को साफा, पुष्पमाला और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका सम्मान किया गया।

राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें – कलेक्टर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में जिले में पदस्थ राजस्व अधिकारियों की आज यहां समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने नामांतरण, बटवारा एवं सीमांकन के लंबित प्रकरणों के निराकरण की अधिकारीवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने राजस्व वसूली के कार्य में विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि वसूली की गति बढ़ाई जाए तथा वित्तीय वर्ष समाप्ति के पूर्व ही निर्धारित लक्ष्य पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्रीमती निशा डामोर, श्री रोशन राय तथा श्री रिंकेश वैश्य सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य जिले में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लगन, मेहनत और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। उन्होंने कहा कि अब सभी अधिकारी अपने मूल कार्यों पर विशेष ध्यान केंद्रित करें।

एक ही परमिट पर दो ट्रकों से 80 लाख की बीयर ले जा रहे थे आरोपी, लसूड़िया पुलिस ने दबोचा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में अवैध शराब के परिवहन पर बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना लसूड़िया पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 80 लाख रुपये कीमत की बोल्ट सुपर स्ट्रांग बीयर जब्त की है। आरोपियों द्वारा एक ही परमिट का उपयोग कर दो अलग-अलग वाहनों से बीयर का परिवहन किया जा रहा था। पुलिस ने मौके से 2800 कार्टून बीयर के साथ एक टाटा ट्रक और एक आयशर वाहन भी जब्त किया है, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह एवं एडिशनल कमिश्नर श्री अमित सिंह के निर्देश पर अवैध शराब के क्रय-विक्रय और परिवहन के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त जोन-2 श्री कुमार प्रतीक के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-2 श्री अमरेन्द्र सिंह एवं सहायक पुलिस आयुक्त विजयनगर श्री पराग सैनी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी लसूड़िया के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी।

दिनांक 27 फरवरी 2026 को मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इंदौर बायपास पर कार्रवाई की। रात करीब 8 बजे देवास की ओर से आ रहे ट्रक क्रमांक MP09GG7215 और वाहन क्रमांक MP09HG7050 को रोककर तलाशी ली गई। दोनों वाहनों में बोल्ट सुपर स्ट्रांग बीयर के कार्टून भरे हुए पाए गए। पूछताछ में एक चालक ने अपना नाम काशीराम पिता माल सिंह डाबर निवासी पीथमपुर जिला धार तथा दूसरे ने शेख अजगर पिता शेख अशरफ निवासी ग्राम झोकर थाना मक्सी जिला शाजापुर बताया।

दस्तावेजों की जांच के दौरान दोनों चालकों द्वारा अलग-अलग एक जैसे परमिट प्रस्तुत किए गए। जब एक ही परमिट पर दो वाहनों से एक ही कंपनी की बीयर के परिवहन के संबंध में पूछताछ की गई तो आरोपी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। जांच में यह कृत्य आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत दंडनीय पाया गया।

पुलिस ने दोनों वाहनों सहित कुल 2800 कार्टून बीयर, जिनकी मात्रा लगभग 33,600 बल्क लीटर है और कीमत करीब 80 लाख रुपये आंकी गई है, जब्त कर ली। साथ ही दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जब्त शराब के स्रोत और सप्लाई चेन के संबंध में आरोपियों से अलग से पूछताछ की जा रही है।

मुख्य अभियंता अमरकीर्ति सक्सेना को सेवानिवृत्ति पर एम.पी. ट्रांसको ने दी गरिमामयी विदाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) के मुख्य अभियंता श्री अमरकीर्ति सक्सेना 40 वर्षों की दीर्घ एवं समर्पित सेवा के उपरांत 28 फरवरी 2026 को सेवानिवृत्त हो गए। इंदौर सहित पूरे मालवा में ट्रांसमिशन नेटवर्क बनाने में पिछले 4 दशकों में उनकी उल्लेखनीय भूमिका रही है। उन्होंने इंदौर में दो अवसरों पर बेहद अल्प समय में ट्रांसफार्मर स्थापित कर इंदौर शहर और औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर की विद्युत आपूर्ति बहाल करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था।

शक्ति भवन स्थित ऐतिहासिक बोर्ड रूम में आयोजित गरिमामय समारोह में उन्हें ससम्मान विदाई दी गई। इस अवसर पर मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री मंजीत सिंह तथा मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक श्री सुनील तिवारी सहित ट्रांसको मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी एवं श्री सक्सेना के परिजन उपस्थित रहे। ट्रांसमिशन क्षेत्र में टेस्टिंग एवं प्रोक्योरमेंट के विशेषज्ञ के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले श्री सक्सेना ने मध्य प्रदेश विद्युत मंडल, मध्य प्रदेश राज्य विद्युत मंडल तथा मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। समारोह में वक्ताओं ने उनके सरल व्यक्तित्व, तकनीकी दक्षता एवं संगठन के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की कामना की।

ग्रामीण हाट बाजार में दो दिवसीय होली मेले का हुआ शुभारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत अंतर्गत ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय होली मेले का शुभारंभ आज उत्साह एवं उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण आजीविका मिशन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार के मेले न केवल उनके उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराते हैं, बल्कि उनकी प्रतिभा और परिश्रम को भी पहचान दिलाते हैं।

इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने कहा कि होली मेला महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और उनकी आय में वृद्धि करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने सभी स्व-सहायता समूहों को गुणवत्ता एवं नवाचार पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी, ताकि उनके उत्पाद व्यापक बाजार तक पहुंच सकें।

त्योहारों से पहले इंदौर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 6 बदमाश जिलाबदर, 12 पर निर्बंधन आदेश जारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर नगरीय क्षेत्र में अपराध और आपराधिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा सख्त कार्रवाई की गई है। पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त कुल 18 शातिर बदमाशों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं।

पुलिस आयुक्त द्वारा विभिन्न जोन के अधिकारियों से प्राप्त प्रतिवेदनों के परीक्षण एवं विचारण के उपरांत 6 कुख्यात बदमाशों को मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के तहत निर्धारित अवधि के लिए जिला इंदौर (नगरीय एवं देहात) तथा सीमावर्ती जिलों की राजस्व सीमाओं से जिलाबदर किया गया है।

इन बदमाशों के विरुद्ध शहर के विभिन्न थानों में गंभीर धाराओं के अंतर्गत कई आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध हैं और प्रतिबंधात्मक कार्यवाही के बावजूद इनके द्वारा लगातार अपराध कर लोक व्यवस्था भंग की जा रही थी।

इसके अतिरिक्त 12 अन्य आदतन अपराधियों के विरुद्ध निर्बंधन आदेश जारी कर उन्हें निर्धारित अवधि तक संबंधित थानों में नियमित हाजिरी देने के लिए पाबंद किया गया है। इन सभी पर अवैधानिक गतिविधियों से दूर रहने, लोकशांति भंग न करने तथा किसी भी आपराधिक कृत्य में संलिप्त न होने जैसी सख्त शर्तें लागू की गई हैं। यदि आदेश की शर्तों का उल्लंघन किया जाता है तो संबंधित के विरुद्ध विधिसम्मत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस कमिश्नरेट का कहना है कि शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने और त्योहारों के दौरान शांति सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। इन प्रकरणों में शासन की ओर से पैरवी एडीपीओ श्री अजय प्रताप बुंदेला द्वारा की गई।

नरवाई जलाने से पर्यावरण और भूमि को नुकसान, किसानों से वैकल्पिक प्रबंधन अपनाने की अपील

कलेक्टर शिवम वर्मा ने हार्वेस्टर संचालकों और किसानों की बैठक ली

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में फसल कटाई के बाद खेतों में नरवाई (फसल अवशेष) जलाने की घटनाओं को रोकने तथा किसानों को वैकल्पिक प्रबंधन के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने हार्वेस्टर संचालकों और किसानों की बैठक ली। बैठक में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा नरवाई जलाने से होने वाले दुष्प्रभावों तथा उसके वैज्ञानिक प्रबंधन के तरीकों की विस्तृत जानकारी दी गई।

कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इससे भूमि में उपस्थित लाभकारी जीवाणु एवं सूक्ष्म पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं, जिससे उत्पादन क्षमता घटती है। साथ ही वातावरण में प्रदूषण बढ़ता है, जिससे मानव स्वास्थ्य पर गंभीर विपरीत प्रभाव पड़ता है। धुएँ के कारण श्वसन संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है तथा सड़क दुर्घटनाओं की आशंका भी रहती है।

बैठक में वैज्ञानिकों ने किसानों को नरवाई प्रबंधन के विभिन्न विकल्पों की जानकारी देते हुए बताया कि फसल अवशेषों का उपयोग खेत में ही मल्चिंग, जैविक खाद निर्माण, पशु चारे तथा अन्य उपयोगों में किया जा सकता है। इसके लिए हैप्पी सीडर, सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम सहित अन्य कृषि यंत्रों के उपयोग की भी जानकारी दी गई। किसानों को बताया गया कि नरवाई को जलाने के बजाय खेत में मिलाने से मिट्टी की संरचना सुधरती है और उत्पादन लागत में भी कमी आती है।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि नरवाई जलाना न केवल कानूनन प्रतिबंधित है, बल्कि यह पर्यावरण और कृषि दोनों के लिए हानिकारक है। उन्होंने हार्वेस्टर संचालकों को निर्देश दिए कि वे मशीनों में स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम का उपयोग सुनिश्चित करें, ताकि खेतों में अवशेष व्यवस्थित रूप से फैलें और किसानों को नरवाई जलाने की आवश्यकता न पड़े।

कलेक्टर श्री वर्मा ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे नरवाई नहीं जलाएं और वैज्ञानिक तरीकों से उसका प्रबंधन करें। प्रशासन द्वारा जागरूकता, प्रशिक्षण और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और भूमि की उर्वरता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक, हार्वेस्टर संचालक तथा किसान उपस्थित रहे।

सिविल डिफेंस क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण सम्मेलन एवं समीक्षा बैठक सम्पन्न

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। होमगार्ड लाइन परिसर में सिविल डिफेंस क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण सम्मेलन का आज सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव महानिदेशक होमगार्ड नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन मध्यप्रदेश रहीं। सम्मेलन में आयोजित तीनों प्रशिक्षण सत्रों के कुल 263 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सुश्री प्रज्ञा ऋचा ने इंदौर होमगार्ड मुख्यालय का दौरा कर सिविल डिफेन्स इंदौर द्वारा संचालित आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षार्थियों से संवाद करते हुए आपदा की परिस्थितियों में संयम, धैर्य एवं आत्मरक्षा के महत्व पर बल दिया। साथ ही उन्होंने आमजन एवं संपत्ति की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय योगदान देने का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि को सम्मान गार्ड द्वारा सलामी प्रदान कर किया गया।

कार्यक्रम में प्लाटून कमांडर सुश्री कविता चौहान द्वारा अब तक संचालित तीनों प्रशिक्षण सत्रों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया। चार सिविल डिफेन्स वालंटियर्स ने अपने प्रशिक्षण अनुभव साझा किए। इंदौर होमगार्ड डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्री सुमत जैन द्वारा सिविल डिफेन्स क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण की संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की गई। महानिदेशक ने अपने उद्बोधन में सिविल डिफेन्स संगठन की भूमिका, महत्ता, आवश्यकता, लैंगिक समानता, आपदा न्यूनीकरण में सामाजिक सहयोग तथा समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत प्रकाश डाला। प्रशिक्षणार्थियों से संवाद के दौरान प्राप्त सुझावों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

सुश्री प्रज्ञा ऋचा ने आयोजन के उद्देश्य एवं सिविल डिफेन्स की गतिविधियों की जानकारी दी तथा सिंहस्थ-2028 में सिविल डिफेन्स वालंटियर्स की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में सिविल डिफेन्स वालंटियर्स द्वारा सेल्फ डिफेन्स विषयक नाटिका का मंचन किया गया। बालिकाओं द्वारा आत्मरक्षा (सेल्फ डिफेन्स) गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। सिविल डिफेन्स प्रशिक्षण की कक्षा कक्ष का अवलोकन किया गया। सिविल डिफेन्स वालंटियर्स एवं कार्यालय स्टाफ के साथ स्वल्पाहार ग्रहण किया गया।

तत्पश्चात रालामंडल क्षेत्र में पेट्रोल पंप संबंधी विषय पर Bharat Petroleum Corporation Limited (BPCL) के अधिकारियों से भेंट कर आवश्यक मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस अवसर पर डिविजनल कमांडेंट श्री भोजपाल वर्मा, इंदौर होमगार्ड डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्री सुमत जैन एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में महानिदेशक ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, जवानों एवं सिविल डिफेन्स वालंटियर्स के प्रयासों की सराहना करते हुए सभी का उत्साहवर्धन किया।

एच.पी.वी. टीकाकरण अभियान का हुआ शुभारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संपूर्ण राष्ट्र एवं प्रदेश के साथ आज जिले में भी सर्विकल कैंसर के विरुद्ध राष्ट्रीय एच. पी.वी. टीकाकरण का शुभारंभ किया गया। इंदौर जिले में हुकुमचंद पॉलिक्लिनिक में प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शरद गुप्ता, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. तरुण गुप्ता एवं जिले के कार्यक्रम अधिकारियों ने दीप प्रज्वलन कर अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में किशोरी दिति जैन को एच.पी.वी टीका लगाकर इस अभियान का प्रारंभ किया गया। दिति जैन इंदौर की पहली हितग्राही बनी जिन्हें यह टीका लगाया गया। दिति ने इस अवसर पर कहा कि यह टीका लगाने के लिए अति उत्साहित थी, उसने ऑनलाईन स्लॉट बुक किया था और उसे इस बात का गर्व है कि वह इस टीकाकरण की पहली हितग्राही बनी है।

इसी प्रकार शासकीय प्रकाशचंद सेठी हॉस्पिटल में कृपा तंवर एवं हिनल खंडेलवाल को एच.पी.वी. टीका लगाया गया। दोनों किशोरियों ने कहा कि वह यह टीका लगवाकर यह संदेश देना चाहती है कि जागरुकता से हम सर्विकल कैंसर से बचाव कर सकते हैं और हमारी सभी साथी जो इसके लिए पात्र हितग्राही है, वह टीका अवश्य लगवाएं, यह पूर्णतः सुरक्षित है। इस अवसर पर हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भी दी गई।

इसके पूर्व एच.पी.वी. टीकाकरण का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा अजमेर राजस्थान से किया गया। इसका सीधा प्रसारण भी देखा गया। इस टीकाकरण का उद्देश्य महिलाओं में सर्विकल कैंसर से बचाव करना है, जो भारत में स्तन कैंसर के बाद कैंसर का दूसरा सबसे बड़ा रूप है। 99 प्रतिशत सर्विकल कैंसर एच.पी.वी. वायरस के कारण होते हैं। जिला अस्पताल इंदौर में सिविल सर्जन डॉ.जी.एल सोढ़ी ने इस अभियान का शुभारंभ किया। जिले के विकासखंड हातोद, सांवेर, देपालपुर, मानपुर तथा शहरी क्षेत्र में चारो झोन में भी एच.पी.वी. टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया।

यह टीका उन किशोरियों को लगाया जाएगा जिनकी उम्र 14 वर्ष पूरी हो चुकी है। जिन लड़कियों ने अपना 14वां जन्मदिन मना लिया है, लेकिन 15वां जन्मदिन पूरा नहीं हुआ है, वे पात्र है। एक सिंगल डोज वैक्सीन प्रभावी मानी जाती है। यह टीका किशोरियों को पूर्णतः निःशुल्क लगाया जाएगा। इसके एक डोज का अनुमानित मूल्य लगभग 4 हजार रूपये से 5 हजार रुपये के मध्य है।

यू-वीन पोर्टल पर टीकाकरण का पंजीकरण किया जाएगा। यू-वीन पोर्टल के माध्यम से ही प्रमाण-पत्र जेनरेट होगा। लाभार्थी यू-वीन पोर्टल पर सेल्फ-रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं, वैक्सीनेशन सेंटर पर ऑन-द-स्पॉट रजिस्ट्रेशन भी उपलब्ध है। हितग्राही अपना स्लॉट यू-वीन पोर्टल पर बुक कर सकते हैं। लिंक https://uwinselfregistration.mohfw.gov.in/login)

नाम, आयु एवं यू-वीन पोर्टल पर स्लॉट बुक करने के लिए आधार कार्ड, जन्म प्रमाण-पत्र, अपार आई डी, स्टूडेंट फोटो आई.डी., पासपोर्ट, एम.सी.पी. कार्ड, टी.सी., पेन आई.डी., राशनकार्ड फोटो सहित, आरफनेज डेट ऑफ बर्थ डिक्लेरिएशन फार्म, बैंक पासबुक, डिक्लेरिएशन फार्म मान्य होंगे।

धुलेंडी पर 3 मार्च को मंदसौर नगर में निकलेगी महागेर

31 क्विंटल हर्बल गुलाल व 11 क्विंटल फूलों से सराबोर होगा नगर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महावीर फतेह करे सेवा संस्था (बालाजी ग्रुप) की राठौर तेली समाज धर्मशाला में पुलिस प्रशासन व समाज प्रमुखों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पुलिस प्रशासन की ओर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेजसिंह बघेल, शहर थाना प्रभारी पुष्पेन्द्रसिंह राठौर उपस्थित हुए। उन्हें ग्रुप जिलाध्यक्ष लोकेन्द्र मंगल बैरागी व आयोजन समिति के अध्यक्ष कन्हैयालाल सोनगरा द्वारा धुलेंडी पर्व 3 मार्च, मंगलवार को प्रातः 10 बजे जनकूपुरा स्थित गणपति चौक से मंदसौर नगर में निकाली जाने वाली रंगारंग महागेर के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

बैठक में लोकेन्द्र मंगल बैरागी व आयोजन समिति के अध्यक्ष कन्हैयालाल सोनगरा ने बैठक में कहा कि मंदसौर में धुलेंडी पर्व पर महागेर निकालने की परम्परा को बालाजी ग्रुप ने जीवित रखा है। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी ग्रुप द्वारा जनकूपुरा स्थित गणपति चौक से भव्य रंगारंग महागेर मंदसौर नगर में निकाली जाएगी। अबकी बार गेर की विशेषता यह रहेगी की बच्चों की परीक्षाओं को देखते हुए यह महागेर डीजे मुक्त रहेगी। प्रातः 10 बजे जनकूपुरा स्थित गणपति चौक से प्रारंभ होगी। प्रारंभ में संतों के सानिध्य में बटुकों के मंगलाचरण व मंत्रोच्चार किया जाएगा। तत्पश्चात् समाजसेवियों का सम्मान किया जाएगा। उसके पश्चात् महागेर निकलेगी जिसमें कृष्ण-सुदामा झांकी, गुजरात के नगाड़े, मंदसौर के ढोल, तोप द्वारा फूल व गुलाल की बारिश विशेष आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। साथ ही फायर फायटर से रंगों व फूलों की बरसात भी की जाएगी। 31 क्विंटल हर्बल गुलाल व 11 क्विंटल फूलों से होली खेली जाएगी। श्री बैरागी ने कहा कि बालाजी ग्रुप की महागेर अनुशासन रूप से निकाली जाती है। इसी परम्परा को इस वर्ष भी सभी सदस्य बनाये रखेंगे। ग्रुप द्वारा 51 कार्यकर्ताओं की टोली बनाकर उन्हें विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई है। यह महागैर गणपति चौक से शुक्ला चौक, सांखला चौक, कालाखेत मेन रोड़ होते हुए होटल मेघदूत रोड़, होते हुए पुराना बस स्टेण्ड पहुंचेगी जहां बड़े बालाजी मंदिर पहुंचकर महागेर का समापन होगा। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेजसिंह बघेल व शहर थाना प्रभारी पुष्पेन्द्रसिंह ने कहा कि गेर में ध्यान रखे कि कोई नशा कर शामिल न हो तथा कोई किसी को जबरदस्ती रंग न लगाये। होली को सभी भाई चारे से मनाये। हुड़दंग करने वालों पर पुलिस विशेष निगाह रखेगी। ग्रुप के नगर अध्यक्ष लोकेश ठाकुर ने महागेर की रूपरेखा प्रस्तुत की। बैठक में पं. दिलीप शर्मा, प्रवीणसिंह मण्डलोई, विनोद जाट, सुभाष गुप्ता, विनय दुबेला, अरविन्द कागला, महेश मोदी, गणपत कुमावत, ललित भाटी, सूरज बैरागी, रूपनारायण सत्यवादी, श्याम पहलवान, अंकित माली, रवि माली, विनोद चौहान, सुभम कहार, लखन कहार, विजय सोनी, अर्पित श्रीवास्तव, हरिश साल्वी, राजेश चौहान, दीपकराव मराठा, पंकज माली, जितेन्द्र कहार, कबीर बेड़ावत, नवीन कहार, सोनू जैसवानी, बलराम माली, गोविन्द कहार, ओमप्रकाश चौहान, मंगल फतरोड़, सतपाल वर्मा, नरेन्द्र बाथम, गोविन्द कहार, विक्रम वर्मा, हर्ष देवड़ा, सुनील कुमावत, दीपक वर्मा, शिवम शर्मा, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक का संचालन गणपत कुमावत ने किया एवं आभार राजकुमार राठौर ने माना।

भारतीय किसान संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा सम्पन्न हुई

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय किसान संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा राष्ट्रीय विद्या केंद्र, अन्नौजीगुडा हैदराबाद में आयोजित हुई। जिसका उद्घाटन गौ पूजन, ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलन व भारत माता पूजन के साथ हुआ। अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री के साई रेड्डी द्वारा स्वागत उद्बोधन व अखिल भारतीय महामंत्री श्री मोहिनी मोहन मिश्र द्वारा वर्ष भर का महामंत्री प्रतिवेदन का वाचन किया गया। इस प्रतिनिधि सभा में मालवा प्रांत से प्रांत अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण पटेल महामंत्री रमेश दांगी आगर, गिरिजा देवी ठाकुर, रतलाम राजेंद्र शर्मा धार उपाध्यक्ष रेवाराम सेठ सनावद,दयाराम जी पाटीदार मनावर,मंत्री धर्म सिंह गुर्जर खण्डवा,महेश ठाकुर धार,भारत सिंह बेस, कोषाध्यक्ष शांतिलाल शर्मा उज्जैन , संगठन मंत्री अतुल माहेश्वरी इन्दौर,सह संगठन मंत्री दिनेश शर्मा उज्जैन, जैविक प्रमुख आनंद ठाकुर इंदौर,श्याम पंवार खरगोन, रघुनंदन पाटीदार गरोठ, सीताराम प्रजापति,मोहन पाटीदार धार वैशाली मालवीया, इन्दौर राजीव लोचन ठाकुर रतलाम, सुनील राठौर शामिल हुए। उद्घाटन सत्र में अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। स्वागत भाषण अखिल भारतीय अध्यक्ष साई रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना की प्रतिनिधि सभा में कहा कि यह प्रतिनिधि सभा देश के किसानों के लिए मिल का पत्थर साबित होगी। इस प्रतिनिधि सभा में भूमि अधिग्रहण ट्रेड डील लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य देश देश में किसान पर भी विचार होगा। देश भर से आए प्रतिनिधि सभा में उपस्थित सभी का स्वागत है। उक्त जानकारी जिला इकाई मन्दसौर प्रचार प्रसार प्रमुख मुकेश चौधरी जाट ने दी।

ग्राम मोड़ी में अफीम की रखवाली के दौरान हादसा, कुए में गिरने से किसान की दर्दनाक मौत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के जावद थाना क्षेत्र के सरवानिया चौकी के अंतर्गत ग्राम मोड़ी में एक दर्दनाक हादसा हो गया है । खुले कुए में गिरने से 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गयी है । जिससे गांव में शोक की लहर फेल गयी है।

प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम मोड़ी निवासी भारत सिंह पिता करण सिह राजपूत खेड़ा रोड स्थित खेत पर बने खुले कुए में गिर गए।

बताया जारहा है कि गांव के गोविंद सिंह सोनिगरा के खेत पर अफीम की लुवनी चिरणी की रखवाली कर रहे थे । इसी दौरान अचानक उनका पैर फिसल गया और वे सीधे कुए में जा गिरे

घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

सरवानिया चौकी प्रभारी नीलेश सौलंकी अपनी टीम के साथ घटना स्थल पहुचे । ग्रामीणों और पुलिस की मदद से काफी मशक्कत के बाद शव को कुए से बहार निकाला गया

पुलिस ने मौके पर पंचनामा तैयार कर आवश्यक कार्यवाही पूरी की ओर शव को पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्पताल भेज दिया । मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गयी है ।

सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं - इंजी नवीन कुमार अग्रवाल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिल्ली में माननीय न्यायालय के द्वारा अपने अहम फैसले में शराब घोटाले में सीबीआई द्वारा लगाए गए सभी आरोपों से आम आदमी पार्टी के सभी उच्च स्तरीय नेताओं को बरी करने पर यह भी सिद्ध हो गया है कि अपने स्वयं को संस्कारित होने का दावा करने वाली पार्टी भारतीय जनता पार्टी किस प्रकार से षड्यंत्र रचकर देश में विभिन्न राज्यों में सत्ता हथियाने का अनैतिक प्रयास कर रही है और संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव बनाकर विपक्षी नेताओं को झूठे केस में उलझाकर बदनाम करने का घृणित कार्य कर रही है। उक्त कटाक्ष करते हुए आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष इंजी. नवीन कुमार अग्रवाल ने भाजपा के गृहमंत्री अमित शाह से जवाब मांगा है कि क्या आप नैतिकता के आधार पर अपना त्यागपत्र देंगे या इसी प्रकार से संवैधानिक संस्थाओ का दुरुपयोग कर विपक्ष के नेताओ को झूठे और बेबुनियाद प्रकरणों में उलझाते रहेंगे और साथ ही बेशर्म बने रहेंगे।

आप के प्रदेश उपाध्यक्ष इंजी. नवीन कुमार अग्रवाल ने कहा कि भाजपा के द्वारा बनाये फर्जी शराब घोटाले की आज कोर्ट ने सभी नेताओ को बरी कर सच्चाई बता दी। आम आदमी पार्टी को खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने आजाद भारत का सबसे बड़ा षड्यंत्र रचा था। लेकिन आज कोर्ट के निर्णय से साबित हो गया है कि अरविंद केजरीवाल कट्टर ईमानदार है , मनीष सिसोदिया कट्टर ईमानदार है और आप कट्टर ईमानदार पार्टी है। अग्रवाल ने कहा कि इसी प्रकार का झूठा केस 2015 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान की भाजपा सरकार ने मेरे और मेरे 6 साथियो के ऊपर भी नयागांव परिवहन चेकपोस्ट पर व्याप्त भ्रष्टाचार के खात्मे के लिए संघर्ष करते समय लगाया था, लेकिन कोर्ट ने 10 साल बाद हमें भी इसी प्रकार से दोनों को झूठे केस से बरी कर सिद्ध कर दिया था कि नीमच के आप साथी भी कट्टर ईमानदार है। इससे स्वतः प्रमाणित होता है कि भाजपा नीमच से लेकर दिल्ली तक किस प्रकार से देश की सबसे कट्टर ईमानदार पार्टी आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं को षड्यंत्र रचकर झूठे प्रकरण में फंसाती है।

विधायक डॉ. पांडेय ने बायपास सड़क निर्माण में देरी का मामला उठाया

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जावरा विधायक डॉ. राजेन्द्र पांडेय ने विधानसभा में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से बरगढ़ फंटा से भैसाना फंटा तक 18 किलोमीटर लंबे बायपास सड़क मार्ग के निर्माण में हो रही अत्यधिक देरी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यह मार्ग लगभग आठ वर्षों से निर्माणाधीन है, जिसके कारण क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस विषय पर लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने बताया कि सड़क मार्ग में निजी भूमि के भू-अर्जन की प्रक्रिया में विलंब के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने जानकारी दी कि इस मार्ग में आने वाले 205 किसानों में से 173 भू-स्वामियों का अवॉर्ड पारित किया जा चुका है, जबकि 32 किसानों का अवॉर्ड अभी शेष है। वहीं, अवॉर्ड पारित किसानों में से 72 की रजिस्ट्री शेष है।

दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने सिंगोली में शिविर सम्पन्न- 119 दिव्यांगजन लाभांवित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संकल्प से समाधान अभियान के तहत दिव्यांगता की पहचान कर दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने हेतु शासकीय अस्पताल सिंगोली (डोम)में शिविर आयोजित किया गया।संकल्प से समाधान अभियान के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा के आदेशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी,जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में दिव्यांगजनों की शीघ्र पहचान एवं त्वरित दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने हेतु जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग, स्कुल शिक्षा विभाग, जनजातिय कार्य विभाग,पंचायत एवं ग्रामीण विभाग,आयुष विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभागों के सहयोग से विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे है।चिकित्सा अधिकारी डॉ.इतेश व्यास ने बताया, कि शनिवार को सिंगोली में आयोजित शिविर में कुल 119 दिव्यांगों ने अपना पंजीयन कराया। इसमें 50 दिव्यांगों ने बस सुविधा परिचय पत्र एवं 83 ने निशक्तता प्रमाण पत्र प्राप्त किये, साथ ही 13 रेल सुविधा प्रमाण पत्र, 16 मानसिक, 40 हड्डी, 9 तांत्रिक, 5 आंख से संबंधित दिव्यांगजनों ने लाभ लिया। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. संगीता भारती ,नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉ. अरविंद मानसिक चिकित्सक डॉ.कृष्णकांत कारपेंटर,मेडिकल स्पेशलिस्ट डॉ. सतीश चौधरी,शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. मुकेश मौर्य, ग्राम पंचायतो के सचिव ,सहायक सहायक सचिवों आदि ने शिविर में अपनी सेवाएं दी।

रतलाम जिले में 5,476 करोड़ की टोल वसूली

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम जिले के पांच प्रमुख सड़क मार्गों पर अब तक 5 हजार 476 करोड़ रुपये की टोल वसूली की जा चुकी है। इन मार्गों पर मार्ग नवीनीकरण कार्य किया जा रहा है। जावरा विधायक डॉ राजेन्द्र पांडेय के प्रश्न पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने उक्त आशय की जानकारी दी। लेबड़ से जावरा एवं जावरा से नयागांव फोरलेन सड़क मार्ग पर सड़क निर्माण से अब तक पांच हजार करोड़ से अधिक की टोल वसूली हुई है।

नयागांव-जावरा मौत का मार्ग कब सुध लेंगे जिम्मेदार? 1281 मौतें और हजारों घायल, पूर्व विधायक डॉ. सम्पत स्वरूप जाजू ने उठाया मुद्दा

बोले- ब्लैक स्पॉट पर अब तक कोई सुधार नहीं

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पूर्व विधायक डॉ. सम्पत स्वरूप जाजू ने नयागांव-जावरा राज्य मार्ग की खराब हालत और बढ़ती दुर्घटनाओं को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने बताया कि यह मार्ग मध्यप्रदेश का तीसरा राज्य मार्ग है, जहाँ पिछले वर्षों में 1281 मौतें हुई हैं और घायल होने वालों की संख्या हजारों में है।

डॉ. जाजू ने कहा कि इस मार्ग पर चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर अभी तक कोई ठोस सुधार नहीं हुआ है। विशेष रूप से नीमच जिले में स्थित सड़क पर ओवर ब्रिज निर्माण जैसी आवश्यक सुविधाएं नहीं दी गई हैं। उन्होंने कहा कि मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र में तीन ओवर ब्रिज स्वीकृत कर बनाए जा चुके हैं, जिनमें से एक पूर्ण रूप से उपयोग में है और दो निर्माणाधीन हैं।

डॉ. जाजू ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के मंत्री नितिन गडकरी की योजना का हवाला देते हुए बताया कि जिले के वरिष्ठ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को शामिल कर सड़क सुरक्षा सुधार के लिए ÷नागपुर मॉडल÷ लागू किया जाएगा। इसके तहत अगले महीनों में एक वृहद सम्मेलन बुलाकर ब्लैक स्पॉट पर ओवर ब्रिज निर्माण पर जोर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि नयागांव-लेवड़ मार्ग पर बारह से पंद्रह ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं, जिनमें नयागांव रेल ओवर ब्रिज, जावद-नीमच क्रॉसिंग, भडभडीया, जेतपुर (मनासा-नीमच क्रॉसिंग), भाटखेड़ा और जीरन क्रॉसिंग शामिल हैं। पिछले दो दशकों से इन स्थानों पर ओवर ब्रिज बनाने की मांग की जा रही है, लेकिन जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

डॉ. जाजू ने मांग की कि उज्जैन सिंहस्थ के विशेष फंड से इन ब्लैक स्पॉट पर ओवर ब्रिज बनाने के लिए राशि स्वीकृत की जाए। उन्होंने कहा कि यह मार्ग राजस्थान के उदयपुर, अजमेर और मेवाड़ क्षेत्र को मध्यप्रदेश से जोड़ता है और उज्जैन को धार्मिक स्थलों जैसे नाथद्वारा, पुष्कर, भादवा माताजी और सुखानंद से जोड़ता है, जिससे श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित हो सके।

डॉ. जाजू ने अपेक्षा व्यक्त की कि जिले के जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि गडकरीजी की योजना में शामिल होकर इस गंभीर मुद्दे का समाधान करेंगे।

मंदसौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के निर्वाचन सर्वसम्मति से सम्पन्न

मंजू जाखेटिया जिलाध्यक्ष एवं वंदना सोमानी जिला सचिव चुने गये

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के पदाधिकारियों के निर्वाचन, त्रिवार्षिक सत्र हेतु चयन समिति द्वारा चुनाव अधिकारी श्रीमती ममता आगाल (पीथमपुर) एवं चुनाव अधिकारी दशपुर अंचल संयुक्त मंत्री श्रीमती भावना सोमानी की देखरेख में 'रूद्राक्ष' माहेश्वरी धर्मशाला में सम्पन्न हुए। चुनाव में निवृत्तमान जिलाध्यक्ष श्रीमती निशा पलोड़ एवं निवृत्तमार जिला सचिव श्रीमती रेखा सोमानी भी उपस्थित रही। निर्वाचन में सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष श्रीमती मंजू जाखेटिया मंदसौर, जिला सचिव श्रीमती वंदना सोमानी मंदसौर, कोषाध्यक्ष श्रीमती रेखा सोमानी दलौदा, जिला उपाध्यक्ष श्रीमती संध्या काबरा मंदसौर, श्रीमती शोभा मुंदड़ा बूढ़ा, सहसचिव श्रीमती सरिता कासट मंदसौर, श्रीमती सोनाली मालपानी पिपलियामंडी, संगठन मंत्री श्रीमती मीना जाजू मंदसौर, प्रचार मंत्री श्रीमती कमल काबरा मंदसौर, परामर्शदाता श्रीमती मणीबाला मालू एवं श्रीमती तारा कासट मंदसौर को दायित्व सौंपा गया। जिनका कार्यकाल 3 वर्ष का रहेगा। चुनाव सम्पन्न होने के पश्चात नवगठित पदाधिकारियों को उपस्थित सदस्यों ने बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर पधारे हुए सभी पदाधिकारियों का स्वागत जिला महिला मण्डल के सदस्यों द्वारा किया गया। यह जानकारी प्रचार मंत्री श्रीमती कमल काबरा ने दी।

मौत को बुलावा! चीताखेड़ा में पेट्रोल भरवाते समय मोबाइल पर बात करना पड़ा भारी, बात करते करते धधक उठी बाइक

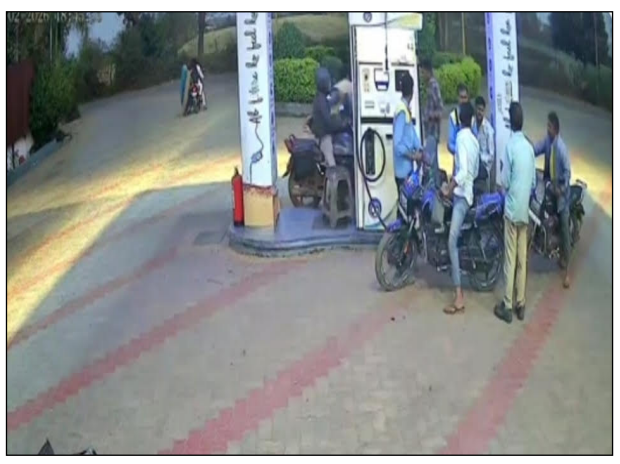

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चीताखेड़ा स्थित भारत पेट्रोलियम के पंप पर एक रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई। एक युवक अपनी बाइक में पेट्रोल भरवा रहा था, उसी दौरान उसका मोबाइल बज उठा। जैसे ही उसने फोन पर बात करना शुरू किया, मोबाइल रेडिएशन के संपर्क में आते ही पेट्रोल की वाष्प ने आग पकड़ ली।

देखते ही देखते युवक की गाड़ी आग की लपटों से घिर गई। पंप पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया, लेकिन पंप संचालक ने अपना धैर्य नहीं खोया। उन्होंने तुरंत अग्निशमन उपकरणों का उपयोग करते हुए अपनी सूझबूझ से आग पर काबू पा लिया, जिससे एक भीषण विस्फोट होने से बच गया।

क्यों खतरनाक है मोबाइल का इस्तेमाल - पेट्रोल पंप पर लगे चेतावनी बोर्ड केवल औपचारिकता नहीं हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन फोन कॉल के दौरान निकलने वाली तरंगें पेट्रोल की वाष्प को चार्ज कर सकती हैं। फोन की बैटरी या सर्किट में एक छोटा सा स्पार्क भी वहां मौजूद ज्वलनशील गैस के लिए पर्याप्त है। पेट्रोल पंप पर नो मोबाइल जोन का पालन करें। आपकी चंद सेकंड की बातचीत किसी की जान ले सकती है।

पी.एम.राहत योजना का लाभ दिलाकर सड़क दुर्घटना पीडितों की जीवन रक्षा करें-श्री चंद्रा

पी.एम.राहत योजना तहत सड़क दुर्घटना पीडितों को केशलेस उपचार की सुविधा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री राहत योजना सड़क दुर्घटना पीडितों की जीवन सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण योजना है। सड़क दुर्घटना में पीडितों को गोल्डन अवर में तत्काल उपचार मुहैया करवाकर पीडितों का जीवन बचाया जा सकता है। पीएम राहत योजना के तहत दुर्घटना पीडितों को 1.50 लाख तक के केशलैश इलाज की सुविधा है। जिले में इस योजना के तहत 43 हास्पीटल इम्पेनल्ड किए गये है। सड़क दुर्घटना में पीडितों को तत्काल हास्पीटल में भर्ती करवाकर उनकी जीवन रक्षा की जा सकती है। इस योजना के सफल क्रियान्वयन में हास्पीटल एवं पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी पुलिस अधिकारी एवं चिकित्सक अपने दायित्वों का तत्परतापूर्वक निर्वहन कर, पीड़ितों की जीवन रक्षा कर सकते हैं। यह बात कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शनिवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में पी.एम.राहत योजना के तहत आयोजित जिले के पुलिस अधिकारियों, शासकीय एवं निजी चिकित्सकों और कम्प्यूटर आपरेटरों की बैठक सह प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए कही।

इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिह सिसोदिया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद, सिविल सर्जन डॉ.महेन्द्र पाटिल, सभी इम्पेनल्ड हास्पीटल के चिकित्सक, एसडीओपी सुश्री निकिता सिह, श्री अमित राठौर, थाना प्रभारी भी उपस्थित थे। पी.एम.राहत योजना के तहत आयोजित इस प्रशिक्षण में सभी पुलिस अधिकारियों, जिले के सभी इम्पेनल्ड 43 हास्पीटलों के चिकित्सकों और उनके आपरेटरों को पी.एम.राहत योजना के पोर्टल संचालन, ई-डिटेल्ड एक्सीडेंट रिर्पोट तैयार करने, ई डीएआर पोर्टल पर सडक दुर्घटना संबंधी जानकारी अपलोड करने, सड़क दुर्घटना पीडितों को हास्पीटल पहुचते ही तत्काल केशलेस उपचार सुविधा उपलब्ध कराने, पुलिस द्वारा ई.एस.एस.विक्टम आई.डी. तैयार करने, आदि के बारे में विस्तार से पावर प्रजेन्टेशन के माध्यम से श्री पुष्पेन्द्र सिह ने प्रशिक्षण दिया।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग व अन्य विभागों को पी.एम.राहत योजना के तहत जिला स्तर पर एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश भी दिए।

नीमच से निम्बाहेड़ा के बीच बड़ा खेल, महिला के बैग से लाखों का सोना गायब

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच से निम्बाहेड़ा सफल कर रही एक महिला के साथ लाखो रुपये की चोरी का सनीसनी खेज मामला सामने आया है।

मंदसौर जिले के झारड़ा गोपाल पूरा निवासी अनिता पति भरत उर्फ बब्लू बंजारा गंगरार के जीना खेड़ा में आयोजित गंगाभोज में शामिल होने जा रही थी इसी दौरान उनके बेग से करीब 35 तोला सोने के जेवरात ओर 2 हजार रुपये नकद चोरी हो गये पीड़िता ने शनिवार को नीमच पुलिस के एसपी कार्यालय पहुचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई ओर न्याय की गुहार लगाई।

महिला ने बस के स्टाफ ओर एक निजी जीप चालक पर गम्भीर आरोप लगाये- महिला के अनुसार पालसोड़ा से बस में बैठकर नीमच बस स्टैंड पहुची । यंहा उन्होंने फोन पर अपने परिचितों से फोन पर बेग में रखे जेवरात को लेकर चर्चा की थी । आशंका जताई जा रही कि बातचीत बस कंडक्टर ओर आसपास के लोगो ने सुन ली थी ।

नीमच बस स्टैंड पर बस ड्राइवर ओर कंडक्टर ने उन्हें एक निजी जीप में बैठा दिया जिसमें पहले से 4 -5 संदिग्ध लोग मौजूद थे।

महिला का आरोप है कि जीप में बैठे लोगो ने चालाकी से अपना ओर वेग पर रख दिया जिससे वह बेग को हिला न सके - रास्ते मे जीप चालक ने न तो कोई सवारी बिठाई नही कोई उतरी नही किसी से किराया लिया जिससे उन्हें सन्देह हुआ

निम्बाहेड़ा बस स्टैंड पहुचते ही चालक महिला को उतारकर तेजी से फरार हो गया जब महिला ने वेग की जांच की तो उसमें रखा 35 तोला सोना और नगदी गायब थी पीड़िता ने इस मामले की शिकायत राजस्थान के निम्बाहेड़ा थाने में भी दर्ज कराई है । और मांग की है कि बस स्टाफ व जीप चालक को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की जाए ताकि उनके कीमती जेवरात बरामद हो सके । फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है ।

सर्विकल कैंसर से बचाव के लिये राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

नीमच जिले में छह टीकाकरण केंद्र स्थापित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सर्विकल कैंसर के बचाव के लिये राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा अजमेर से किया गया। इस अवसर पर जिला स्तरीय शुभारंभ जिला चिकित्सालय में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद, सिविल सर्जन डॉ.महेन्द्र पाटील, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.मनीष यादव ने किया।

इस अवसर पर डॉ.प्रसाद ने उपस्थित आशा कार्यकर्ताओं को एच.पी.वी.वैक्सीन के फायदो के बारे में बताया तथा अधिक से अधिक किशोरी बालिकाओं को मोबिलाईज कर, टीकाकरण कराने के निर्देश दिए। वर्तमान में जिला चिकित्सालय नीमच सामुदायिक स्वा.केंद्र सिंगोली, जीरन, रामपुरा, सिविल हास्पिटल जावद, रामपुरा, मनासा इन छ स्थानों पर टीकाकरण किया जा रहा हैं।

डॉ.प्रसाद ने बताया, कि टीकाकरण के प्रारंभिक चरण 14 वर्ष की किशोरियों का टीकाकरण किया जा रहा हैं। टीकाकरण सत्र प्रत्येक शासकीय कार्यदिवस में प्रात- 10 से दोपहर 2.30 बजे तक खुला रहेगा। कोई भी व्यक्ति उक्त समय में पहुचकर किशोरियों का टीकाकरण करवा सकता हैं।

सम्पादकीय

विकास की दिशा पर पुनर्विचारः क्या केवल जीडीपी पर्याप्त है?

क्या हम सच में आगे बढ़ रहे हैं, या आंकड़ों की चमक ने हमारी दृष्टि धुंधली कर दी है? ऊँची जीडीपी दरें, रिकॉर्ड निवेश और उत्पादन के नए शिखर भले ही उपलब्धि लगें, पर एक मूल सवाल दबता जा रहा है–क्या इस विकास ने इंसान को अधिक स्वस्थ, अधिक शिक्षित और अधिक खुश बनाया है? आर्थिक वृद्धि की अंधी दौड़ में हमने संख्याओं को ही सफलता का पर्याय बना दिया है। परिणामस्वरूप विकास की परिभाषा सिमटकर सकल घरेलू उत्पाद तक रह गई है, जबकि मानव जीवन की गुणवत्ता, पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक न्याय पीछे छूट गए हैं। चमकती अर्थव्यवस्था के पीछे छिपी यह खाई अब स्पष्ट दिखाई देने लगी है।

जीडीपी किसी राष्ट्र के कुल उत्पादन और सेवाओं के आर्थिक मूल्य का आकलन करता है, पर यह मानवीय कल्याण का सच्चा प्रतिबिंब नहीं बन पाता। प्रदूषण बढ़े और उसकी सफाई पर खर्च हो, तो वह भी जीडीपी में बढ़ोतरी के रूप में दर्ज होता है। अपराध बढ़ें और सुरक्षा पर अधिक व्यय किया जाए, तो उसे भी आर्थिक सक्रियता माना जाता है। इस तरह जीडीपी उन गतिविधियों को भी विकास घोषित कर देता है जो समाज को भीतर से निर्बल बनाती हैं। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्टों के मुताबिक 2030 तक चयनित पारिस्थितिकी सेवाओं के पतन से वैश्विक जीडीपी में 2.7 ट्रिलियन डॉलर की वार्षिक हानि हो सकती है। साफ है कि उत्पादन बढ़ने के साथ विनाश की भारी कीमत भी चुकाई जा रही है।

मानव विकास का व्यापक नजरिया स्पष्ट करता है कि आय केवल एक पहलू है। यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम की मानव विकास रिपोर्टें स्वास्थ्य, शिक्षा और आय के संतुलित संयोजन को वास्तविक प्रगति की कसौटी मानती हैं। अनेक उच्च जीडीपी वाले देशों में भी खुशहाली सूचकांक अपेक्षित ऊँचाई तक नहीं पहुँचा, क्योंकि सामाजिक रिश्ते कमजोर पड़े हैं और मानसिक दबाव बढ़ा है। जब नीतियाँ केवल आर्थिक विस्तार पर टिक जाती हैं, तब असमानता और गहरी होती है तथा विकास का लाभ सीमित वर्ग तक सिमट जाता है। यही असंतुलन समाज की आधारशिला को धीरे-धीरे क्षीण करता है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में जीडीपी-आधारित सोच की नाकामी सबसे तीखे रूप में सामने आती है। आर्थिक वृद्धि के बावजूद प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से उपजी बीमारियाँ लगातार फैल रही हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन पहले ही चेतावनी दे चुका है कि वायु प्रदूषण और जलवायु संकट वैश्विक मृत्यु दर में चिंताजनक बढ़ोतरी कर रहे हैं। नवीनतम अनुमानों के अनुसार भारत में प्रदूषण से 2 मिलियन से अधिक मौतें प्रतिवर्ष हो रही हैं। यह आंकड़ा उस विकास मॉडल पर सवाल उठाता है जो उद्योगों को वरीयता देता है, किंतु स्वच्छ हवा और सुरक्षित जल को नहीं। मानसिक स्वास्थ्य का संकट, खासकर युवाओं के बीच, इसी असंतुलन की नई और गंभीर अभिव्यक्ति बन गया है।

शिक्षा भी जीडीपी की सीमित सोच से अछूती नहीं है। सरकारी और निजी निवेश बढ़ने पर खर्च तो बढ़ता है, पर गुणवत्ता और समान अवसर की गारंटी नहीं मिलती। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच शैक्षिक खाई भविष्य की उत्पादकता पर सीधा असर डालती है। मानव विकास सूचकांक में शिक्षा को केंद्रीय महत्व दिया गया है, क्योंकि ज्ञान और कौशल ही दीर्घकालिक टिकाऊ समृद्धि का आधार हैं। यदि विकास का लाभ समान रूप से वितरित न हो, तो वंचित वर्ग अवसरों से दूर रह जाता है। ऐसी स्थिति में जीडीपी की वृद्धि केवल सतही सफलता बनकर रह जाती है, जो सामाजिक गतिशीलता को गति नहीं दे पाती।

पर्यावरणीय असंतुलन जीडीपी मॉडल की सबसे गंभीर कमजोरी बनकर उभरा है। वन कटाई, खनन और बेलगाम औद्योगीकरण उत्पादन तो बढ़ाते हैं, किंतु जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट कर देते हैं। आकलन बताते हैं कि जलवायु परिवर्तन से होने वाला वार्षिक आर्थिक नुकसान वैश्विक स्तर पर जीडीपी के 4 प्रतिशत तक 2050 तक और 20 प्रतिशत तक सदी के अंत तक पहुँच सकता है, जबकि कुछ देशों में यह वैश्विक औसत से 30-60 प्रतिशत अधिक हो सकता है। समुद्री अम्लीकरण, जल संकट और भूमि क्षरण आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ा खतरा हैं। जब विकास प्रकृति के विरोध में खड़ा होता है, तब वह अपने ही आधार को कमजोर कर देता है। स्थिरता को केंद्र में रखे बिना कोई भी आर्थिक उपलब्धि दीर्घकालिक नहीं ठहर सकती। दुनिया के कुछ राष्ट्रों ने इस असंतुलन को समझकर वैकल्पिक रास्ते अपनाए हैं। भूटान का ग्रॉस नेशनल हैप्पीनेस सूचकांक संस्कृति, पर्यावरण और सामुदायिक जीवन को विकास आधार मानता है। ओईसीडी का बेटर लाइफ इंडेक्स अवकाश, सामाजिक रिश्तों और पर्यावरणीय गुणवत्ता को परखता है। न्यूज़ीलैंड ने वेलबिंग बजट के जरिए स्वास्थ्य और शिक्षा को नीति-निर्माण के केंद्र में रखा है। ये पहल दर्शाती हैं कि विकास केवल उत्पादन वृद्धि नहीं, बल्कि मानवीय अनुभव का समग्र विस्तार है। भारत के संदर्भ में यह विमर्श और अधिक प्रासंगिक हो उठता है। तेज आर्थिक वृद्धि के बावजूद स्वास्थ्य असमानता, शिक्षा की खाई और पर्यावरणीय संकट लगातार गहराते जा रहे हैं।

श्री राधाकृष्ण द्वारा स्थापित आह्लाद को अनुभव करने का पर्व है होली : श्री माताजी

होली का पर्व भारतीय संस्कृति के प्रमुख पर्वों में से एक है उल्लास, उमंग, प्रेम, सौहार्द, एकरूपता और नकारात्मकता के विनाश का पर्व है होली। फाल्गुनी पूर्णिमा के दिन होलिका दहन व अगले दिन रंगोत्सव का आयोजन होता है। होलिका, प्रहलाद की कथा से हम सभी परिचित हैं। यह कथा हमारी इस धारणा को कि, परम पिता के प्रति संपूर्ण समर्पण के पश्चात कोई बुराई आपका बाल भी बांका नहीं कर सकती दृढ़ करती है। होली का पर्व आज भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है जिसका प्रारंभ यदि हम देखें तो श्रीकृष्ण के कालखंड में हुआ प्रतीत होता है। यह आनंद उत्सव है भगवान श्री कृष्ण का स्वरूप आनंद प्रदान करने वाला है तथा उनकी शक्ति राधारानी आह्लाददायनी स्वरूप में हैं। सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने इस महोत्सव के प्रारंभ की अत्यंत सटीक व्याख्या अपनी अमृतवाणी में की है,

उस जमाने में कंडीशनिंग की वजह से लोग बहुत गंभीरता से धर्म करने लगे उनका आह्लाद, उनका उल्लास सब खत्म हो गया। राधा जी की जो मुख्य शक्ति थी वह थी आह्लाद इसलिए उन्होंने होली का त्योहार बनाया, उन्होंने रंग खेलना शुरू किया रंग भी जो है वह देवी के रंग है सारे सातों चक्रों के रंग से होली खेली जाती है सारे चक्रों के रंग ही अपने पर उड़ेल लो खेलो उल्लास और आनंद में गंभीरतापूर्वक बैठने की क्या जरूरत है? आनंद के साथ साथ होली सामाजिक एकरूपता का भी प्रतीक है। सभी प्रकार के भेदभाव मिटाकर लोग प्रेम के रंग में सराबोर हो जाते हैं। इस तरह से एक समाजवाद और एक सामाजिक खुशी का त्यौहार अपने देश में होता है।

होली के पर्व के मूल तत्व के बारे में श्री माताजी वर्णन करते हुए कहती हैं कि, होली का तत्व जानना चाहिए होली में अपने अंदर की गंदगी और दोष जलाकर हृदय शुद्ध करते ही जो प्रेम उमड़ आता है उसके चैतन्य से व सब तरफ चैतन्य के रंगों की बौछार होने से सब लोग मस्त हो जाते हैं। इसलिए होली में सर्वप्रथम अपने अंदर की बाधाएं जलानी चाहिए। ...स्वच्छ हो जाओ मुक्ति में जो आनंद आ रहा है इसमें नाचो - गाओ और सब को आनंदित करो। सहजयोग की होली श्री कृष्ण की होली है।

इस फागोत्सव चैतन्य के रंगों में सराबोर होने के लिए श्री माता जी के सानिध्य में कुंडलिनी जागरण द्वारा अपना आत्म साक्षात्कार प्राप्त कर आत्मानंद का अनुभव अवश्य प्राप्त करें। स्वयं को पाने का आनंद ही वास्तविक आनंद होता है।

सहजयोग से संबंधित जानकारी निम्न साधनों से प्राप्त कर सकते हैं। यह पूर्णतया निशुल्क है।

होलीः आध्यात्मिक चेतना एवं वैज्ञानिक दृष्टि का सांस्कृतिक उत्सव

होली केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन की सजीव अभिव्यक्ति है। यह वह पर्व है जो मनुष्य को उसके भीतर झाँकने का अवसर देता है और याद दिलाता है कि जीवन का वास्तविक सौंदर्य बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि अंतःकरण की निर्मलता में निहित है। समय के प्रवाह में होली के स्वरूप में अनेक परिवर्तन आए हैं। कहीं यह उत्सव उल्लास का माध्यम बना, तो कहीं उच्छृंखलता का पर्याय भी दिखाई देने लगा। छेड़खानी, मादक पदार्थों का सेवन, मारपीट और मर्यादा का उल्लंघन जैसी प्रवृत्तियां इस पावन पर्व की आत्मा के विपरीत हैं। वस्तुतः सही अर्थों में होली का अर्थ शालीनता का अतिक्रमण नहीं, बल्कि आंतरिक विकारों का दहन और संबंधों का पुनर्जीवन है। आवश्यकता इस बात की है कि हम होली के आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आयामों को समझें और समसामयिक संदर्भों में उसे एक नई गरिमा और जीवंतता प्रदान करें।

होली का मूल प्रेरक प्रसंग प्रह्लाद और होलिका की कथा से जुड़ा है। यह कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि गहन प्रतीकात्मक संदेश है। प्रह्लाद अटूट श्रद्धा और सत्यनिष्ठा के प्रतीक हैं, जबकि होलिका अहंकार और दुराग्रह का प्रतिनिधित्व करती है। होलिका-दहन हमें यह सिखाता है कि अंततः विजय सत्य की होती है और अहंकार की ज्वाला स्वयं को ही भस्म कर देती है। जब हम होलिका की अग्नि प्रज्वलित करते हैं, तो उसका वास्तविक अर्थ बाहरी लकड़ियों को जलाना नहीं, बल्कि अपने भीतर के क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और अहं को दग्ध करना है। यदि यह आंतरिक शुद्धि नहीं हुई, तो होली केवल एक सामाजिक आयोजन बनकर रह जाएगी। रंगों का आध्यात्मिक अर्थ भी अत्यंत गहरा है। भारतीय संस्कृति में प्रत्येक रंग का अपना भाव है। लाल ऊर्जा और प्रेम का प्रतीक है, पीला ज्ञान और पवित्रता का, हरा जीवन और समृद्धि का, नीला अनंत आकाश और व्यापक चेतना का। जब हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो मानो यह घोषणा करते हैं कि हम भेदभाव की सीमाएँ मिटाकर एकात्मता का अनुभव करेंगे। रंग हमें सिखाते हैं कि विविधता ही जीवन का सौंदर्य है। अलग-अलग रंग मिलकर ही इंद्रधनुष बनाते हैं; उसी प्रकार विभिन्न समुदायों, विचारों और संस्कृतियों का समन्वय ही समाज को समृद्ध बनाता है। यही होली का सांस्कृतिक संदेश है- विविधता में एकता।

वैज्ञानिक दृष्टि से भी होली का विशेष महत्व है। यह पर्व फाल्गुन पूर्णिमा को आता है, जब शीत ऋतु का समापन और ग्रीष्म ऋतु का आरंभ होता है। यह संक्रमण काल शरीर की प्रतिरोधक क्षमता के लिए संवेदनशील समय होता है। परंपरागत रूप से होलिका-दहन की अग्नि के समीप बैठना और उसकी ऊष्मा ग्रहण करना स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी माना गया। प्राचीन काल में टेसू के फूलों, चंदन, हल्दी और प्राकृतिक गुलाल से बने रंगों का प्रयोग किया जाता था, जिनमें औषधीय गुण होते थे। वे त्वचा को लाभ पहुँचाते थे और संक्रमण से भी रक्षा करते थे। आज रासायनिक रंगों के दुष्प्रभावों ने इस परंपरा को चुनौती दी है। अतः आवश्यक है कि हम प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल रंगों की ओर लौटें। विकसित भारत की संकल्पना में स्वच्छता, हरित जीवनशैली और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का जो आग्रह है, वह होली के पारंपरिक स्वरूप से पूर्णतः सामंजस्य रखता है। सांस्कृतिक दृष्टि से होली भारतीय समाज की सामूहिक चेतना का उत्सव है। यह वह अवसर है जब सामाजिक भेदभाव की दीवारें कमजोर पड़ती हैं और अपनत्व का रंग गहरा होता है। गाँवों में फाग-गीतों की गूंज, चौपालों पर हास-परिहास, नगरों में सांस्कृतिक आयोजन-ये सब सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करते हैं। होली का एक स्वरूप वह भी है, जब लोग पुराने मनमुटाव भुलाकर गले मिलते हैं और संबंधों को नया आयाम देते हैं। यह पर्व संवाद और समरसता का सेतु बन सकता है, बशर्ते हम इसकी मूल भावना को समझें।

आज के वैश्वीकरण के युग में नई पीढ़ी आधुनिकता को प्रगति का पर्याय मानती है। आधुनिकता स्वागतयोग्य है, किंतु यदि वह मूल्य-विस्मृति का कारण बन जाए, तो समाज का संतुलन बिगड़ सकता है। बुरा न मानो होली है का अर्थ किसी की गरिमा को ठेस पहुँचाना नहीं, बल्कि हँसी-खुशी के साथ आत्मीयता बाँटना है। महिलाओं के सम्मान, सार्वजनिक मर्यादा और सामाजिक उत्तरदायित्व का ध्यान रखते हुए होली मनाना ही सच्ची भारतीयता है। यदि उत्सव के नाम पर उच्छृंखलता बढ़े, तो वह हमारे सांस्कृतिक आत्मसम्मान के विपरीत है। नई पीढ़ी को यह समझाना होगा कि आनंद और अनुशासन एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सांस्कृतिक आत्मविश्वास की नई यात्रा पर अग्रसर है। नया भारत और विकसित भारत की परिकल्पना केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण से भी जुड़ी है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय परंपराओं, योग, आयुर्वेद और त्योहारों की बढ़ती प्रतिष्ठा इस परिवर्तन का संकेत है। होली जैसे पर्व विश्वभर में भारतीय संस्कृति की पहचान बन रहे हैं। यदि इन्हें शालीनता, पर्यावरण-संवेदनशीलता और आध्यात्मिक चेतना के साथ प्रस्तुत किया जाए, तो यह भारत की सॉफ्ट पावर को और सुदृढ़ कर सकते हैं। यह समय है जब हम अपने त्योहारों को केवल मनोरंजन तक सीमित न रखकर उन्हें सांस्कृतिक कूटनीति और सामाजिक जागरण का माध्यम बनाएं।

नई विश्व-व्यवस्था में जहाँ तकनीकी प्रगति के साथ मानसिक तनाव और सामाजिक दूरी भी बढ़ रही है, वहाँ होली जैसे उत्सव मानवीय संबंधों को पुनर्स्थापित करने का अवसर देते हैं। डिजिटल युग में लोग आभासी संवाद में अधिक और प्रत्यक्ष संवाद में कम समय दे रहे हैं। होली हमें प्रत्यक्ष मिलन, स्नेह-स्पर्श और सामूहिक उल्लास की अनुभूति कराती है। यह सामाजिक एकाकीपन को दूर करने का भी माध्यम बन सकती है। यदि हम इस अवसर पर समाज के वंचित वर्गों, वृद्धजनों और जरूरतमंदों के साथ रंग साझा करें, तो यह उत्सव करुणा और सेवा की भावना को भी सशक्त करेगा। आवश्यकता है कि होली को नशामुक्त, पर्यावरण-अनुकूल और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाने का सामूहिक संकल्प लिया जाए। विद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों के माध्यम से होली के मूल संदेश को प्रचारित किया जा सकता है। फाग-गीत, लोकनृत्य, कवि-सम्मेलन और सामूहिक प्रार्थना जैसे आयोजनों से इस पर्व को नई दिशा दी जा सकती है। जब होली केवल रंगों तक सीमित न रहकर विचारों का उत्सव बनेगी, तभी उसका वास्तविक उद्देश्य पूर्ण होगा।

निश्चित तौर पर होली हमें यह सिखाती है कि बाहरी रंग क्षणिक हैं, किंतु आंतरिक प्रेम और सद्भाव शाश्वत हैं। यदि हम अपने भीतर के अहंकार को जला दें और हृदय में करुणा का रंग भर दें, तो हर दिन होली बन सकता है। विकसित भारत का स्वप्न तभी साकार होगा जब आर्थिक उन्नति के साथ सांस्कृतिक चेतना भी समानांतर चले। आइए, इस होली पर हम यह संकल्प लें कि मर्यादा का उल्लंघन नहीं, मर्यादा का उत्सव मनाएँगे; विभाजन नहीं, विश्वास का रंग फैलाएँगे; और उच्छृंखलता नहीं, उत्साह और सद्भाव का संदेश देंगे। जब होली का रंग हमारे चरित्र और आचरण में उतर जाएगा, तभी यह पर्व वास्तव में सार्थक और प्रेरणादायी बन सकेगा।

-ललित गर्ग

आगे आए उद्योग जगत, नवाचार के जरिये अपनी क्षमता प्रदर्शित करने की हुई बात

बजट के बाद 'विकसित भारत के लिए प्रौद्योगिकी, सुधार एवं वित्त' विषय एक वेबिनार को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने यह जो कहा कि भारतीय कंपनियों को नए निवेश एवं नवाचार के साथ आगे आना चाहिए, उस पर उन्हें सकारात्मकता के साथ अपनी सक्रियता का परिचय देना चाहिए। प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत से बजट घोषणाओं का लाभ उठाने का आग्रह भी किया। कायदे से तो ऐसे किसी आग्रह की आवश्यकता ही नहीं पड़नी चाहिए। उद्योग जगत को स्वतः सक्रिय हो जाना चाहिए। यह पहली बार नहीं, जब प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत को नवाचार के जरिये अपनी क्षमता प्रदर्शित करने को कहा हो। वे इसके साथ ही यह भी कहते रहे हैं कि उद्योग जगत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा का सामना करने में सक्षम बनना चाहिए और शोध एवं विकास में निवेश करना चाहिए। विडंबना यह है कि हमारे ऐसे बड़े कारोबारी भी यह काम नहीं कर रहे हैं, जिनके पास पूंजी की कोई कमी नहीं। वे नवाचार के नाम पर ऐसे नए काम अधिक हाथ में लेते हैं, जिनसे कम समय में आसानी से धन अर्जित किया जा सके। यही कारण है कि वे ऐसे कोई उत्पाद तैयार नहीं कर पा रहे हैं, जिनकी देश के साथ दुनिया में भी मांग हो।

यह सामान्य बात नहीं कि चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने के बाद भी चंद भारतीय उत्पाद ही ऐसे हैं, जिनकी विश्व में थोड़ी-बहुत पहचान और प्रतिष्ठा है। यह भी किसी से छिपा नहीं कि भारतीय उद्योग जगत शोध एवं विकास में पैसा खर्च न कर पाने के कारण न तो चीनी उत्पादों का मुकाबला कर पा रहे हैं और न ही अपने उत्पाद विश्व बाजार में आसानी से खपा पा रहे हैं। जहां चीन में उद्योग जगत आर्थिक विकास का नेतृत्व करते दिखता है, वहीं भारत में कारोबारी सरकार के प्रोत्साहन पर भी तत्परता नहीं दिखाते। एक-दो कारोबारी समूहों को छोड़ दिया जाए तो आम तौर पर हमारे कारोबारी वैश्विक स्तर की उत्पादकता हासिल करने के लिए सक्रिय नहीं। वे अपने उत्पादों की गुणवत्ता भी विश्वस्तरीय बनाने के लिए उत्साही नहीं हैं।

एक ऐसे समय जब सरकार एक के बाद एक देशों से मुक्त व्यापार समझौते कर रही हैं और इसके चलते शीघ्र ही कई विकसित देशों के बाजार भी भारतीय उद्योग जगत की पहुंच में होंगे, तब तो उन्हें इन समझौतों का पूरा लाभ उठाने के लिए कमर कसनी ही चाहिए। इसलिए और भी, क्योंकि सरकार प्रक्रियाओं को सरल बनाने के साथ कारोबारी सुगमता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयत्न कर रही है। उचित यह होगा कि प्रधानमंत्री ने सरकार, उद्योग जगत, वित्तीय संस्थानों और शिक्षाविदों के बीच सहयोग स्थापित करने वाले जिस 'रिफार्म पार्टनरशिप चार्टर' की बात की, उस पर गंभीरता से काम हो, ताकि वह विकसित भारत की मजबूत आधारशिला बन सके।

-सुनील कुमार महला

शिक्षा, ज्ञान मनुष्य के निस्वार्थ मित्र, बुद्धि के आलोक से बच्चा गुणवान मनुष्य बनता है

मनुष्य के जीवन में प्रेम तथा ज्ञान दोनों ही अत्यंत आवश्यक एवं उत्प्रेरक अंग है। प्रेम भावनात्मक तत्व है, जो मनुष्य को इंसान बनाता है, संवेदना और मानवता को जागृत करता है। ज्ञान की उत्कंठा या तार्किक क्षमता मनुष्य को निरंतर प्रगति की ओर ले जाती है।

मनुष्य के जीवन में ज्ञान ही उसे मानवता के उत्कृष्ट शिखर पर ले जाता है। वह मनुष्य को पशुत्व से अलग रखता है। मनुष्य ज्ञान की अनुभूति के कारण ही मुस्कुराता हंसता है, जबकि जानवर इसके अभाव में मूक बना रहता है, हंसता,मुस्कुराता नहीं है, इसलिए मुस्कुराइए, हंसीये, प्रेम करिए और ज्ञान प्राप्ति की ओर उन्मुख होते रहिए, तब ही जीवन सार्थक हो सकता है। प्रेम के बिना ज्ञान और अध्ययन मनुष्य को मशीन बना देता है। प्रेम और ज्ञान की अलग-अलग मीमांसा की गई है। प्रेम, ज्ञान की अपेक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि प्रकृति में अधिक घुल मिलकर आधारभूत तत्व तो बनाता है ही,बल्कि प्रेम प्रत्येक जीव में विद्यमान होता है। परस्पर एक दूसरे की भाषा नासमझ पाने वाले जीव भी एक दूसरे से प्रेम की भाषा द्वारा मधुर संवाद कर सकते हैं। प्रेम सभी प्रकार के माननीय बंधनों से परे है।

जबकि ज्ञान प्राप्ति को मानवता में परम स्थान दिया गया है। प्राचीन भारतीय दर्शन एवं संस्कृति ने ज्ञान की महत्ता को महिमामंडित किया है और ज्ञान की प्राप्ति को सभी प्रकार के बंधनों से मुक्ति के लिए एक आधारभूत कारण भी बताया है। किसी मशीन अथवा कंप्यूटर को किसी भी प्रेरणा की आवश्यकता नहीं होती वह मनुष्य द्वारा दिए गए निर्देशों का केवल पालन करता है। मनुष्य को प्रेरणा की आवश्यकता होती है ताकि वह ज्ञान प्राप्ति का साधन बन सके और यह प्रेरणा प्रेम द्वारा ही मिलती है,जिससे वह प्रेम करता है। उसके लिए निरंतर सहायता व लाभ देने का प्रयास ज्ञान द्वारा ही करता है। ज्ञान बिना प्रेम के निरंकुश भी हो सकता है और समाज को हानि भी पहुंचा सकता है, किंतु प्रेम से युक्त ज्ञान का उपयोग वैश्विक मानव कल्याण के लिए किया जाता रहा है। इतिहास में अनेक महापुरुषों ने अपने प्रेम, करुणा, ज्ञान से लोगों के जीवन क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं, और इतिहास की धारा को भी सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाया है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के जननायक महात्मा गांधी जी का जीवन भी प्रेम रोग ज्ञान का अद्भुत संयोजन था,उनका अहिंसा और सत्याग्रह मानव मात्र वह विश्व के प्रत्येक जीव के प्रति प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण है, इसके द्वारा उन्होंने संपूर्ण मानवता को प्रेम पूर्वक जीने का महान संदेश दिया है। गांधीजी के सिद्धांतों में हिंसा का कोई स्थान नहीं था। वह अन्यायी व्यक्ति का प्रेम द्वारा हृदय परिवर्तन में विश्वास रखते थे, उनका कहना था कि पाप से घृणा करो पापी से नहीं फल स्वरुप उन्होंने अपने प्रेम से भारतीय जनमानस के हृदय जीत लिया और अपने ज्ञान को तर्कशक्ति से अंग्रेजों को भारतीय जनमानस के सामने झुकने पर मजबूर कर दिया और हमने स्वतंत्रता प्राप्त की। महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन में अंगुलिमाल डाकू का हृदय परिवर्तन कर उसे महात्मा बना दिया था,उन्होंने ज्ञान व प्रेम के द्वारा उसका हृदय परिवर्तन कर दिया था। इसी तरह जब ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया तब उन्होंने स्वयं को सूली पर चढ़ाने वालों के लिए ईश्वर से यही प्रार्थना कि ईश्वर इन्हें माफ कर देना इनको नहीं पता कि यह क्या करने जा रहे हैं। इस तरह उन्होंने मानवता के सामने अपने प्रेम को ज्ञान का जो उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया हुआ अत्यंत दुर्लभ है आज संपूर्ण विश्व में प्रभु यीशु के अनुयायियों की संख्या सर्वाधिक है। भगवान श्रीराम ने प्रेम में वशीभूत होकर ही शबरी के जूठे बेर भी खा लिए थे, जबकि श्री राम सर्वाधिक ज्ञान में आदर्श मनुष्य थे।

एक अच्छे और सार्थक जीवन के लिए प्रेम तथा ज्ञान दोनों का संबंध एवं समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू हैं। अकेला ज्ञान तथा अकेला प्रेम सदैव सार्थक नहीं हो सकता है। रावण ज्ञानी पुरुष था किंतु विध्वंस कारी भी था उसने प्रेम के अभाव में सिर्फ ज्ञान के चलते अपने कुल को नष्ट करवा दिया था। प्रेम तथा ज्ञान के सदुपयोग से अच्छे जीवन का पथ प्रदर्शन भी किया जा सकता है। इससे हम केवल परिवार व्यक्ति या समाज ही नहीं बल्कि राष्ट्र के स्तर पर भी आत्मसात कर राष्ट्र को वैश्विक महानता की ओर ले जा सकते हैं। वर्तमान में हम संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप सामाजिक जीवन को सफलतापूर्वक संचालित करने में सक्षम है।

आज हमारे सामने पर्यावरण संतुलन वैश्विक अपन गरीबी जैसी अनेक समस्याएं मौजूद हैं। हम सभी मूक प्राणियों वनस्पति आदि के प्रति ज्ञान का उपयोग दिखाकर उनके साथ प्रेम पूर्वक व्यवहार कर समस्या का समाधान कर सकते हैं। आधुनिक तकनीक से अर्जित ज्ञान के उपयोग इनके संरक्षण में करने में हम सक्षम भी हैं। अतः प्राचीन काल से मान्यता रही है कि सार्थक, सफल, एवं प्रेरणादाई जीवन के लिए प्रेम तथा ज्ञान का समन्वय कारी सदुपयोग एक आवश्यक तत्व है, इसके अभाव में जीवन कितना सार्थक सफल और मार्गदर्शी नहीं हो सकता है।

-संजीव ठाकुर

विवादों के केंद्र में शंकराचार्य

शंकराचार्य भारत की अनोखी त्याग परंपरा का विस्तार हैं। आदि शंकराचार्य ने विश्व दर्शन को अद्वैत दर्शन से समृद्ध किया। अल्प आयु में ही उन्होंने 11 प्रमुख उपनिषदों, गीता और ब्रह्मसूत्र का भाष्य किया। सांस्कृतिक एकता के लिए पूरे देश का भ्रमण किया। बौद्ध एवं अन्य विद्वानों से उनका शास्त्रार्थ हुआ। उन्हें सभी स्थानों पर विजय मिली।

शंकराचार्य के भ्रमण को उस समय दिग्विजय कहा गया। उन्होंने सांस्कृतिक विचारधारा को प्रवाहमान बनाने के लिए चार मठों की स्थापना की। कर्नाटक में श्रृंगेरी, उत्तराखंड में जोशीमठ, ओडिशा में पुरी और गुजरात में द्वारका। उनके चार विद्वान शिष्यों ने मठों का नेतृत्व किया। उन्होंने चारों वेदों को प्रतिष्ठा दी।

सभी मठों को एक वेद से जोड़ा- श्रृंगेरी पीठ, कर्नाटक-यजुर्वेद, द्वारका पीठ, गुजरात-सामवेद, पुरी पीठ, ओडिशा-ऋग्वेद, ज्योतिर्मठ, उत्तराखंड-अथर्ववेद। वे द्रष्टा थे। अद्वैत वेदांत उनका दर्शन था। डॉ. एस. राधाकृष्णन ने उन्हें असाधारण प्रतिभाशाली व्यक्ति बताया था। दुर्भाग्य से आधुनिक काल के शंकराचार्य अपने कार्य व्यवहार से निराश करते हैं। वे प्रेरित नहीं करते। उत्साह और उल्लास नहीं देते। वे व्यापक हिंदू समाज को कोई ठोस एवं प्रभावी दिशा नहीं देते। इन दिनों स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद प्रशासन और शासन से विवाद के कारण लगातार चर्चा में हैं। इस विवाद की शुरुआत प्रयागराज में माघ मेले में स्थानीय प्रशासन के बीच टकराव से हुई थी।

-स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी

आबकारी नीति मामले में आप नेताओं का बरी होना बड़ी संजीवनी

दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट द्वारा कथित आबकारी नीति प्रकरण में आम आदमी पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा अन्य आरोपितों को दोषमुक्त किए जाने का निर्णय समकालीन राजनीतिक और विधिक परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, अर्थात सीबीआई द्वारा पंजीकृत किया गया था और लंबे समय से सार्वजनिक बहस के केंद्र में था। न्यायालय ने अपने निर्णय में स्पष्ट कहा कि अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत आरोप ठोस साक्ष्यों और विश्वसनीय गवाहियों पर आधारित नहीं हैं तथा आरोपपत्र में वर्णित दावे न्यायिक परीक्षण की कसौटी पर खरे नहीं उतरते। न्यायालय की यह टिप्पणी कि अनुमानों और अटकलों को विधिसम्मत प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता, न केवल इस विशेष प्रकरण बल्कि समग्र अन्वेषण प्रक्रिया के लिए भी गंभीर संकेत देती है। आबकारी नीति मामले यह फैसला आप के लिए एक बड़ी संजीवनी या 'प्राणवायु'के समान है। यह फैसला आप को 'कट्टर ईमानदार' की छवि वापस पाने और आगामी चुनावों के लिए एक आक्रामक रुख अपनाने में मदद करेगा, जिससे विपक्षी दलों का मनोबल भी बढ़ा है। कोर्ट से मिली क्लीन चिट ने आप नेताओं की साख बहाल की है जिससे पार्टी कार्यकर्ता उत्साहित हैं। यह निर्णय 'राजनीतिक प्रतिशोध' के नैरेटिव को बल देता है जिससे आप अपनी छवि को बेदाग साबित कर पा रही है। विपक्षी दल इस घटना को केंद्रीय एजेंसियों सीबीआई एवं ईडी के कथित दुरुपयोग के खिलाफ एक जीत के रूप में देख रहे हैं जिससे उन्हें केंद्र के खिलाफ एक बड़ा मुद्दा मिल गया है। इस फैसले से दिल्ली और पंजाब में आप को मजबूती मिलेगी और वह आगामी चुनावों के लिए आक्रामक प्रचार कर सकती है।

विवाद का मूल वर्ष 2021 में लागू की गई नई आबकारी नीति से जुड़ा था। उस समय दिल्ली सरकार ने तर्क दिया था कि शराब व्यापार में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने से राजस्व में वृद्धि होगी, भ्रष्टाचार कम होगा और व्यवस्था अधिक पारदर्शी बनेगी। किंतु नीति के क्रियान्वयन के बाद उस पर अनियमितताओं तथा कथित पक्षपात के आरोप लगाए गए। यही आरोप आगे चलकर आपराधिक प्रकरण का आधार बने। जुलाई 2022 से यह मुद्दा राजनीतिक विमर्श का प्रमुख विषय बन गया और चुनावी सभाओं में इसे व्यापक रूप से उठाया गया। अब जबकि ट्रायल कोर्ट ने अभियोजन के तर्कों को अपर्याप्त पाया है, तो स्वाभाविक है कि इसका राजनीतिक प्रभाव भी पड़ेगा। हालांकि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने इस निर्णय को दिल्ली उच्च न्यायालय, में चुनौती देने की घोषणा की है। अतः अंतिम विधिक स्थिति अभी स्पष्ट नहीं मानी जा सकती। साथ ही प्रवर्तन निदेशालय, अर्थात ईडी ने यह कहा है कि उससे संबंधित धनशोधन प्रकरण की जांच स्वतंत्र आधारों पर चल रही है। यदि उच्च न्यायालय भी निचली अदालत के निर्णय को बरकरार रखता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठेगा कि समान घटनाक्रम से जुड़े विभिन्न अन्वेषणों की विधिक संगति किस प्रकार सुनिश्चित की जाएगी।

इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष संस्थागत विश्वसनीयता से जुड़ा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में अन्वेषण एजेंसियों की भूमिका अत्यंत संवेदनशील होती है। वे केवल अपराध की जांच ही नहीं करतीं, बल्कि न्याय व्यवस्था के प्रारंभिक चरण का प्रतिनिधित्व भी करती हैं। यदि न्यायालय यह टिप्पणी करता है कि जांच पूर्वनिर्धारित दिशा में चलती प्रतीत होती है या पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए गए, तो यह केवल एक तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि संस्थागत शुचिता पर प्रश्नचिह्न बन जाता है। न्याय का मूल सिद्धांत है कि अभियुक्त तब तक निर्दोष माना जाता है जब तक कि उसका दोष विधिसम्मत प्रमाणों के आधार पर सिद्ध न हो जाए। यह भी ध्यान देने योग्य है कि भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोपों का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि शासन की समग्र विश्वसनीयता को प्रभावित करता है। यदि आरोप सिद्ध होते हैं, तो कठोर दंड आवश्यक है; किंतु यदि आरोप पर्याप्त प्रमाणों के अभाव में टिक नहीं पाते, तो इससे राजनीतिक विमर्श की विश्वसनीयता पर भी आघात पहुँचता है। लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु आरोपों का उपयोग यदि मुख्यतः चुनावी रणनीति के रूप में किया जाता है और वे न्यायालय में प्रमाणित नहीं हो पाते, तो इससे जनता के मन में संदेह की स्थिति उत्पन्न होती है।

इस निर्णय के बाद स्वाभाविक रूप से आम आदमी पार्टी को नैतिक बल प्राप्त हुआ है। किंतु इस तथ्य को केवल किसी एक दल की विजय या पराजय के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इससे व्यापक स्तर पर यह संदेश भी जाता है कि न्यायिक प्रक्रिया स्वतंत्र है और वह अभियोजन की कमजोरी को रेखांकित करने से संकोच नहीं करती। न्यायालय की कठोर टिप्पणियाँ यह संकेत देती हैं कि केवल आरोपों की गंभीरता पर्याप्त नहीं है; उन्हें प्रमाणों की दृढ़ता से पुष्ट करना भी अनिवार्य है। दूसरी ओर, यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि यदि वास्तव में किसी नीति में अनियमितता हुई थी, तो उसके समर्थन में ठोस साक्ष्य क्यों प्रस्तुत नहीं किए जा सके। क्या अन्वेषण प्रक्रिया में तकनीकी कमियाँ रहीं? क्या साक्ष्य-संग्रह में सावधानी का अभाव था? या फिर आरोपों का प्रारूपण ही पर्याप्त स्पष्ट नहीं था? ये प्रश्न केवल इस प्रकरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भविष्य की जांच प्रक्रियाओं के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हो सकते हैं। भ्रष्टाचार-निरोध की दिशा में प्रभावी कदम तभी संभव हैं जब अन्वेषण निष्पक्ष, पारदर्शी और विधिसम्मत हो। राजनीतिक दलों को भी यह समझना होगा कि भ्रष्टाचार-विरोध का नैतिक आग्रह तभी प्रभावी है जब वह स्वयं प्रमाण-आधारित हो। यदि आरोपों का आधार कमजोर होगा, तो वे न्यायिक समीक्षा में टिक नहीं पाएंगे और इससे वास्तविक भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष भी कमजोर पड़ेगा। इस घटनाक्रम ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है-अन्वेषण एजेंसियों की स्वायत्तता और उत्तरदायित्व का संतुलन। लोकतंत्र में एजेंसियों को स्वतंत्रता आवश्यक है, किंतु वह स्वतंत्रता विधिक मानकों और न्यायिक नियंत्रण के अधीन रहती है। न्यायालय की टिप्पणियाँ यह संकेत देती हैं कि प्रक्रिया की शुचिता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। यदि अभियोजन पक्ष पर्याप्त तैयारी के बिना आरोप प्रस्तुत करता है, तो उसका परिणाम यही होगा कि मामला प्रारंभिक चरण में ही कमजोर पड़ जाएगा।

निश्चित तौर पर यह प्रकरण हमें यह स्मरण कराता है कि कानून का शासन केवल दंड देने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि न्यायसंगत प्रक्रिया की गारंटी भी है। आरोप सिद्ध करने की जिम्मेदारी राज्य पर होती है और वह भी संदेह से परे प्रमाणों के आधार पर। यदि यह मानक पूरा नहीं होता, तो किसी भी व्यक्ति को केवल सार्वजनिक धारणा के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इस निर्णय का अंतिम परिणाम चाहे जो भी हो- क्योंकि उच्च न्यायालय में चुनौती लंबित है फिर भी यह अवसर अवश्य प्रदान करता है कि हम भ्रष्टाचार-निरोध की अपनी कार्ययोजना को अधिक सुदृढ़ और प्रमाण-आधारित बनाएं। राजनीतिक विमर्श को आरोपों की तीव्रता से आगे बढ़कर प्रमाणों की गुणवत्ता पर केंद्रित करना होगा।

-धनंजय राजौरा

बच्चा चोर सुनते ही युवक पर टूट पड़ी भीड़

पुलिस ने बमुश्किल बचाया, थाने लाई, अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस ने किया मामला दर्ज

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में शुक्रवार रात बच्चा चोरी की अफवाह पर भीड़ ने एक युवक को बुरी तरह पीटा। भीड़ ने उसके बाल खींचे, लात-घूंसे और थप्पड़ मारे। उसके पास से तीन-चार रूमाल और एक स्प्रे की बोतल मिली। घटना शहर के लाल खिड़की इलाके की है। जहां सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने युवक को बमुश्किल बचाया और थाने ले आई। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

जानकारी के मुताबिक युवक रात 9 से 10 बजे के बीच वार्ड नंबर 9 में हनुमान मंदिर के पास घूम रहा था। वह वहां एक बच्चा और बच्ची के पास गया। इससे लोगों को शक हुआ। भीड़ को लगा कि वह बच्चा चोर है। स्थानीय निवासी हेमराज चौधरी ने बताया कि युवक जैसे ही वह बच्चे और बच्ची के पास पहुंचा, लोगों ने शोर मचा दिया और बच्चा चोर...बच्चा चोर आया है का शोर मचा दिया। जैसे ही यह लोगों ने सुना वहां भीड़ जमा हो गई। भीड़ ने बिना किसी जांच-पड़ताल के युवक को पीटना शुरू कर दिया।

पुलिस समझाइश देती रही, लेकिन भीड़ पीटती रही- मारपीट के दौरान भीड़ से ही किसी ने कोतवाली पुलिस को सूचना दे दी। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस समझाइश देती रही, लेकिन भीड़ युवक को पीटती रही। पुलिस ने मुश्किल से भीड़ से युवक को छुड़ाकर अपने कब्जे में लिया। इसके बाद बाइक पर बैठाकर थाने ले गई। क्षेत्र में स्थिति सामान्य है।

पुलिस ने किया मामला दर्ज - बच्चा चोरी के आरोप में जिस युवक को लोगों ने पिटा था वह विनोद था। जिसकी मां शनिवार सुबह जिला अस्पताल पहुंची। विनोद ने पुलिस को बताया कि घटना 27 फरवरी की रात करीब 9 बजे की है। वह लालखिड़की मोहल्ले में घूम रहा था, तभी कुछ लोगों ने उसे बच्चा चोर कहकर शोर मचाना शुरू कर दिया। इसके बाद 7-8 लोगों ने उसे घेर लिया और गाली-गलौज करते हुए हाथ-मुक्कों से मारपीट की। इस मारपीट में विनोद के बाएं हाथ और पीठ पर चोटें आई हैं। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने कहा कि सोशल मीडिया या सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास न करें। किसी भी संदिग्ध स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना दें। कानून अपने हाथ में न लें। अन्य जिलों में ऐसे मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है। अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

देहरीपाल सोलर प्लांट चोरी का खुलासा

तीन आरोपी गिरफ्तार, 75 हजार 500 का माल बरामद

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मोहन बड़ोदिया थाना पुलिस ने देहरीपाल स्थित एनटीपीसी सोलर प्लांट में हुई केबल चोरी का शनिवार दोपहर करीब 12 बजे खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चोरी की गई 1000 मीटर केबल वायर, जिसकी कीमत 70 हजार रुपए थी, और 5 हजार 500 रुपए नगद सहित कुल 75,500 रुपए का माल बरामद किया गया है।

थाना प्रभारी भीम सिंह पटेल ने बताया कि 26 फरवरी की सुबह करीब 6 बजे सोलर प्लांट के सिक्योरिटी साइट इंचार्ज योगेश बैरागी ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि ब्लाक नंबर 18 में तैनात सिक्योरिटी गार्ड रवि सेन और राजेश सौंधिया एक सफेद बोरी लेकर जाते हुए दिखाई दिए थे। आवाज देने पर दोनों मौके से भाग निकले थे। जांच करने पर प्लांट से करीब 1000 मीटर डीसी वायर (6 एमएम व 10 एमएम) गायब मिली, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 70 हजार रुपए थी। पुलिस ने इस मामले की विवेचना शुरू की और आरोपियों की तलाश की। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी रवि उर्फ रविन्द्र सेन (22) और राजेश सिंह उर्फ राजेन्द्र (22) दोनों निवासी देहरीपाल को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने केबल चोरी कर कबाड़ी राजा उर्फ ईशाक शाह (25) निवासी ब्यावरा (जो वर्तमान में देहरीपाल में रहता है) को मात्र 10 हजार रुपए में बेचने की बात कबूल की। पुलिस ने आरोपियों से 5 हजार 500 रुपए नगद और गेहूं के खेत में छिपाई गई पूरी चोरी की केबल बरामद कर ली है। पुलिस अब इन आरोपियों से अन्य जिलों में हुई चोरियों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे अवश्य लगवाएं।

अस्थाई अतिक्रमणों को हटाने की निगम ने की कार्रवाई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम द्वारा शहर के मुख्य मार्गो चौराहों पर व्यवसायिकों द्वारा अस्थाई अतिक्रमण किया गया है। जिसको हटाए जाने का कार्य नगर निगम द्वारा निरंतर किया जा रहा है। इसी कड़ी में केला माता मंदिर के मुख्य मार्ग पर छोटे व्यवसाई एवं बड़े व्यवसाईयों के द्वारा अस्थाई अतिक्रमण कर व्यवसाय चला रहे हैं। जिनको नगर निगम द्वारा पूर्व में समझाईश भी दी गई थी तथा छोटे व्यवसायको के लिए शारदा माता मंदिर के पीछे निगम की खुली भूमि पर अपना व्यवसाय चलाये जाने हेतु कहा गया था किंतु छोटे व्यवसाय ठेला द्वारा सडक पर अतिक्रमण कर तथा दुकानदारों द्वारा अपनी दुकानों के सामने रोड पर अतिक्रमण कर अपनी हदों से आगे आकर सामग्री बिक्री कर व्यवसाय किया जा रहा है। जिसको हटाये जाने का कार्य आयुक्त दलीप कुमार के निर्देशन में किया गया। बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य चौराहे के रोड पर बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर की दुकान पर सामान हटाए जाने की कार्रवाई कर रूपये 10 हजार की चालानी कार्रवाई की गई। इसी के साथ अन्य दुकानों के सामान भी जप्त किए गए एवं अस्थाई अतिक्रमण हटाया गया और हिदायत दी गई कि भविष्य में अतिक्रमण किया जाता है तो पुन- कार्रवाई कर सामग्री जप्त कर ली जावेगी। कार्रवाई में निगम मुख्य स्वच्छता निरीक्षक हमेन्त उबनारे, स्वच्छता निरीक्षक हरेन्द्रसिंह ठाकुर, ओमप्रकाश पथरोड, संदीप, विजय, अनूप सांगते, दरोगा अबरार पठान व रिमूवल गैंग उपस्थित रही।

प्राकृतिक खेती एवं नरवाई प्रबंधन की जानकारी के लिए कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उप संचालक कृषि ने बताया कि विकासखंड देवास अंतर्गत ग्राम भाटखेड़ी में सब मिशन आन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्माअंतर्गत किसान संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया

जिसमें प्राकृतिक खेती एवं नरवाई प्रबंधन पर किसानों को प्रशिक्षण दिया गया। किसान संगोष्ठी में कृषि विज्ञान केंद्र देवास के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ आर पी शर्मा, परियोजना संचालक आत्मा श्री एमएल सोलंकी, विकासखंड तकनीकी प्रबंधक आत्मा श्री रोहित यादव, सम्रद्ध खेती प्रोग्राम देवास से श्री अनिल कुमार ठाकूर, इफको से एरिया मैनेजर श्री राजेश पाटीदार, सहायक तकनीकी प्रबंधक श्री अंतिम बासुरे,कु.शिवानी जयसवाल तथा सौ से अधिक कृषक उपस्थित थे।

कृषि विज्ञान केंद्र देवास प्रमुख वैज्ञानिक डॉ आर पी शर्मा ने कहा कि प्राकृतिक खेती देसी गाय के गोबर और गोमूत्र पर आधारित हैं। प्राकृतिक खेती में जीवामृत, घन जीवामृत, बीजामृत का प्रयोग किया जाता है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने के लिए जिले के चयनित कृषकों को प्रशिक्षण दिया गया है। प्राकृतिक खेती पूर्णता रासायनिक उर्वरक कीटनाशक व खरपतवार नाशक से मुक्त है।

ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर आत्मा श्री रोहित यादव ने किसानों को प्राकृतिक खेती के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान तथा नरवाई से जैविक खाद बनाने के लिए उपाय बताए।

असीटेंट टेक्नोलॉजी मैनेजर आत्मा श्री अंतिम बासुरे एवं शिवानी जायसवाल ने कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी तथा ख़रीफ़ एव रबी फ़सलो की किस्मो एवं समसामयिक रोग कीटो का निदान बताया। परियोजना संचालक आत्मा श्री एम एल सोलंकी ने बताया की एक एकड़ क्षेत्र के लिए जीवामृत बनाने के लिए देसी गाय का गोबर 10 किलोग्राम देसी गाय का गोमूत्र 10 लीटर,गुड़ व बेसन 1 से 2 किलो एवम बरगद या पीपल के पेड़ के नीचे की मिट्टी एक किलोग्राम को 200 लीटर पानी में तैयार किया जाता है 3से 4 दिनों में जीवामृत तैयार हो जाता है। जीवामृत को खेत में डालने से मृदा में जीवाणुओं की संख्या में वृद्धि व प्राकृतिक तरीके से पोषक तत्वों में वृद्धि होती हैं।

2 मार्च को होली का पूजन, 3 को मनाया जाएगा धुलेंडी पर्व

सर्व हिन्दू उत्सव समिति की बैठक में लिया निर्णय

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री कृष्ण व्यायामशाला में शनिवार को महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसमें सभी की सहमति से आगामी होली पर्व 2 व 3 मार्च को मनाए जाने का निर्णय लिया गया। इस निर्णय का सभी ने स्वागत करते हुए अपनी सहमति भी दी।

वजीरुपरा स्थित श्री कृष्ण व्यायामशाला में आयोजित बैठक में सर्व हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष पं. आशीष नागर ने बताया कि महाकाल में वैदिक घड़ी और मुख्य पुजारी, ज्योतिषाचार्य तथा पंचांगकर्ता पं. आनंद शंकर व्यास के मतानुसार व महाकाल मंदिर की परंपरानुसार नगर में भी 2 मार्च को होलिका पूजन व दहन किया जाएगा। वहीं 3 मार्च को नगर में धुलेंडी पर्व मनाया जाएगा। इस निर्णय को लेकर बैठक में उपस्थित सभी समाज के प्रमुखों, नगर के होली उत्सव समिति पदाधिकारियों व गणमान्य नागरिकों ने सहमति दी। वहीं धुलेंडी पर्व पर निकलने वाली सभी समाजों की पारंपरिक गैर को लेकर भी निर्णय लिया गया कि सभी गैर का समापन आजाद चौक में किया जाएगा। वहीं रंगपंचमी पर निकलने वाली फाग यात्रा भी हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अपने परंपरागत रूट पर निकाली जाएगी। बैठक में फागयात्रा को लेकर भी चर्चा की गई। जिसमें इस बार डीजे को शामिल न किए जाने को लेकर चर्चा की गई। सभी ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि फागयात्रा में डीजे को शामिल नहीं किया जाएगा। इस निर्णय की सभी ने सराहना करते हुए इस निर्णय का स्वागत किया। बैठक में मुख्य अतिथि श्री कृष्ण व्यायामशाला के ट्रस्टी तुलसीराम भावसार थे तथा अध्यक्षता सर्व हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष पं. आशीष नागर ने की। बैठक में विषय प्रस्तावना सर्व हिन्दू उत्सव समिति महासचिव मनीष सोनी ने प्रस्तुत की। इस अवसर पर धर्मेन्द्र प्रजापति, होली उत्सव समिति संयोजक पं. गोविंद शर्मा, कोषाध्यक्ष रोहित विश्वकर्मा, सह संयोजक जीत पारछे, सर्व हिन्दू उत्सव समिति उपाध्यक्ष विकास सिंदल, दीपक निगम, राजेश बंजारा, जीवनसिंह गुर्जर, महेश प्रजापति, अनिल मालवीय, मंगल नाहर, अर्जुन चौधरी, बालकृष्ण यादव, मनोहरलाल राय, संजय सोनी, हरीश सहगल, अजय गोस्वामी, नीलेश वर्मा, अतुल पालीवाल, पीयूष भावसार, माखन चौहान, शिवाजी सोनी सहित स्वर्णकार समाज, कल्चुरी समाज, मराठा समाज, प्रजापति समाज, कायस्थ समाज, कुशवाह, गायरी समाज, भावसार समाज, माली समाज के प्रतिनिधियों के साथ विभिन्न मोहल्लो की होली उत्सव समितयों के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे। बैठक का संचालन अजय शर्मा ने किया तथा आभार होली उत्सव समिति सचिव अंकित अंबावतिया ने माना।

कायाकल्प के लिए इंदौर से पहुंची अधिकारियों की टीम

अस्पताल में की गई सजावट, यूनिफार्म और अनुशासन में नजर आए चिकित्सक

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला अस्पताल में शनिवार को कायाकल्प अभियान के तहत इंदौर से आई डाक्टर्स की दो सदस्यी टीम ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डॉ. तृप्ति कटड़ारे और डॉ. जकिया सय्यद की टीम यह देखने पहुंची थी कि अस्पताल में साफ-सफाई और सुविधाएं कैसी है। इसी रिपोर्ट के आधार पर अस्पताल को रैंकिंग और अंक दिए जाएंगे।

इस दौरान अस्पताल में सजावट का काम चलता रहा। अधिकारियों ने अस्पताल में गमले रखे और सभी लोग अनुशासन व यूनिफार्म में नजर आए। इस दौरान एम्बुलेंस से गमले लाए गए। जो नगर में चर्चा का विषय रहा। मामले को लेकर सिविल सर्जन डॉ. बीएस मैना ने बताया कि हमने गमले लाने को कहा था लेकिन कर्मचारी एम्बुलेंस में रखकर ले आया।

कायाकल्प के लिए बदली अस्पताल की सूरत

निरीक्षण की टीम के आने से पहले अस्पताल की व्यवस्थाएं सुधारी गई थीं। चारों तरफ विशेष साफ-सफाई कराई गई और वार्डों में मरीजों के बिस्तरों पर साफ चादरें बिछाई गईं। इंदौर से आई अधिकारी डॉ. तृप्ति कटड़ारे ने बताया कि हम कायाकल्प के फायनल असेसमेंट के लिए आए हैं। जिसकी फायनल रिपोर्ट हम भोपाल भेजते हैं। हमारी दो लोगों की टीम हैं। मैं तृप्ति गडबरे और डॉ. जाकिया हैं। फायनल असेसमेंट में हमारे पास 8 से 9 क्राइट एरिया होते हैं। इसमें हमारे पास बहुत सारी चीजें होती हैं। जैसे हॉस्पिटल कैसा है, वहां का हाईजिन कैसा है, मेडिकल वेस्ट मेनेजमेंट कैसा है। सेनिटेशन किस तरह का है। इसके अलावा साफ-सफाई और रखरखाव किस तरह किया जाता है। साथ ही इन्फेक्शन रोकने के लिए क्या इंतजाम किए गए हैं।

मां शबरी जन्मोत्सव पर शोभायात्रा निकली

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम मोहना में जयस संगठन और भिलाला समाज ने मां शबरी का जन्मोत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस मौके पर समाज के लोगों ने शोभायात्रा निकाली, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हुए। शोभायात्रा सुबह 11 बजे हाट बाजार से शुरू हुई। इसमें मां शबरी और भगवान राम-लक्ष्मण की सुंदर झांकी सजाई गई थी। डीजे और ढोल की थाप पर महिलाएं पारंपरिक गीत गाते हुए चल रही थीं, वहीं पुरुष हाथों में तीर-कमान लेकर अखाड़े का प्रदर्शन कर रहे थे।

समाज के युवाओं और ग्राम पंचायत के सरपंच ने साफा पहनाकर शोभायात्रा का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान जयस के जिला अध्यक्ष सुनील भिलाला और अन्य वक्ताओं ने समाज को संबोधित किया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि शिक्षा ही वह रास्ता है जिससे समाज तरक्की कर सकता है। उन्होंने सभी से अपील की कि बच्चों को अच्छी शिक्षा और संस्कार दें ताकि वे समाज का नाम रोशन कर सकें। जनप्रतिनिधियों ने समाज में फैली बुराइयों और कुरीतियों को खत्म करने की बात कही। उन्होंने कहा कि मां शबरी की भक्ति और त्याग से प्रेरणा लेकर पूरे समाज को एकजुट होना चाहिए। यह शोभायात्रा दोपहर में आदिवासी मोहल्ले स्थित भैरव महाराज मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई।

जिला जेल देवास में मुख्य प्रहरी ओमप्रकाश दुबे सेवानिवृत्त, भावभीनी विदाई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला जेल में पदस्थ मुख्य प्रहरी श्री ओमप्रकाश दुबे को शनिवार को शासकीय सेवा से विधिवत सेवानिवृत्त किया गया। इस अवसर पर जिला जेल परिसर में एक सादगीपूर्ण एवं गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया गया। श्री दुबे ने अपने दीर्घ सेवाकाल के दौरान निष्ठा, ईमानदारी एवं कर्तव्यपरायणता के साथ दायित्वों का निर्वहन किया। जेल प्रशासन की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने तथा अनुशासन बनाए रखने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके सौम्य व्यवहार, अनुशासनप्रियता एवं समर्पण भावना के कारण वे अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच सदैव सम्मानित रहे। समारोह में जेल अधीक्षक श्री विद्याभूषण प्रसाद ने श्री दुबे के सेवाकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनका कार्यकाल विभाग के लिए प्रेरणास्रोत रहा है। जेल उपअधीक्षक श्री अनिल दुबे सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी उनके कार्यों की प्रशंसा की और उज्ज्वल भविष्य, स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में श्री दुबे को शॉल-श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। जिला जेल प्रशासन, देवास ने उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

जिले में एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ हुआ, 14 वर्ष की बालिकाओं को लगाया जाएगा टीका

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजिनी जेम्स बेक ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर के विरूद्ध एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ शनिवार जिला चिकित्सालय परिसर में महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री दुर्गेश अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, सीएमएचओ डॉ. सरोजिनी जेम्स बेक एवं स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर उपस्थित थे।

महापौर श्रीमती अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि यह पहल देवास जिले में महिला स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन का वितरण चरणबद्ध तरीके से किया जाए और सभी को इसके फायदे के बारे में भी बताया जाए। यह टीका महिला स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जागरूकता और समय पर टीकाकरण से समाज में कैंसर की रोकथाम संभव है।

महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल ने देवास जिले के नागरिकों से अपील की है जिनकी बेटियां 14 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकी है और 15 वां जन्मदिन नहीं मनाया है। वे माता पिता उन बालिकाओं को अनिवार्यत- एचपीवी का टीका लगवाएं। यह टीका पूर्णत- सुरक्षित है। उन्होंने इसे महिला स्वास्थ्य के लिए एक नई आशा बताया।

सीएमएचओ डॉ. सरोजिनी जेम्स बेक ने बताया कि जिले में एचपीवी का पहला टीका कुमारी खुशी घावरी निवासी अमोना जिला देवास को लगाया गया। महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल द्वारा खुशी को माला पहनाकर उसका उत्साहवर्धन किया।

सीएमएचओ डॉ. सरोजिनी जेम्स बेक ने एचपीवी वैक्सीन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह वैक्सीन किशोरियों को समय पर दिए जाने से भविष्य में कैंसर की रोकथाम में अत्यंत प्रभावी सिद्ध होगी।

कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुनील तिवारी द्वारा देते हुए बताया गया कि एचपीवी वायरस के खिलाफ टीकाकरण अभियान में 14 वर्ष की बालिकायें शामिल होगी। टीकाकरण पूरी तरह नि शुल्क होगा। यू-विन पोर्टल पर अपने निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र पर पंजीकरण कर टीके के लिए स्लॉट बुक किया जा सकेगा। यह स्टॉल स्वयं बुक करवाकर भी टीकाकरण कराया जा सकेगा। सर्वाइकल कैंसर गर्भाशय के निचले हिस्से से जुडा होता है। यह बीमारी 30 साल की उम्र के बाद महिलाओं में होती है। यदि किशोर अवस्था में ही एचपीवी वैक्सीन लगवा ली जाए तो इसके होने की संभावना कम हो सकती है। सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में स्तन कैंसर के बाद सबसे आम कैंसर है। यह वैक्सीन महिलाओं और किशोरियों को सर्वाइकल (गर्भाशय ग्रीवा) कैंसर से बचाव हेतु एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि सर्वाइकल कैंसर से बेटियों का जीवन बचाने का यह एक नया विकल्प है।

सर्वाइकल कैंसर से बचने वैक्सीनेशन शुरू

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में महिलाओं को होने वाले गर्भाशय के कैंसर (सर्वाइकल कैंसर) से बचाने के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू हो गया है। इस अभियान के तहत 14 साल की किशोरियों को मुफ्त में टीके लगाए जा रहे हैं। यह टीका उन बालिकाओं को लगाया जा रहा है जिन्होंने 14 साल की उम्र पूरी कर ली है, लेकिन अभी 15 साल की नहीं हुई हैं। जिले की सात प्रमुख स्वास्थ्य संस्थाओं (शाजापुर जिला अस्पताल, शुजालपुर, अकोदिया, सुंदरगढ़, कालापीपल, पोलायकलां और मो. बड़ोदिया) में यह सुविधा उपलब्ध है। दरअसल भारत में महिलाओं में गर्भाशय का कैंसर दूसरी सबसे बड़ी बीमारी है। हर साल करीब 1.25 लाख महिलाएं इसकी चपेट में आती हैं। जानकारों का मानना है कि किशोरावस्था में यह टीका लगने से 30 साल की उम्र तक कैंसर का खतरा 85 प्रतिशत तक कम हो जाता है। जिसके चलते बालिकाओं को यह टीका लगाया जा रहा है।

गेहूं उपार्जन के लिए जिले के 37 हजार से अधिक किसानों ने कराया पंजीयन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आपूर्ति अधिकारी देवास ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026-27 में गेहूं उपार्जन के लिए पंजीयन कार्य 07 मार्च 2026 तक किया जा रहा है। गेहूं उपार्जन के लिए अब तक जिले के 37 हजार से अधिक किसानों ने अब तक पंजीयन कराया है। जिले में समिति स्तरीय 86 पंजीयन केन्द्र (देवास-10, सोनकच्छ-11, टोंकखुर्द-06, बागली-06, उदयनगर-04, हाटपिपल्या-06, कन्नौद-12, सतवास-12, खातेगांव-19) स्थापित किये गये है। जिन पर किसान पंजीयन का कार्य प्रारंभ हो चुका है। इन केन्द्रों पर निःशुल्क किसान पंजीयन की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त किसान जनपद पंचायत कार्यालयों/तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्रों पर भी किसान निःशुल्क पंजीयन करवा सकते है। पंजीयन नीति अनुसार एम.पी.ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर, लोक सेवा केन्द्र, निजी व्यक्तियों द्वारा साईबर कैफे पर किसान सशुल्क पंजीयन करवा सकते है।

पुलिस अधीक्षक देवास पुनीत गेहलोद द्वारा कन्नौद थाना एवं कलवार घाट क्षेत्र का निरीक्षण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यातायात दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक देवास पुनीत गेहलोद द्वारा थाना कन्नौद क्षेत्र अंतर्गत कलवार घाट का स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एएसपी ग्रामीण, एसडीओपी कन्नौद, थाना प्रभारी सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

कलवार घाट क्षेत्र में कन्नौद पुलिस के अभिप्रेरण एवं जनसहयोग से स्थापित सीसीटीवी कैमरा नेटवर्क, साइनेज बोर्ड्स, चेतावनी संकेतक एवं स्पीड ब्रेकर्स का अवलोकन करते हुए पुलिस अधीक्षक महोदय ने व्यवस्थाओं की सराहना की तथा दुर्घटना संभावित स्थलों पर तकनीकी संसाधनों के अधिकतम उपयोग के निर्देश दिए। घाट क्षेत्र में स्थापित कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी की जा रही है, जिससे सड़क सुरक्षा को प्रभावी बनाया गया है।

इसके उपरांत पुलिस अधीक्षक गेहलोद द्वारा कन्नौद थाना का निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, रिकॉर्ड संधारण, मालखाना, हवालात, शस्त्रागार एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई।

एएसपी ग्रामीण, एसडीओपी कन्नौद, थाना प्रभारी सहित समस्त स्टाफ के साथ विस्तृत चर्चा करते हुए पुलिस अधीक्षक ने पुलिसिंग के परंपरागत एवं तकनीकी आयामों का अवलोकन किया तथा निर्देशित किया कि–

अपराधों की रोकथाम हेतु प्रभावी बीट व्यवस्था एवं मुखबिर तंत्र को सुदृढ़ किया जाए।

सीसीटीवी नेटवर्क एवं डिजिटल मॉनिटरिंग का विस्तार किया जाए।

लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

आमजन के साथ संवाद एवं जनसहयोग आधारित पुलिसिंग को प्राथमिकता दी जाए।

देवास पुलिस द्वारा सुरक्षित सड़कसुरक्षित समाज के संकल्प के साथ आधुनिक तकनीक एवं पारंपरिक दक्षता के समन्वय से प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित की जा रही है।

43 वर्ष तक बिजली विभाग में सेवा देने वाले लाइनमैन के सेवानिवृत होने पर बग्घी में बैठाकर नगर में निकाला चल जुलूस लोगों ने किया स्वागत

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया ग्राम इमली खेड़ा के निवासी रमेश चंद्र मेवाड़ा जो की बिजली विभाग में पिछले 43 वर्षों से लाइनमैन की पोस्ट पर पदस्थ थे जिनका पिछले दिनों कार्यकाल पूर्ण होने पर सेवानिवृत्ति मिल चुका है इसके बाद शनिवार को बिजली विभाग कार्यालय गोलाना में स्वागत सम्मान समारोह का आयोजन आयोजित किया गया था।

सुबह 10 बजे से प्रारंभ हुएं स्वागत कार्यक्रम दोपहर 1 बजे तक चलता रहा जहां बिजली विभाग के सभी अधिकारी कर्मचारियों ने लगातार 43 वर्षों तक बिजली विभाग में सेवा देने वाले लाइनमैन जोकी बिजली विभाग के प्रति समर्पित कार्य करने वाले लाईनमैनों में से एक थे बिजली विभाग के कार्यालय अधिकारी विनोद मेवाड़ा गोलाना जेई मनोज मालवीय ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि रमेश दादा एक अनुभवी व्यक्तित्व थे

और हमारे पूरे डीसी में जब भी बिजली विभाग से संबंधित कोई कामकाज होता था तो उनसे रायसुमारी अवश्य करते थे क्योंकि लंबे समय से विभाग में कार्यरत हैं मैं काम के प्रति इतने समर्पित व्यक्ति थे कि जब भी कोई बिजली फाल्ट या कोई परेशानी उत्पन्न होती थी तो वह ना दिन देख थे ना रात मन चाहे उसे खंबे पर चढ़ जाते थे कहीं मर्तबा तो बारिश तक में भी उन्होंने लाइन बिजली मेंटेनेंस में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई आज प्रशासनिक प्रक्रिया के अनुसार सेवानिवृत्ति में हुएं हैं लेकिन आदरणीय दादा से निवेदन करते हैं कि समय-समय पर बिजली विभाग के प्रति कार्यरत रहे सेवानिवृत्ति लाइनमैन श्री रमेश चंद्र मेवाड़ा ने कहा कि वर्षों की सर्विस में जो बिजली विभाग के आला अधिकारी एवं क्षेत्रीय अधिकारी कर्मचारियों का लाड प्यार हमेशा से ही मिला है मैंने ईमानदारी पूर्वक कार्य किया है।

समय-समय पर बिजली विभाग में सेवा का समर्पण के साथ ही समाज सेवा का कार्य करते रहूंगा की बात कही जहां 1 बजें डीजे की धुन पर नगर गोलाना में चल समारोह भी निकाला गया जहां बग्घी में सवार लाइनमैन की एक झलक देखने के लिए नगर वासी आतुर दिखाई दिए गोलाना नगर के दुकान के सामने स्टार लगाकर उनका सापा बांधकर माला पहनकर स्वागत कर रहे थे गैस एजेंसी संचालक जितेन पाटीदार कियोस्क संचालक दीवान सिंह सिसोदिया ने जानकारी देते हुए बताया कि बिजली विभाग में लंबे समय से ईमानदारी पूर्वक कार्य करने वाले लाइनमैन जो की प्रशासनिक व्यवस्था अनुसार रिटायर हुए हैं विशाल जुलूस निकाला है नगर सहित क्षेत्र भर के लोगों ने उपस्थिति दर्ज करा कर उनका स्वागत सम्मान किया है यह जीवन की सबसे बड़ी पूंजी समान माना जाएगा यह कार्यक्रम का संचालन आनंद सिंह पत्रकार द्वारा किया गया कार्यक्रम में नगर गोलाना इमली खेड़ा मदाना सहित आसपास ग्रामीण क्षेत्र से बड़ी संख्या में ग्रामीण जन शामिल हुए थे।

होली के रंग खाटू वाले के संग फागोत्सव 4 को

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया रंगो का महापर्व होली का त्यौहार 3 मार्च को मनाया जाएगा होली पर्व में अब मात्र दो दिनों का समय ही शेष बचा है ऐसे में नगर के मंदिरों में व सामाजिक संस्थाओं के फागोत्सव की धूम मची हुई है नगर की सामाजिक धार्मिक संस्था श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट अकोदिया के तत्वाधान में अपने वार्षिक आयोजन के तहत होली के रंग खाटू वाले के संग फागोत्सव का आयोजन किया जा रहा है महिला मंडल की पदाधिकारीयों एवं कार्यक्रम संयोजिका प्रज्ञा अग्रवाल ने बताया कि फागउत्सव का आयोजन 4 मार्च बुधवार को शाम 4ः00 बजे से होगा फागउत्सव के अवसर पर बाबा का भव्य दरबार छप्पन भोग निशान पूजन इत्र वर्षा पुष्प वर्षा के साथ ही बाबा श्याम एवं राधा कृष्ण संग होली खेली जाएगी आयोजन को लेकर महिला मंडल द्वारा भव्य तैयारीयां की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रस्तावित नागलवाड़ी में आयोजित कैबिनेट बैठक की तैयारियाँ तेज

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जिले में प्रस्तावित कैबिनेट बैठक एवं आदिवासी संस्कृति के प्रतीक भगोरिया उत्सव कार्यक्रम के मद्देनजर प्रशासनिक अमला पूरी तरह सक्रिय हो गया है।

तैयारियों का जायजा लेने के लिए आज वरिष्ठ अधिकारियों ने नागलवाड़ी पहुँचकर कार्यक्रम स्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मौका मुआयना निरीक्षण के दौरान इंदौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, आईजी इंदौर श्री अनुराग, डीआईजी खरगोन रेंज श्री सिद्धार्थ बहुगुणा और कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। अधिकारियों ने प्रस्तावित बैठक स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, बैठक व्यवस्था और वीआईपी मूवमेंट को लेकर विस्तृत चर्चा की। बाबा भिलट देव मंदिर में दर्शन एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन अधिकारियों ने क्षेत्र के प्रसिद्ध बाबा भिलट देव मंदिर पहुँचकर दर्शन किए और मंदिर परिसर का भ्रमण किया।

गौपूजन, ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलन व भारत माता पूजन उद्घाटन सत्र

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया भारतीय किसान संघ अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा। आयोजित की गई थी जहां भारती किसान संघ द्वारा जनहित में किए जाने वाले कार्य का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री के साई रेड्डी जी द्वारा स्वागत उद्बोधन व अखिल भारतीय महामंत्री श्री मोहिनी मोहन मिश्र जी द्वारा वर्ष भर का महामंत्री प्रतिवेदन का वाचन किया गया।

27 फरवरी 2026 स्थान- राष्ट्रीय विद्या केंद्र, अन्नोजीगुड़ा तेलंगाना मैं आयोजित किया गयाथा मालवा प्रांत से प्रांत अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण पटेल महामंत्री रमेश दांगी आगर , गिरजा देवी ठाकुर, रतलाम राजेंद्र शर्मा धार उपाध्यक्ष रेवाराम सेठ सनावद,दयाराम जी पाटीदार मनावर,मंत्री धर्म सिह गुर्जर खण्डवा,महेश ठाकुर धार,भारत सिह बेस, कोषाध्यक्ष शांतिलाल शर्मा उज्जैन , संगठन मंत्री अतुल महेश्वरी इन्दौर,सह संगठन मंत्री दिनेश शर्मा उज्जैन, जैविक प्रमुख आनंद ठाकुर इंदौर,श्याम पंवार खरगोन ,रघुनंदन जी पाटीदार गरोठ,सिताराम प्रजापति,मोहन पाटीदार धार वैशाली मालवीया , इन्दौर राजीव लोचन ठाकुर रतलाम, सुनील राठौर शामिल हुए उद्घाटन सत्र में अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया स्वागत भाषण अखिल भारतीय अध्यक्ष साई रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना की प्रतिनिधि सभा में कहा कि यह प्रतिनिधि सभा देश के किसानों के लिए मिल का पत्थर साबित होगी।

इस प्रतिनिधि सभा में भूमि अधिग्रहण ट्रेड डील लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य देश देश में किसान पर भी विचार होगा ।देश भर से आए प्रतिनिधि सभा में उपस्थित सभी का स्वागत है।

श्री खाटूश्याम मंदिर शनि धाम पर मनाया भव्य फाग उत्सव

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। फाल्गुन माह ने नगर के मंदिरो मे फाग उत्सव का आयोजन चल रहा है। शुक्रवार फाल्गुन एकादशी के अवसर पर नगर के सिद्ध शनि देव धाम स्थित श्री खाटूश्याम मंदिर पर प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात प्रथम बार भव्य फाग उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर बाबा का मनमोहक श्रृंगार किया गया। एकादशी के चलते सुबह से ही मंदिर पर दर्शन करने के लिए भक्तो का ताता लगा रहा। दोपहर 12 बजे भगवान को छप्पन भोग व ज्योत प्रजवलित की गई व इसके पश्चात भोग आरती उतारी गई। कार्यक्रम मे उपस्थित भक्तो ने लड्डू गोपाल को पुष्प व गुलाल अर्पित किया व श्रीकृष्ण राधा के रूप मे सज कर आए बच्चो के साथ फाग गीतों पर नृत्य कर उत्सव मनाया गया। एकादशी के अवसर पर नगर सहित अकोदिया गांव, फुलेन, कोहलिया, चापड़िया, अजनई, भोगीपुर आदि ग्रामो से बडी संख्या मे सम्मिलित हुए भक्तो ने भजन कीर्तन किया व एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनायें प्रेषित की। शाम 5ः30 बजे श्री खाटूश्याम जी की महाआरती उतारी गई। इसके पश्चात समाजसेवी अरुण शर्मा बाबा की और से 1 क्विंटल 51 किलो खिचड़ी का वितरण किया गया।

सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने किया राष्ट्रीय 'ह्यूमन पैपिलोमावायरस' (एचपीवी) टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला चिकित्सालय, बड़वानी में सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध राष्ट्रीय 'ह्यूमन पैपिलोमावायरस' (एचपीवी) टीकाकरण अभियान का शुभारंभ खरगोनबड़वानी लोकसभा क्षेत्र के सांसद गजेंद्र सिंह पटेल द्वारा किया गया। इस अवसर पर सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी ने राजस्थान के अजमेर से इस देशव्यापी अभियान का शुभारंभ कर बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की है। उन्होंने कहा कि 14 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकी बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा प्रदान करने हेतु यह टीकाकरण अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है। सांसद श्री पटेल ने कहा कि बेटियाँ हमारे समाज की शक्ति हैं। उनका स्वास्थ्य सुरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

न्यायाधीश गणों ने वर्चुअल माध्यम से रेफरल मेडिएटर प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्राप्त किया प्रशिक्षण

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बड़वानी में जिले के न्यायाधीशगण आनलाईन वर्चुअल माध्यम से रेफरल मीडिएटर प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त किया। माननीय श्री न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा, मुख्य न्यायाधिपति, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय एवं मुख्यदृसंरक्षक, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दूरदर्शी नेतृत्व तथा माननीय श्री न्यायमूर्ति विवेक रूसिया, प्रशासनिक न्यायाधिपति, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कुशल मार्गदर्शन में Mediation for nation Campion 2.0 के अंतर्गत जिला न्यायालय में पदस्थ न्यायाधीशगण हेतु राज्य स्तरीय रेफरल संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम दो चरणों में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया । यह अभियान सर्वोच्च न्यायालय की मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति द्वारा प्रारंभ किया गया है, जिसका उद्देश्य मध्यस्थता योग्य प्रकरणों की समय पर पहचान, प्रभावी रेफरल एवं शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रथम चरण दिनांक 14 फरवरी 2026 को जबलपुर एवं भोपाल संभाग के न्यायिक अधिकारियों हेतु तथा द्वितीय चरण दिनांक 28 फरवरी 2026 को इंदौर एवं ग्वालियर संभाग के न्यायिक अधिकारियों हेतु आयोजित किया गया, जिससे राज्य की संपूर्ण जिला न्यायपालिका को सम्मिलित किया गया। प्रशिक्षण सत्र ऑनलाइन माध्यम से श्रीमती गिरिबाला सिंह, पूर्व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण फोरम, भोपाल एवं वरिष्ठ प्रशिक्षक, मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति द्वारा संचालित किए गए। प्रशिक्षण सत्रों में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि प्रभावी रेफरल ही सफल मध्यस्थता प्रणाली की आधारशिला है। समय पर एवं सुविचारित रेफरल से न केवल सौहार्दपूर्ण समझौते की संभावना बढ़ती है, बल्कि न्यायालयों का बहुमूल्य समय भी बचता है, पक्षकारों के मध्य वैमनस्य में कमी आती है तथा न्याय वितरण प्रणाली के प्रति जन - विश्वास सुदृढ़ होता है। न्यायिक अधिकारियों को प्रारंभिक अवस्था में ही मध्यस्थता योग्य प्रकरणों की पहचान करने के लिए संवेदनशील बनाया गया, ताकि विवाद अनावश्यक रूप से लंबित एवं विवादास्पद न बनें। सुश्री सुमन श्रीवास्तव, सदस्य सचिव, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने अवगत कराया कि वर्ष 2025-26 के दौरान राज्य के 622 न्यायिक अधिकारियों को 40 घंटे के सघन मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है।

कृष्ण-सुदामा जैसा मैत्री भाव आज पूरे विश्व को चाहिए - पं. नागर

धरावरा धाम आश्रम पर चल रहे मानस सम्मेलन एवं भागवत ज्ञान यज्ञ का हुआ विशाल भंडारे के साथ समापन, पं. नागर का सम्मान

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृष्ण और सुदामा की मित्रता पूरी दुनिया में अनूठा उदाहरण है। मित्रता के नाम पर स्वार्थ और मोह-माया से बंधे रिश्ते ज्यादा दिनों तक नहीं चलते। कृष्ण-सुदामा जैसा मैत्री भाव पूरे विश्व की जरूरत है। कलयुग में मित्रता को नए सिरे से परिभाषित करने की जरूरत है। ऊंचे पदों पर बैठे लोगों को अपने बाल सखाओं के दुख-दर्द में भागीदार बनने का संदेश भी इस प्रसंग से मिलता है। भागवत कथा में तो हम सात दिन बैठ लिए, अब कथा को अपने अंदर बिठाने की जरूरत है। भागवत के संदेशों को हम जिस दिन आत्मसात कर लेंगे, मनुष्य जीवन धन्य हो उठेगा। ये दिव्य विचार मालवा के प्रख्यात भागवत मर्मज्ञ आचार्य पं. ब्रजकिशोर नागर के, जो उन्होंने शनिवार को धार रोड स्थित धरावरा धाम आश्रम पर महंत शुकदेव दास महाराज के सानिध्य में चल रहे

मानस सम्मेलन एवं भागवत ज्ञान यज्ञ में उपस्थित श्रद्धालुओं को कृष्ण-सुदामा मैत्री प्रसंग की व्याख्या के दौरान व्यक्त किए। कथा में कृष्ण-सुदामा मैत्री का उत्सव भी मनाया गया।मुख्य यजमान नानूराम चौधरी के साथ अध्यक्ष दिनेश गर्ग, कल्याण भांगडिया, प्रकाश पटेल, ताराचंद खण्डेलवाल, मनोहर चौधरी, निलेश उपाध्याय, प्रवीण मोहन चौधरी, अम्बाराम कोतवाल, योगेश चौधरी आदि ने किया । संचालन - मांगीलाल ठाकुर सर (कलारिया वाले) ने किया। आयोजन समिति की ओर से महंत शुकदेवदास महाराज के सानिध्य में कथा व्यास पं. नागर का क्षेत्र के 25 गांवों के भक्तों की ओर से भावभरा सम्मान भी किया। पं. नागर ने कहा कि इंदौर से सटा यह पवित्र धरावरा धाम साकेतवासी महंत घनश्याम दास महाराज के पुण्य कर्मों का प्रतिफल है जिसकी आभा कभी खत्म नहीं होगी। महंत शुकदेवदास महाराज पूरी निष्ठा और लगन से उनके अधूरे शुभ संकल्पों को साकार कर रहे हैं। कथा समापन पर 25 गांवों के हजारों भक्तों ने महाप्रसादी का पुण्य लाभ उठाया। मध्यरात्रि तक भंडारे का क्रम चलता रहा।

सिविल अस्पताल में एचपीवी वैक्सीन का हुआ शुभारंभ, किशोरियों को किया वैक्सीनेशन

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की किशोरियों के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल करते हुए ह्यूमन पैपिलोमा वायरस टीकाकरण अभियान का शुभारंभ शनिवार को सिविल अस्पताल सुसनेर में किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ संकल्प और विश्वास के साथ देशभर में किशोरी बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के उद्देश्य से यह अभियान प्रारंभ किया गया है।

सिविल अस्पताल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव कुमार बरसेना ने एचपीवी टीकाकरण अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर के लगभग 99 प्रतिशत मामलों का प्रमुख कारण एचपीवी वायरस है, जिससे बचाव के लिए यह टीका अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुआ है। उन्होंने बताया कि 28 फरवरी 2026 से जिले में 14 से 15 वर्ष 3 माह आयु वर्ग की किशोरियों को यह टीका पूर्णतः निःशुल्क लगाया जाएगा।कार्यक्रम में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ब्रजभूषण पाटीदार, डॉ. हर्षिता टटावत, डॉ नीलम जैन, बीईई भरत भावसार, बीसीएम मुकेश सूर्यवंशी, दन्त रोग विशेषज्ञ डॉ सीमा पाटीदार, डॉ शिवानी सोनी, पीटी यश शर्मा, सीएचओ संदीप विश्वकर्मा व हरिओम शर्मा तथा डाटा ऑपरेटर सुमित प्रजापति सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। टीकाकर्मी एएनएम अंगुरी राजपाली तथा रमा यादव द्वारा किशोरियों का टीकाकरण किया गया।

महाविद्यालय में प्रदर्शनी के द्वितीय दिवस विद्यार्थियों ने मॉडल के माध्यम से किया नवाचार

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस कृष्णाजीराव पवार स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल द्वारा महाविद्यालय के भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ और आईक्यूएसी के माध्यम से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 की थीम विकसित भारत निर्माण में महिला वैज्ञानिकों की भूमिका पर समर्पित गतिविधियों में प्रदर्शनी के दूसरे दिवस वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा वानस्पति औषधिय पौधों की पहचान व उनके उत्पाद जो आर्थिक संपन्नता व सक्षमता की दिशा में महत्वपूर्ण है को प्रदर्शित किया गया तथा विद्यार्थियों ने अपने अपने मॉडल को विस्तार पूर्वक समझाकर अपना नवाचार साझा किया। व्याख्यान के प्रथम सत्र में आई आई टी इंदौर की मटेरियल साइंस में उपाधि धारक व वर्तमान में होल्कर महाविद्यालय इंदौर के भौतिक शास्त्र विभाग में पदस्थ डॉ. फेजिया अजीज ने अपने व्याख्यान में महिला भारतीय वैज्ञानिकों का योगदान बताते हुए कहा कि बेटियां पहले से ही सशक्त है आवश्यकता है उन्हें सही मार्गदर्शन की उनके आत्म विश्वास के आगे आए कदम की। द्वितीय सत्र में प्रख्यात वनस्पतिविद व पर्यावरणविद डॉ. हितेन्द्र राम ने जो वर्तमान में अटल बिहारी विश्वविद्यालय भोपाल के वैज्ञानिक

है ने अपनी पादप प्रदर्शनी के माध्यम से संरक्षित विधियों पर चर्चा की ।

डॉ. राम ने महाविद्यालय परिसर में रोपित पादप जैव विविधता को सूचिबद्ध कराया साथ ही विद्यार्थियों को पादप पहचान करने के तरीके से अवगत कराया। नई पीढ़ी जो अपने आलस्य के परिवेश में है पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि बीजों को उगाना बंद कर दिया तो क्या होगा, अत आप विचार करें। नई तकनीकों का सहारा लेकर पादप संरक्षण की दिशा में कार्य करें साथ ही वनस्पति शास्त्र से जुडे स्टार्टअप पर निर्देशित किया और प्रदर्शनी पर सुझाव दिए।

अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एस पी एस राणा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि सभी विषय किसी ना किसी रूप से विज्ञान से जुड़े हुआ हे,कब हुआ कैसे हुआ किस कारण से हुआ इसका मंथन करने में लगे रहते हे।कोई सार तक पहुंच जाता हे,कोई अपना अनुरूप सार बना लेते हे।

विद्यार्थियों ने लोक परंपरा से जुडे उत्पादों का निर्माण किया साथ ही गुलाब अर्क, गुलकंद, जीवाश्म आदि का निर्माण किया। थीम आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राधिका चौहान, द्वितीय दीपक डोडवे तथा तृतीय स्थान विमल यादव ने प्राप्त किया। प्रदर्शनी में अपने प्रोजेक्ट दर्शाने वाले विद्यार्थियों में कृष्णपालसिंह सेंधव व विमल यादव प्रथम, मोनिका पटेल, रजत यादव, विजिता काजले द्वितीय तथा प्रिया राठौर, रवि प्रजापति तृतीय रहे। शेष प्रतिभाग करने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप प्रशस्ती पत्र वितरित किए गए।

इस अवसर पर डॉ आर के मराठा, डॉ बी एस जाधव डॉ सीमा सोनी, डॉ दीप्ति धवले, डॉ विद्या माहेश्वरी, डॉ आराधना डिकुना, डॉ प्रीति मालवीय, डॉ शशि सोलंकी,डॉ सत्यम सोनी, एन एस एस कार्यक्रम अधिकारी राकेश कोटिया, प्रो निकिता कर्मा,प्रो मोहानी सिंह परमार, डॉ माया ठाकुर, दीपक अटाडिया के साथ महाविद्यालय स्टाफ और 120 से अधिक छात्र छात्राओं ने प्रदर्शनी देखी ।

कार्यक्रम में संचालन डॉ लीना दुबे द्वारा किया गया और आभार प्रो संदीप सिंह नागर ने मन ,उक्त जानकारी कार्यक्रम सहप्रभारी जितेन्द्र सिंह राजपूत ने दी।

आगामी त्यौहारों/पर्वो के दौरान कानून व्यवस्था, सुरक्षा एवं साम्प्रदायिक सद्भाव की स्थिति को बनाये रखने के लिये भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए 24 फरवरी 2026 से 02 मार्च 2026 तक भगोरिया पर्व, 02 मार्च 2026 होलीका दहन, 03 मार्च 2026 को धुलेडी एवं गल-चूल, 08 मार्च 2026 को रंग पंचमी, 10 मार्च 2026 शीतला सप्तमी, 19 मार्च को 2026 गुडी पड़वा, 20 मार्च 2026 चैती चाँद/जमात उल विदा, 21 मार्च 2026 ईद-उल-फितर/गणगौर तीज, 27 मार्च 2026 रामनवमी/ज्वारे विसर्जन, 31 मार्च 2026 महावीर जयन्ती, 02 अप्रैल 2026 हनुमान जयंती, 03 अप्रैल 2026 गुड फ्राईडे, 10 अप्रैल 2026 ईस्टर संडे, 07 अप्रैल 2026 को गुरु तेगबहादुर

जयंती, 14 अप्रैल 2026 डॉ. अम्बेडकर जयंती, 20 अप्रैल 2026 परशुराम जयंती/अक्षय तृतीया आदि अन्य त्यौहार मनायें जायेंगे। आगामी त्यौहारों/पर्वों के दौरान कानून व्यवस्था, सुरक्षा एवं साम्प्रदायिक सद्भाव की स्थिति को बनाये रखने के लिये असामाजिक तत्वों, अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों तथा निहित स्वार्थी तत्वों की गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए सम्पूर्ण जिला झाबुआ क्षेत्रान्तर्गत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया जाना लोकहित में समुचित होगा।

पुलिस अधीक्षक जिला झाबुआ के पत्र द्वारा जिले में उक्त त्यौहार/पर्व में समाजजनों द्वारा रैली/जुलूस आदि निकाले जाते हैं अथवा किसी संगठन/आमजन द्वारा धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया जाता है, जिससे समाज में लोक परिशांति प्रभावित होती है एवं रैली/ जुलूस के दौरान कुछ लोग हथियार लेकर सम्मिलित हो जाते है। जिससे अप्रिय घटना घटित होने की प्रबल संभावना रहती है।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जिला झाबुआ नेहा मीना के अनुमोदन पर अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकारी श्री चंदरसिंह सोलंकी द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 (1) (2) में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया :-

झाबुआ जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में आपत्तिजनक साम्प्रदायिक और धार्मिक उन्माद फैलाने वाले गाने बजाने व सोशल मीडिया के संसाधन, फेसबुक, व्हाटसएप, ट्विटर, इंस्ट्राग्राम, इन्टरनेट आदि से ऑपत्तिजनक फोटो, कमेंट, चित्र पोस्ट करने अथवा अन्य आपत्तिजनक संदेश पोस्ट करना पूर्णतः प्रतिबंधित होगा।

झाबुआ जिले की सीमा में किसी भी संगठन द्वारा कोई धरना प्रदर्शन, जुलूस, रैली का आयोजन किये जाने से पूर्व आवेदन क्षेत्र के अनुविभागीय दण्डाधिकारी को आवेदन प्रस्तुत कर अनुमति प्राप्त किया जाना अनिवार्य होगा। सभी कार्यक्रम के लिये आवेदन सक्षम पुलिस अधिकारी के अभिमत के साथ कम से कम 48 घण्टे पूर्व किया जाना तथा पुलिस अधिकारी के बिना आवेदन पत्र कम से कम 72 घंटे पूर्व प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

ध्वनि विस्तारक यंत्रों के अनियंत्रित व नियम विरूद्ध प्रयोग पर नियंत्रण हेतु प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कानून व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउडस्पीकर/डीजे/बैण्ड/प्रेशर हान) के अनियंत्रित व नियम विरुद्ध प्रयोग पर नियंत्रण हेतु जिले में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर नियंत्रण जनहित में आवश्यक है।

ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम 2000 की धारा 2 (ग) में जिला दण्डाधिकारी को जिले की सीमा में उक्त नियमों को लागू करने हेतु प्राधिकारी बनाया गया हैं। अतः इस प्ररिप्रेक्ष्य में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नेहा मीना के अनुमोदन पर अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकारी श्री चंदरसिंह सोलंकी द्वारा ध्वनि द्वारा प्रदूषण नियंत्रण हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 (1) (2) के तहत् झाबुआ जिले की राजस्व सीमा हेतु आदेशित किया है कि:-

1- झाबुआ जिले के अंतर्गत समस्त उत्सव/आयोजन के दौरान लाउड स्पीकर, डी.जे., बैण्ड, प्रेशर हार्न तथा अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग, विहित प्राधिकारी की अनुमति के बगैर प्रतिबंधित रहेगा।

2- ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 द्वारा निर्धारित शेडयूल अनुसार निर्धारित ध्वनि का स्तर मानक सीमा से बाहर प्रतिबंधित रहेगा।

3- रात्रि समय 10.00 बजे से सुबह 6.00 बजे तक किसी भी प्रकार के लाउड स्पीकर, डी.जे., बैण्ड,

प्रेशर हार्न तथा अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग, पूर्ण रूप से प्रतिबंधित होगा।

चूंकि यह आदेश आम जनता के महत्व का है तथा आम जनता को सम्बोधित है, जिसकी व्यक्तिशः सूचना दी जाना संभव नहीं होने से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163(2) के तहत एकपक्षीय पारित किया जाता है। उक्त आदेश 01 मार्च 2026 से 01 मई 2026 तक प्रभावशील रहेगा तथा उक्त प्रभावशील अवधि में उक्त आदेश का उल्लघंन भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 अन्तर्गत दण्डनीय अपराध की श्रेणी में आएगा।

शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के तारतम्य में आम जन को इस तथ्य से अवगत कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है कि 14 फरवरी 2000 को केन्द्र सरकार ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत दी गई शक्तियों का प्रयोग कर सार्वजनिक स्थलों में विभिन्न स्त्रोतों द्वारा होने वाले ध्वनि प्रदूषण के बढ़ते स्तर को नियंत्रित करने के लिए ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 को अधिनियमित किया गया है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एवं म.प्र. उच्च न्यायालय खण्डपीठ जबलपुर द्वारा ध्वनि प्रदुषण नियंत्रण के संबंध में जारी निर्देशों के कड़ाई से अनुपालन कराने तथा ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित किये जाने के संबंध में प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देश दिये गये है। यह नियम म.प्र. राज्य में भी लागू है। शहर में ध्वनि विस्तारक यंत्र, लाउड स्पीकर, डी.जे. बैण्ड इत्यादि के प्रयोग से ध्वनि का स्तर बढ़ता है। ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 के उल्लघंन के संबंध में उच्चतम न्यायालय, खण्डपीठ ने ध्वनि प्रदूषण पर फैसला देते हुए लाउडस्पीकरों और हार्न के यहां तक कि निजी आवासों में भी इस्तेमाल पर व्यापक दिशा निर्देश जारी किए हैं, जिसमें लाउडस्पीकरों, वाहनों आदि से उत्पन्न होने वाले शोर आदि को भी कवर किया गया है।

ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम 2000 यथासंशोधित के नियम 3(1) व 4(1) के अनुसार नियमावली के शेड्यूल में Ambient Air Quality Standards ÂÎ respect of Noice Pollution के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों जैसे औद्यौगिक, वाणिज्यिक, रिहायसी व शांत क्षेत्र में दिन व रात के समय अधिकतम ध्वनि तीव्रता निर्धारित की गई है, जो निम्नवत है–

औद्योगिक क्षेत्र में प्रातः 06.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक 75 डेसीबल, रात्रि 10ः00 बजे से प्रातः 06.00 बजे तक 70 डेसीबल, वाणिज्यिक क्षेत्र में प्रातः 06.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक 65 डेसीबल, रात्रि 10ः00 बजे से प्रातः 06.00 बजे तक 55 डेसीबल, आवासीय क्षेत्र में प्रातः 06.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक 55 डेसीबल, रात्रि 10ः00 बजे से प्रातः 06.00 बजे तक 45 डेसीबल, शांत क्षेत्र में प्रातः 06.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक 50 डेसीबल, रात्रि 10ः00 बजे से प्रातः 06.00 बजे तक 40 डेसीबल निर्धारित की गई है।

म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा गत वर्षों में समय-समय पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों क्रमशः शांत क्षेत्र, रहवासी क्षेत्र, व्यावसायिक क्षेत्र एवं औद्योगिक क्षेत्र में परिवेशीय ध्वनि मापन का कार्य किया गया तथा यह पाया गया हैं कि उक्त क्षेत्रों में ध्वनि का स्तर मानक सीमा से अधिक है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा आगामी त्यौहारों के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों, लाउड स्पीकर एवं डी.जे. इत्यादि के प्रयोग से ध्वनि प्रदूषण बढ़ने की संभावना व्यक्त की गई है एवं म.प्र. शासन, गृह विभाग वल्लभ भवन के द्वारा ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के निर्देश प्राप्त हुए है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर व्याख्यान एवं प्रश्न मंच प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय सुसनेर में प्राचार्य डॉ जी. सी. गुप्ता के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा प्रायोजित तथा महाविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन प्रकोष्ठ, भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर नारी शक्ति इन स्टेम एजुकेशन विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता सहायक प्राध्यापक आकांक्षा श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भूमिका, चुनौतियों और संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने छात्राओं को वैज्ञानिक सोच विकसित करने और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ ताज नुदरत कुरैशी एवं रामकुमार अंजोरिया के निर्देशन में विज्ञान विषयक प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने ज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रदर्शन किया। आयोजन ने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक जागरूकता बढ़ाने तथा स्टेम शिक्षा में नारी सशक्तिकरण के महत्व को रेखांकित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान महाविद्यालय के स्टॉफ सदस्य सहायक प्राध्यापक मुकेश कुमार दांगी, डॉ रेखा चंद्रपाल, सीमा मुवेल, श्रद्धा पांडे आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यक्रम समन्वयक डॉ आदिश कुमार जैन द्वारा किया गया तथा आभार काशीराम प्रजापति ने माना।

पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक संदेश के साथ मनाया जाएगा गौकाष्ठ आधारित होलिका उत्सव

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन द्वारा इस वर्ष पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक संदेश के साथ आने वाले होली के पावन पर्व को पर नागरिकों को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया गया है। शासन द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि आपसी मतभेदों को मिटाकर भाईचारे, सामाजिक एकता और हर्षोल्लास के साथ होली का त्यौहार मनाने के लिए जन सामान्य को प्रोत्साहित किया जाए। शासन द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि जनसहयोग एवं सामाजिक सहभागिता के माध्यम से यह प्रयास किया जाए कि होलिका दहन में लकड़ी की जगह उपलों और गौकाष्ठ का प्रयोग हो। साथ ही, पर्यावरण संरक्षण और पानी बचाने के लिए प्राकृतिक व हर्बल रंगों से होली खेलने तथा पशु-पक्षियों पर रंग न डालने के संकल्प के साथ हुड़दंग से दूर रहकर भाईचारे के साथ होली का उत्सव मनाने लिए प्रोत्साहित किया जाए। शासन द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि विशेष रूप से लकड़ी की जगह उपलों और गौकाष्ठ के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए जिले में विभिन्न स्तरों पर आयोजित किए जाने वाले सार्वजनिक होलिका दहन कार्यक्रमों के निःशुल्क पंजीयन की व्यवस्था की जाए। नगरीय निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं को इस कार्य में सम्मिलित किया जाए। पंजीयन के समय आयोजक संस्था की संक्षिप्त जानकारी जैसे पदाधिकारी, संपर्क नंबर इत्यादि प्राप्त किया जाए। होलिका दहन के दिन मैदानी अमले के साथ इन संस्थाओं द्वारा आयोजित सार्वजनिक होलिका दहन आयोजनों का भ्रमण कर, जलाऊ एवं इमारती वनों की लकड़ी के स्थान पर गौकाष्ठ आधारित होलिका दहन को प्रोत्साहित किया जाए। जारी निर्देशानुसार सभी जिलों के कलेक्टर जिले में इस प्रकार के गौकाष्ठ आधारित होलिका दहन आयोजन का सूचीकरण करेंगे। राज्य शासन के निर्देशानुसार आगामी दिनों में निर्धारित दिनांक या अवधि में सभी जिला मुख्यालयों में जिला स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें ऐसी सभी संस्थाओं एवं उनके पदाधिकारियों को मुख्यमंत्री की ओर से तैयार किया गया पर्यावरण संरक्षण संबंधित प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही राज्य शासन द्वारा ऐसी संस्थाओं को भविष्य में अन्य किसी प्रकार से प्रोत्साहन या सहयोग में भी प्राथमिकता दी जाएगी। शासन द्वारा अभ्युदय मध्यप्रदेश अंतर्गत राज्य शासन की इस पहल को स्थानीय स्तर पर अधिक से अधिक प्रचारित और प्रसारित करने के निर्देश दिए गए हैं और सभी जिले के कलेक्टर्स को निर्देश दिए गए हैं कि स्वच्छ और स्वस्थ होली के इस अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

सर्वाइकल कैंसर के बचाव के लिए एच.पी.वी. टीकाकरण अभियान प्रारंभ

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए शनिवार को एच.पी.वी. टीकाकरण अभियान प्रारंभ हुआ। इस अभियान के शुभारंभ अवसर पर मेडिकल कॉलेज सह जिला चिकित्सालय के बी-ब्लॉक में आयोजित कार्यक्रम में किशोरियों को टीके लगाये गए। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा ने उपस्थित किशोरियों को बताया कि यह टीका सर्वाइकल कैंसर रोग से उनकी रक्षा करेगा। उन्होंने सभी किशोरियों से कहा कि वे अपने साथ की अन्य किशोरियों को भी इस टीके को लगवाने के लिए प्रेरित करें। सभी किशोरी बालिकाओं को टीका लगाने के बाद टीकाकरण प्रमाण पत्र भी दिये गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर ओ.पी.जुगतावत ने बताया कि टीकाकरण के लिए यूविन पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन भी पंजीयन किया जा सकता हैं। उन्होंने बताया कि 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी, और 15 वर्ष से कम उम्र की बालिकाओं को एच.पी.वी. सर्वाइकल कैंसर रोग का टीका लगाया जा रहा है। इस उम्र वर्ग की लगभग 16000 किशोरियों को टीके लगाए जाना है। जिलें में कुल 7 टीकाकरण केन्द्र बनाये गये है जिसमें जिला चिकित्सालय खण्डवा, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पंधाना, छैगांवमाखन, मूंदी, खालवा, हरसूद एवं किल्लौद में यह टीके प्रतिदिन शासकीय अवकाश को छोड़कर प्रातः 9 से दोपहर 2 बजे तक लगाये जायगें। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कौशल, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रश्मि कौशल, मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ. रंजीत बड़ोले, डॉ. सुनील बाजोलिया, डॉ. योगेश शर्मा, डॉ. पंकज जैन, डॉ. कृष्णा वास्केल, चिकित्सक सहित, नर्सिंग ऑफिसर व स्वास्थ्य कायकर्ता भी मौजूद थे।

विदेशी ट्रेड ड्रिल व एआई समिट में गिरफ्तारी के विरोध में नीमच में यूथ कांग्रेस का उग्र पर्दशन अर्ध नग्न होकर जताया रोष

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में विदेशी ट्रेड ड्रिल ओर एआई समिट के दौरान हुई ग्रिफ्तारीयो के विरोध में नीमच में शुक्रवार शाम नीमच में यूथ कांग्रेस ने जोरदार पर्दशन किया ।

विजय टाकीज चौराहे पर एकत्रित कार्यकर्ताओ ने अर्धनग्न होकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की ओर इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया । पर्दशन के चलते कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा जिससे क्षेत्र में राजनैतिक माहौल गरमा गया ।

यूथ कांग्रेस पदाधिकारीयो ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार देश की सम्पति ओर किसानों का भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय बिना पारदर्शिता के ले रही है । उनका कहना था कि राष्ट्रीय स्तर पर शांति पूर्ण विरोध दर्ज कराने के दौरान एआई समिट में उदय भानु चिब सहित 12 नेताओ को ग्रिफ्तार किया है । जो पूरी तरह असवैधानिक है। पर्दशनकारियो ने सभी नेताओं की तत्काल रिहाई की मांग करते हुए इसे युवाओं की आवाज दबाने का प्रयास बताया

जिला मुख्यालय पर आयोजित पर्दशन में कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि ग्रिफ्तार नेताओं को शीघ्र रिहा नही किया गया ओर कथित जनविरोधी नीतियों पर फिर से विचार नही हुआ तो आंदोलन को और क्यापक रूप दिया जाएगा

कई कार्यकत्ताओं ने प्रतीकात्मक रूप से अर्धनग्न होकर विरोध दर्ज कराया।

यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष मनमोहन सिंह (मन्नू बन्ना) कहा कि युवाओं और किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघठन हर स्तर पर संघर्ष करेगा

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सवांद की बजाय दमन की नीति अपना रही है । जो लोकतंत्र के लिये चिंताजनक संकेत है ।

उन्होंने स्पष्ट किया कि आंदोलन लोकतांत्रिक दायरे में रहकर शांतिपूर्ण तरीके से किया जारहा है । लेकिन अनदेखी जारी रही तो चरणबद्ध आंदोलन तेज किया जाएगा

पर्दशन के दौरान कार्यकर्ताओं ने की है कि विदेशी ट्रेड ड्रिल को सार्वजनिक किया जाए और उसकी शर्तों को स्पष्ट किया जाए । वक्ताओं ने कहा कि यदि ड्रिल देशहित में तो सरकार को पारदर्षिता बरतना चाहिए। किसानों और युवाओं से लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाने की अपील भी की है

मोके पर पुलिस बल तैनात रहा और प्रशासन की निगरानी में कार्यक्रम शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ।

बड़ी संख्या में यूथ कांग्रेस पदाधिकारी ओर कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत नगर पालिका झाबुआ द्वारा शहर में भव्य वाल पेंटिंग एवं 3D आर्ट से सौंदर्यकरण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत नगर पालिका झाबुआ द्वारा शहर के सौंदर्यकरण, स्वच्छता जागरूकता एवं ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों, चौराहों एवं दीवारों पर आकर्षक वाल पेंटिंग, 3ष्ठ आर्ट एवं म्यूरल बनाए जा रहे हैं।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री मिलन पटेल ने बताया कि इन कलात्मक चित्रों के माध्यम से स्वच्छता का संदेश, देशभक्ति की भावना तथा महापुरुषों के प्रेरणादायी चित्रों को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही झाबुआ की समृद्ध स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को भी

प्रमुखता दी गई है। विशेष रूप से जनजातीय समाज की सांस्कृतिक पहचान भगोरिया पर्व, जननायक भगवान बिरसा मुंडा एवं टंट्या मामा की प्रेरक छवियों के माध्यम से शहर की दीवारों को जीवंत एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया जा रहा है।

कलेक्टर नेहा मीना ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण केवल एक प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि जन-जागरूकता का व्यापक अभियान है। शहर की दीवारों पर स्वच्छता, देशभक्ति और स्थानीय संस्कृति को दर्शाती कलाकृतियाँ नागरिकों को स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित करेंगी। उन्होंने कहा कि स्थानीय कला एवं जननायकों के चित्रण से नई पीढ़ी को अपनी विरासत से जुड़ने का अवसर मिलेगा। कलेक्टर ने नागरिकों से अपील की कि वे स्वच्छता को अपनी दैनिक आदत का हिस्सा बनाकर नगर को स्वच्छ सर्वेक्षण में अग्रणी बनाने में सहयोग करें। नगर पालिका झाबुआ का यह प्रयास न केवल स्वच्छ सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि शहर की सांस्कृतिक पहचान को सशक्त रूप से स्थापित करने का भी माध्यम बन रहा है।

इस पहल से शहर का वातावरण स्वच्छ, सुंदर एवं सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बन रहा है। नागरिकों द्वारा नगर पालिका के इस नवाचार की सराहना की जा रही है तथा स्वच्छता के प्रति सकारात्मक जनभागीदारी देखने को मिल रही है।

अंजड़ के कृषक श्री बाबूलाल काग ने प्राकृतिक खेती और इंटरक्रॉपिंग से पेश की मिसाल

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के अंजड़ तहसील के ग्राम मंडवाड़ा के प्रगतिशील कृषक श्री बाबूलाल काग आज क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन गए हैं। प्राकृतिक खेती और इंटरक्रॉपिंग के माध्यम से उन्होंने न केवल कृषि की लागत को कम किया है,परन्तु प्रकृति के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। रसायन से प्राकृतिक खेती तक का सफर श्री काग पूर्व में रसायन आधारित खेती करते थे।अच्छी उपज होने के बावजूद, रसायनों और उर्वरकों पर होने वाला खर्च उनकी शुद्ध आय को कम कर देता था। उद्यानिकी एवं कृषि विभाग के सौजन्य से प्राप्त प्रशिक्षण उपरांत उन्होने प्राकृतिक खेती की पद्धतियों को जाना एवं अपनाया, जिसके सकारात्मक परिणाम अब उन्हें प्राप्त हो रहे हैं। श्री काग के पास वर्तमान में 50 से 55 गोवंश हैं। खेती में खाद के लिए वे

पूरी तरह गोवंश के अपशिष्ट पर आत्मनिर्भर हैं गोवंश के गोबर-मूत्र और बायोगैस की स्लरी अपशिष्ट को एक बड़े हॉज़ (टैंक) में एकत्रित किया जाता है। उन्होंने इस खाद को खेत तक पहुँचाने के लिए सेंसर युक्त मड पंप का उपयोग किया है, जिससे पूरे खेत में प्राकृतिक खाद का समान रूप से छिड़काव सुनिश्चित होता है। इंटरक्रॉपिंग के माध्यम से एक साथ ले पा रहे हैं कई फसलों का लाभ सिर्फ एक फसल पर निर्भर रहने के बजाय, श्री काग ने खेत के हर इंच का बुद्धिमत्ता से उपयोग किया है।

सड़क सुरक्षा, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग, शिक्षा मित्र योजना, राहत योजना सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर कलेक्टर एवं एसएसपी ने अधिकारियों के साथ की बैठक

जिले में समन्वित प्रयास से शासन की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन किया

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं को लेकर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह ने शनिवार को जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम के अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक कर विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और कार्यों को तेजी के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट कार्यालय में महत्वपूर्ण मुद्दों पर आयोजित इस बैठक में यातायात व्यवस्था के साथ-साथ अन्य पहलुओं पर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम, अपर कलेक्टर श्री सी बी प्रसाद, अपर आयुक्त नगर निगम श्री टी धर्माराव, एडिशनल एसपी सुश्री

अनु बेनीवाल, सुश्री विदिशा, सुश्री सुमन गुर्जर सहित सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और नगर निगम के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सड़क सुरक्षा की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया है कि चिन्हित ब्लैक स्पॉट के अतिरिक्त पुलिस विभाग द्वारा चिन्हित किए गए सभी 21 प्वॉइंटों पर लोक निर्माण विभाग, नगर निगम एवं संबंधित विभागीय अधिकारी तत्परता से कार्य करें, ताकि सड़क सुरक्षा को और बेहतर बनाया जा सके। उन्होंने पीएम राहत योजना की चर्चा करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा सड़क पर घायल हुए व्यक्तियों को तत्काल उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु महत्वपूर्ण योजना प्रारंभ की है। इस योजना के तहत मोटराइज्ड व्हीकल से कोई भी दुर्घटना होती है तो गोल्डन हावर्स में तत्परता से घायल को नजदीकी अस्पताल पहुँचाने पर निःशुल्क उपचार की व्यवस्था की गई है। इस योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिले, इसके लिये मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अस्पताल प्रबंधकों के साथ-साथ एम्बूलेंस संचालकों की भी बैठक लेकर योजना के संबंध में जानकारी दें और इस योजना का जिले में बेहतर क्रियान्वयन हो, यह सुनिश्चित भी करें।

3 करोड़ की लागत से दापोरादृमाँ वाघेश्वरी मंदिरदृधामनगांव मार्ग निर्माण कार्य प्रारंभ, अर्चना चिटनिस ने किया स्थल निरीक्षण

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बुरहानपुर विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने, ग्रामीण संपर्क को मजबूत बनाने तथा क्षेत्रीय विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस (दीदी) के सतत और प्रभावी प्रयासों से ग्राम दापोरा से माँ वाघेश्वरी मंदिर होते हुए ग्राम धामनगांव तक 3 किलोमीटर लंबी महत्वपूर्ण ग्रामीण सड़क के निर्माण कार्य का विधिवत प्रारंभ कर दिया गया है। इस सड़क का निर्माण लगभग 3 करोड़ रुपए की लागत से लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है।

निर्माण कार्य प्रारंभ होने पर विधायक श्रीमती चिटनिस ने स्वयं स्थल पर पहुँचकर कार्य का निरीक्षण किया और अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को कार्य की गुणवत्ता, मजबूती और समय-सीमा के कड़ाई से पालन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास, कृषि उन्नति और आर्थिक प्रगति की जीवनरेखा होती हैं।

धार्मिक, सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग- यह मार्ग धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे विख्यात माँ वाघेश्वरी मंदिर तक श्रद्धालुओं की सुगम और सुरक्षित पहुँच सुनिश्चित होगी। सड़क निर्माण से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और व्यापार के नए अवसर सृजित होंगे। साथ ही इस मार्ग के विकसित होने से दापोरा, धामनगांव सहित आसपास के आधा दर्जन से अधिक ग्रामों को सीधा लाभ मिलेगा। ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा संस्थानों और जिला मुख्यालय तक पहुँचने में सुगमता प्राप्त होगी।

किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा बड़ा लाभ

सड़क निर्माण से किसानों को अपने कृषि उत्पादों को मंडी, मुख्य मार्ग एवं जिला मुख्यालय तक पहुँचाने में सुविधा होगी। इससे परिवहन लागत में कमी आएगी, समय की बचत होगी और किसानों की आय में वृद्धि होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियाँ तेज होंगी और समग्र विकास को गति मिलेगी।

विधायक श्रीमती अर्चना चिटनिस ने कहा कि ग्रामीण संपर्क मार्गों का सुदृढ़ीकरण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए मजबूत आधारभूत संरचना आवश्यक है और इसी दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक ग्राम तक बेहतर सड़क, सिंचाई, जल प्रदाय और अन्य बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

श्रीमती चिटनिस ने इस महत्वपूर्ण सड़क परियोजना की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार के सहयोग से बुरहानपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं।

निरीक्षण के दौरान श्रीमती चिटनिस जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रदीप पाटिल, शाहपुर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि वीरेन्द्र तिवारी, अशोक पाटिल, जनपद पंचायत सदस्य फिरोज तड़वी, रवि जैन, आकाश राखोंडे, श्रीराम पाटिल, राजू पाटिल, स्वप्निल पाटिल, उमेश महर्षि, मयूर पाटिल, संदीप पाटिल, राजेश पाटील, अमोल प्रकाश पाटील, अर्चना महाजन, संतोष महाजन, युवराज पाटिल, रामदास चौधरी, नितिन पाटील, भागवत पाटिल, शिवराम वामन, बाडू गावंडे, विट्ठल गावंडे, निखिलेश चौधरी, राजाराम पाटील, अमोल चौधरी, संजय चौधरी एवं राहुल महाजन सहित जनप्रतिनिधि, कृषक व ग्रामीण उपस्थित रहे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

होली पर महाकाल में रंग-गुलाल पूरी तरह प्रतिबंधित

2 और 3 मार्च को सख्ती- जांच के बाद ही मिलेगी एंट्री, उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। होली पर्व को लेकर इस बार श्महाकालेश्वर मंदिर एवं महाकाल लोक में विशेष सतर्कता बरती जाएगी। मंदिर प्रशासन ने 2 एवं 3 मार्च को रंग-गुलाल ले जाने, उड़ाने, एक-दूसरे पर लगाने तथा किसी विशेष उपकरण से रंग फैलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। श्रद्धालुओं के साथ-साथ मंदिर से जुड़े पुजारी, पुरोहित, कर्मचारी और सुरक्षाकर्मी भी इस आदेश के दायरे में रहेंगे।

गौरतलब है कि 25 मार्च 2024 को होली पर भस्मार्ती के दौरान गुलाल उड़ाने से आग लग गई थी, जिसमें 14 लोग झुलस गए थे। इस हादसे में मंदिर सेवक सत्यनारायण सोनी की मृत्यु हो गई थी। उसी घटना से सबक लेते हुए वर्ष 2025 की तर्ज पर इस बार भी कड़े प्रतिबंध लागू किए गए हैं।

हर प्रवेश द्वार पर सख्त जांच- मंदिर आने वाले दर्शनार्थी किसी भी प्रकार का रंग, गुलाल या रंग उड़ाने वाला उपकरण साथ नहीं ला सकेंगे। सभी प्रवेश द्वारों पर तैनात सुरक्षाकर्मी जांच के बाद ही प्रवेश देंगे।

मंदिर समिति के कंट्रोल रूम से सीसीटीवी कैमरों के जरिए हर द्वार और पूरे परिसर की निगरानी की जाएगी। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई तय है।

प्रतीकात्मक रूप से अर्पित होगा हर्बल गुलाल - परंपरा के अनुसार 2 मार्च को संध्या आरती के बाद मंदिर परिसर स्थित ओंकारेश्वर मंदिर के सामने विधि-विधान से होलिका दहन किया जाएगा। इसके बाद शहर में अन्य स्थानों पर होलिका दहन होगा। 3 मार्च को धुलेंडी पर भस्मार्ती में होली मनाई जाएगी, लेकिन केवल प्रतीकात्मक रूप से सीमित मात्रा में हर्बल गुलाल भगवान महाकाल को अर्पित किया जाएगा। यह गुलाल मंदिर की कोठार शाखा द्वारा अधिकृत पुजारियों को उपलब्ध कराया जाएगा।

तीन आरतियों के समय में बदलाव

चैत्र कृष्ण प्रतिपदा 4 मार्च से अश्विन पूर्णिमा तक भगवान महाकाल की दैनिक आरतियों का समय बदलेगा।

-भस्मार्ती - प्रातः 4 से 6 बजे
-दद्योदक आरती - सुबह 7 से 7.45 बजे
-भोग आरती - सुबह 10 से 10.45 बजे
-संध्या पूजन - शाम 5 से 5.45 बजे
-संध्या आरती - शाम 7 से 7.45 बजे
-शयन आरती - रात 10.30 से 11 बजे

-भस्मार्ती, संध्या पूजन और शयन आरती निर्धारित समय पर ही संपन्न होंगी।

चंद्रग्रहण के कारण बदलेगी पूजा व्यवस्था- 3 मार्च को फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा पर चंद्रग्रहण के कारण पूजा पद्धति में आंशिक परिवर्तन रहेगा। शाम 6.32 से 6.46 तक 14 मिनट का ग्रहण रहेगा, जबकि वेद काल सूर्योदय से प्रारंभ हो जाएगा। वेद काल के चलते सुबह की दद्योदक और भोग आरती में केवल शक्कर का भोग अर्पित किया जाएगा। ग्रहण समाप्ति के बाद शुद्धिकरण, स्नान-पूजन एवं भोग अर्पण के पश्चात संध्या आरती होगी।

8 मार्च को निकलेगा ध्वज चल समारोह

रंगपंचमी 8 मार्च को परंपरानुसार बाबा महाकाल का ध्वज चल समारोह निकाला जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी रहती है।

प्रेम प्रसंग में युवक ने खुद को मारी गोली

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रेम प्रसंग के चलते बैतूल के युवक ने उज्जैन आकर खुद को गोली मार ली। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटनाक्रम की जानकारी मिलते ही पुलिस बंगाली कॉलोनी पहुंच गई थी

सीएसपी दीपिका शिंदे ने बताया कि बंगाली कॉलोनी में रहने वाले विनय गायनी के घर में बैतूल के रहने वाले निखिल आहके द्वारा खुद को सीने में गोली मार कर शूट करने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। युवक घर में जमीन पर मृत अवस्था में पड़ा हुआ था। प्रारंभिक जांच के दौरान सामने आया कि युवक बैतूल की ही रहने वाली युवती से प्रेम करता था। युवती कुछ दिन पहले अपने जीजा विनय के यहां आ गई थी और निखिल से बातचीत नहीं कर रही थी।

शनिवार शाम को निखिल दो पहिया वाहन पर सवार होकर उज्जैन स्थित बंगाली कॉलोनी अपनी प्रेमिका के जीजा के यहां पहुंचा और सीधे घर में आ गया। उसे दौरान उसकी प्रेमिका और बहन घर में थी। उसने बात करने से इनकार कर दिया। निखिल ने प्रेमिका और उसकी बहन को धक्का देकर अंदर कमरे में बंद कर लिया और खुद को गोली मार ली। सीएसपी के अनुसार युवक अपने साथ पिस्टल लेकर आया था। जो घटना स्थल से मिली है मामले की जांच के लिए एफएसएल टीम को बुलाया गया। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है युवक का शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है वहीं उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी गई है परिजनों के आने पर रविवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

मादक पदार्थ एमडी के साथ हिरासत में आए तीन युवक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मादक पदार्थ के साथ तीन युवकों के आने की सूचना मिलने पर पुलिस ने घेरबंदी की। तीनों को हिरासत में लिया गया। तलाशी लेने पर उनके पास से एमडी ड्रग्स बरामद हो गई। तीनों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि प्रजापत नगर मल्टी के पास खाली प्लॉट पर खड़े तीन युवकों के पास मादक पदार्थ होने की सूचना मिली थी। तीनों नशा करने वालों को मादक पदार्थ की पुड़िया बेचने की फिराक में आए थे। पुलिस ने घेराबंदी की और तीनों को हिरासत में लिया। उनके पास से 15 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हो गई। पूछताछ करने पर एक का नाम रोशन पिता सुनील शर्मा निवासी शीतल पैलेस, दूसरे का अंकित पिता मुकेश साहू एमपी नगर और तीसरे का कृष्णा पिता गजराज पंवार निवासी तिरुपति सॉलीटर होना सामने आया। 15 हजार रुपए कीमत की ड्रग्स बरामद होने पर तीनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 का प्रकरण दर्ज किया गया। बताया जा रहा है कि तीनों से प्रारंभिक पूछताछ में ड्रग्स राजस्थान सीमा से लगे डग से लाना सामने आया है। थाना प्रभारी गजेन्द्र पचोरिया के अनुसार न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया है।

तीन सिंहस्थ गुजरे फिर भी भारी वाहनों की स्थाई पार्किंग नहीं हो पा रही

शहर में भारी वाहनों का प्रवेश नहीं रुक रहा - चौड़े मार्गों पर किए जा रहे खड़े

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ वर्ष 1992 से लेकर 2016 तक तीन पर्व गुजर गए। इस दौरान शहर के ट्रांसपोर्ट व्यवसायी स्थाई ट्रांसपोर्ट नगर बनाने की मांग करते रहे हैं। यह व्यवस्था नहीं होने के कारण अभी शहर में सुबह से शाम तक भारी वाहनों का प्रवेश होता रहता है। इनके कारण यातायात व्यवस्था बिगड़ती है। ऐसे में आगामी सिंहस्थ से पहले इसका इंतजाम नहीं हुआ तो भीड़ प्रबंधन में दिक्कतें होगी।

उल्लेखनीय है कि विकास प्राधिकरण ने कुछ वर्ष पहले इंदौर रोड पर नया ट्रांसपोर्ट नगर बनाने की प्लानिंग की थी, लेकिन नए मास्टर प्लान का प्रारूप आने के बाद इसका स्थान बदलना पड़ा था। बीते साढ़े तीन दशकों में लगातार बढ़ती आबादी और बढ़ते शहर के दायरे के कारण पुराने स्थानों पर चल रहे ट्रांसपोर्ट क्षेत्रों को सिंहस्थ 1980 से ही स्थायी स्थान नहीं मिलने के कारण इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। 1992 के सिंहस्थ में ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों को इंदौर गेट क्षेत्र से हटाकर गदा पुलिया के समीप स्थान दिया गया था। सिंहस्थ 2004 में भी इन्हें यहां से हटाया गया था। वहीं सिंहस्थ 2016 में ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों को यहां से इंदौर-उज्जैन बायपास मार्ग स्थित सांवराखेड़ी ब्रिज के आसपास जगह दी गई थी। व्यवसायियों के अनुसार नगर निगम तभी से इसका शुल्क भी वसूल रहा था, परंतु साल 2020 में जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई कर यहां व्यवसाय कर रहे 150 से अधिक ट्रांसपोर्ट और ऑटो पार्ट्स व्यवसायियों को सांवराखेड़ी ब्रिज क्षेत्र से कार्रवाई कर हटाया था। उसके बाद से अब तक स्थाई ट्रांसपोर्ट नगर की सुविधा नहीं होने के कारण वर्तमान में ट्रांसपोर्ट व्यवसाईयों के वाहन हरि फाटक ब्रिज के नीचे जंतर मंतर मार्ग की साइड में खड़े किए जा रहे हैं। इसी तरह दूधतलाई में भी पूर्व की तरह लोडिंग वाहन खड़े हो रहे हैं। हालांकि पिछली कार्रवाई के बाद बडनगर रोड, उन्हेल बायपास मार्ग तथा एम आर 5 मार्ग पर भी ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुड़े वाहन खड़े किए जा रहे हैं। शहर के चौड़े मार्ग अब भारी वाहनों की पार्किंग बनते जा रहे हैं। आगामी सिंहस्थ से पहले इस समस्या का निदान होना चाहिए अन्यथा परेशानी आएगी।

विक्रमोत्सव 2026 में काव्य की त्रिवेणी : तीन अखिल भारतीय कवि सम्मेलन होंगे आयोजित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सांस्कृतिक नगरी उज्जैन में आयोजित हो रहे विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत इस वर्ष काव्य प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण के रूप में तीन अखिल भारतीय कवि सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी विक्रम उत्सव 2026 के संबंध में श्री राजेश सिंह कुशवाह ने देते हुए बताया कि विविध भाषाओं, बोलियों और विषयों पर केंद्रित ये आयोजन विक्रमोत्सव को राष्ट्रीय आयाम प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि 1 मार्च को 'लोक रंजन' कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत भारतीय जनजातीय भाषाओं एवं बोलियों पर आधारित प्रथम अखिल भारतीय कवि सम्मेलन कालिदास संस्कृत अकादमी के बहीरंग सभामंडप में आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन का उद्देश्य देश की समृद्ध लोक परंपराओं, जनजातीय अभिव्यक्तियों और क्षेत्रीय बोलियों को राष्ट्रीय मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आमंत्रित ख्यातनाम कवि गण अपनी-अपनी भाषाई एवं सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी रचनाओं का पाठ करेंगे। इनमें मुकुट मणिराज (हाड़ौती, कोटा), रतन प्रेमी (भीली बोली, पलसूद), राजकुमार बादल (मेवाड़ी, भीलवाड़ा), वीरेंद्र चौरे (निमाड़ी, पंधाना), किशोर तिवारी (छत्तीसगढ़ी, भिलाई), बादशाह प्रेमी (भोजपुरी, देवरिया), अजय प्रधान (अवधी, बाराबंकी), विक्रम विवेक (मालवी, तराना) तथा शशांक दुबे (मालवी व्यंग्यकार, उज्जैन) प्रमुख रूप से शामिल रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन एवं सूत्रधार श्री अशोक भाटी उज्जैन करेंगे। इसी क्रम में 7 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर नारी शक्ति पर केंद्रित अखिल भारतीय कवियत्री सम्मेलन का आयोजन भी कालिदास संस्कृत अकादमी के बहीरंग सभामंडप में किया जाएगा।

मुख्य अभियंता अमरकीर्ति सक्सेना को सेवानिवृत्ति पर एम.पी. ट्रांसको ने दी गरिमामयी विदाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन निवासी एवं उज्जैन में पढ़े-लिखे तथा अधिकांश समय मालवा क्षेत्र में अपनी सेवा देने वाले

मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) के मुख्य अभियंता श्री अमरकीर्ति सक्सेना 40 वर्षों की दीर्घ एवं समर्पित सेवा के उपरांत 28 फरवरी 2026 को सेवानिवृत्त हो गए। उज्जैन सहित पूरे मालवा में ट्रांसमिशन नेटवर्क बनाने में पिछले 4 दशकों में उनकी उल्लेखनीय भूमिका रही है। उन्होंने सिंहस्थ सहित कई आयोजनों में अपने कौशल और प्रबंधन से विद्युत व्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। शक्ति भवन स्थित ऐतिहासिक बोर्ड रूम में आयोजित गरिमामय समारोह में उन्हें ससम्मान विदाई दी गई। इस अवसर पर मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री मंजीत सिंह तथा मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक श्री सुनील तिवारी सहित ट्रांसको मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी एवं श्री सक्सेना के परिजन उपस्थित रहे। ट्रांसमिशन क्षेत्र में टेस्टिंग एवं प्रोक्योरमेंट के विशेषज्ञ के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले श्री सक्सेना ने मध्य प्रदेश विद्युत मंडल, मध्य प्रदेश राज्य विद्युत मंडल तथा मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया।

महाकालेश्वर मंदिर की संपत्ति पर विधानसभा में उठे सवाल

विधायक कालूहेड़ा ने धर्मस्व मंत्री से मांगा चल-अचल संपत्ति, आय-व्यय और दान का पूरा हिसाब

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर की संपत्ति और आय-व्यय का मुद्दा अब विधानसभा तक पहुंच गया है। उज्जैन उत्तर से विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा ने मंदिर की चल-अचल संपत्ति, दान की पावती, आय-व्यय और जमीनों के भौतिक सत्यापन को लेकर सरकार से विस्तृत जानकारी मांगी है।

उज्जैन उत्तर के विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा द्वारा विधानसभा में उठाए इन सवालों के जवाब में धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री धर्मेंद्र लोधी ने कहा है कि मांगी गई जानकारी एकत्रित की जा रही है और शीघ्र प्रस्तुत की जाएगी। अपनी ही सरकार के धर्मस्व मंत्री से भाजपा विधायक द्वारा महाकाल मंदिर को लेकर सदन में पूछे गए सवाल को लेकर सियासी गलियारों में चर्चाएं शुरू हो गई है। उल्लेखनीय है कि महाकाल लोक बनने के बाद महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या ने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। सालभर में करीब 5 करोड़ से अधिक श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। दान-पात्र में नकदी के साथ सोना-चांदी की बरसात हो रही है। मंदिर की वार्षिक आय 100 करोड़ रुपए से अधिक बताई जा रही है। लड्डू-प्रसादी और अन्य धार्मिक सेवाओं से भी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ऐसे में विधायक ने सवाल उठाया है कि इतनी बड़ी आय और संपत्ति का संचालन किस प्रकार हो रहा है और इसकी पारदर्शिता कैसे सुनिश्चित की जा रही है।

विधायक ने सरकार से यह जानकारियां मांगी

विधायक कालूहेड़ा ने 26 फरवरी को धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग से निम्न बिंदुओं पर जानकारी मांगी–

-मंदिर के नाम पर प्रदेश और प्रदेश के बाहर कितनी कृषि, व्यावसायिक व आवासीय भूमि दर्ज है?
-वर्तमान में मंदिर की कुल चल-अचल संपत्ति कितनी है?
-संपत्तियों का उपयोग किनके द्वारा और किस प्रयोजन से किया जा रहा है?
-इन संपत्तियों का भौतिक सत्यापन कब-कब हुआ?
-क्या दर्शनार्थियों को दान की पावती दी जाती है? यदि नहीं, तो दान लेखा-जोखा कैसे रखा जाता है?
-वित्त वर्ष 2024-25 में आय और मदवार व्यय का विस्तृत ब्यौरा क्या है?
-क्या मंदिर की आय जिला रेडक्रॉस या कलेक्टर के माध्यम से खर्च की जाती है? यदि हां, तो पिछले पांच वर्षों का खर्च विवरण क्या है?

महाकाल मंदिर एक नजर में

-सालाना 5 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु
-लगभग 107 करोड़ रुपए वार्षिक आय
-नकदी के साथ सोना-चांदी का दान
-उज्जैन व आसपास मंदिर के नाम पर जमीन।

सवालों के पीछे सियासत तो नहीं

राजनीतिक जानकारों की मानें तो विधायक कालूहेड़ा पहली बार विधायक बने हैं और मंदिर उनके ही विधानसभा क्षेत्र उज्जैन उत्तर में आता है। सूत्रों का कहना है कि मंदिर प्रबंधन में उन्हें और उनके समर्थकों को अपेक्षित तवज्जो नहीं मिलने की चर्चा भी रही है। ऐसे में विधानसभा के माध्यम से उठाए गए सवालों को प्रबंधन पर दबाव की रणनीति के तौर पर भी देखा जा रहा है।

हालांकि विधायक ने साफ कहा कि यह मुद्दा राजनीति से ऊपर है। उनका कहना है कि महाकाल मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है, इसलिए इसकी आय और संपत्ति की पारदर्शी जानकारी सार्वजनिक होना जरूरी है।

मंत्री का जवाब, जानकारी जुटाई जा रही

धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री धर्मेंद्र लोधी ने विधानसभा में जवाब देते हुए कहा कि मांगी गई समस्त जानकारी एकत्रित की जा रही है। विभागीय स्तर पर आंकड़े संकलित कर विस्तृत जवाब प्रस्तुत किया जाएगा।

अब नजर इस बात पर है कि सरकार द्वारा पेश किए जाने वाले जवाब में महाकाल मंदिर की संपत्ति और आय-व्यय का कितना विस्तृत और पारदर्शी खुलासा सामने आता है।

शिक्षक के प्रति सम्मान की अनूठी मिसाल: सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में गुरु के जन्मदिवस पर सजी औषधीय पौधों की प्रदर्शनी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोपरि माना गया है और विद्यार्थी अपने शिक्षक के लिए वह संचित पूंजी होते हैं, जो समाज में उनके ज्ञान का विस्तार करते हैं। इसी उच्च परंपरा का जीवंत परिदृश्य सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के वानस्पतिक अध्ययनशाला में देखने को मिला। अवसर था अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ आचार्य प्रोफेसर डी.एम. कुमावत के जन्मदिवस का, जिसे विद्यार्थियों ने किसी पारंपरिक उत्सव के बजाय एक अत्यंत ज्ञानवर्धक और गरिमापूर्ण शिक्षक सम्मान समारोह के रूप में परिवर्तित कर दिया। विद्यार्थियों द्वारा अपने शिक्षक के प्रति आदर प्रकट करने के इस अनूठे ढंग ने पूरे विश्वविद्यालय परिसर को एक नई वैचारिक ऊर्जा से भर दिया।

इस आयोजन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी विद्यार्थियों द्वारा लगाई गई एक विशेष वनस्पति प्रदर्शनी रही। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य मध्यप्रदेश की समृद्ध जैव-विविधता और यहां पाई जाने वाली महत्वपूर्ण औषधीय वनस्पतियों से जन-मानस को अवगत कराना था। अध्ययनशाला के शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने मिलकर प्रदेश की दुर्लभ एवं उपयोगी जड़ी-बूटियों को प्रदर्शित किया। प्रदर्शनी में न केवल औषधीय पौधों के उच्च गुणवत्ता वाले छायाचित्र लगाए गए थे, बल्कि उनके वैज्ञानिक नाम, पहचान के प्रमुख लक्षण और उनके विशिष्ट औषधीय गुणों का सूक्ष्म विवरण भी प्रस्तुत किया गया। यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों के शैक्षणिक कौशल और उनके विषय के प्रति समर्पण का प्रत्यक्ष प्रमाण थी, जिसे देख उपस्थित विशेषज्ञों ने भी सराहना की।

धुलेंडी पर 1000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की लगेगी ड्यूटी, ड्रोन से भी निगरानी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। होली पर सुरक्षा को लेकर उज्जैन पुलिस ने विशेष तैयारी की है और 2 तथा 3 मार्च को होली पर हुड़दंग करने वालों पर नजर रखी जाएगी। इस दौरान शहर में 1000 से अधिक पुलिसकर्मी सड़क पर तैनात रहेंगे, तो वहीं ड्रोन से भी निगरानी रखी जाएगी। उल्लेखनीय है कि सोमवार की रात होलिका दहन होगा और मंगलवार को होली खेली जाएगी। आगामी दो दिन सुरक्षा को लेकर पुलिस में एक्शन प्लान बनाया है। जिले में 100 गाडियाँ चलेगी। जो लगातार संवेदनशील इलाकों में पेट्रोलिंग करेगी, इस दौरान गाडियों के साथ पुलिस बल भी रहेगा। यहाँ हुड़दंगियों से पुलिस सख्ती से निपटेगी। किसी तरह का बवाल करने और लोगों को जोर जबर्दस्ती रंग लगाने वालों पर भी नजर रखी जाएगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार होली के दौरान शहर में ड्रोन कैमरों से नजर रखी जाएगी।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार पोस्टमेन की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बीती रात शादी में शामिल होने बाइक से जा रहे पोस्टमेन को रास्ते में अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। गंभीर घायल हालत में उसे अस्पताल पहुंचाया जाता उससे पहले मौत हो गई। दस्तावेजों के आधार पर पहचान कर पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। देवास रोड स्थित ग्राम मताना में रहने वाला निरंजन पिता देवीलाल वर्मा 52 वर्ष नरवर डाक ऑफिस में पोस्टमेन था। परिचित के यहां शादी होने पर देर शाम बाइक से ग्राम चंदेसरा जा रहा था। उसी दौरान रास्ते में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। पोस्टमेन गंभीर घायल हो गया। उसे लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दस्तावेजों के आधार पर पहचान कर परिजनों को सूचना दी। शनिवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया है। मृतक दो बच्चों का पिता था। पुलिस द्वारा मौके से भागे अज्ञात वाहन और चालक की तलाश सीसीटीवी कैमरों की मदद से करने का प्रयास कर रही है।

मंडी में टमाटर की आवक बढ़ने से भाव गिरे

रिटेल में 10 रुपए किलो तक बिक रहा, कम कीमत से लागत भी नहीं निकल पा रही

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। थोक सब्जी मंडी में टमाटर की भारी आवक हो रही है। रोजाना बडी मात्रा में टमाटर मंडी में पहुंच रहा है, जिससे दाम तेजी से गिर गए हैं। वर्तमान में टमाटर की कीमत गुणवत्ता के अनुसार थोक में मात्र 8 से 10 रुपए प्रति किलो रह गई है। रिटेल में भी यह 10 से 15 रुपए किलो में बिक रहा है।

किसानों का कहना है कि एक कैरेट टमाटर की लागत 80 से 90 रुपए आती है, जिसमें तुड़ाई, गाड़ी भाड़ा, मजदूरी, बीज, खाद और दवाई का खर्च शामिल है। मौजूदा कीमतों पर उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों के पास टमाटर को खेतों में खराब होने से बचाने के लिए मंडी में बेचने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। सर्दियों में हरी सब्जियों की अधिक उपलब्धता के कारण टमाटर की मांग कम हो जाती है, जिससे कीमतों में गिरावट आती है। गर्मियों में जब आवक घटकर 2 से 3 हजार कैरेट रह जाती है, तब कीमतें धीरे-धीरे बढने लगती हैं। यही टमाटर बारिश और सर्दियों में 1000 से 1200 रुपए प्रति कैरेट तक बिकता है। थोक सब्जी व्यापारियों के मुताबिक मई से लेकर अक्टूबर तक थोक में 1500 से 2000 हजार रुपए प्रति कैरेट तक भाव पहुंच गए थे। नवंबर-दिसंबर में ठंड शुरू होते ही जोरदार आवक होने से दाम और 500 से 700 रुपए प्रति कैरेट तक पहुंच गए। अब फरवरी के अंत में दाम औंधे मुंह गिर पड़े और 80 से 100 रुपए प्रति कैरेट (1 कैरेट में 25 किलो) तक आ पहुंचे। भाव ओर गिरकर 6 से 8 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गए। टमाटर की फसल दो प्रकार से लगाई जाती हैं। एक तो जमीन में सीधे और दूसरे तार और बांस-बल्लियों पर बेल को चढ़ाया जाता है। जमीन पर फसल लगाने वाले किसानों को लागत कम लगती हैं, लेकिन यह टमाटर जल्दी खराब होता है। स्टोरेज में भी दिक्कत रहती है इसलिए इसकी मांग फिलहाल कम है।

होलिका दहन स्थल पर भी पुलिस निगरानी रखेगी। इस बार शहर में 300 से अधिक स्थानों पर होलिका दहन होगी।

दरवाजा बंद कर युवक ने लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दरवाजा बंद कर युवक ने फांसी लगा ली। काफी देर तक नहीं आने पर पत्नी देखने पहुंची तो दरवाजा नही खुला। वेंटीलेशन से देखा तो पति फंदे पर लटका हुआ था। शनिवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने जांच शुरू की है। कनीपुरा मार्ग एमपी नगर में रहने वाले आयुष पिता यशवंत दावरे ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। कमरे से काफी देर तक बाहर नहीं आने पर पत्नी बुलाने पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद था, काफी देर तक नहीं खुलने पर उसने वेंटिलेशन से देखा तो आयुष रस्सी के फंदे से लटका हुआ था। पत्नी ने शोर मचा कर आसपास के लोगों को बुलाया और दरवाजा तोड़कर आयुष को नीचे उतारा। अस्पताल लाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। चिमनगंज थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर शनिवार सुबह पोस्टमार्टम कराया। इस दौरान सामने आया कि आयुष पत्नी के साथ किराए किस रहता था उसका पैतृक निवास नीलगंगा क्षेत्र में है। फिलहाल उसने फांसी क्यों लगाई इसका कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। जानकारी यह भी सामने आई है कि कुछ दिनों पहले मृतक ने अपने साथी के साथ मिलकर माधव नगर थाना क्षेत्र में घर के बाहर खड़ी कार में आगजनी को अंजाम दिया था पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था जमानत पर जेल से बाहर आया था।